पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

क्वीन 2 में कंगना रनोट नजर... 11

वर्ष - 02, अंक - 05 | गाजियाबाद / गुरूवार 09 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

गुजरातियों पर किए कमेंट के लिए खरगे ने मांगी माफी

- बोले-हमेशा रहेगा सम्मान, बयान को गलत पेश किया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान गुजरात के लोगों पर की गई टिप्पणी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने माफी मांगी है। उन्होंने कहा है कि उनकी टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है, लेकिन फिर भी वह खेद व्यक्त करते हैं। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हाल ही में केरल में दिए गए मेरे एक चुनावी भाषण की कुछ

टिप्पणियों को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। फिर भी, मैं अपनी तरफ से जिम्मेदारी के साथ खेद व्यक्त करता हूं। गुजरात के लोगों के प्रति मेरे मन में हमेश सर्वोच्च सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। वहां के लोगों की भावनाओं को आहत करना मेरा कभी उद्देश्य नहीं था। दरअसल, पिछले दिनों केरल चुनाव के दौरान प्रचार करते हुए खरगे ने एक रैली को संबोधित किया था, जहां पर उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। हालांकि, इस दौरान उन्होंने गुजरात के लोगों का जिक्र किया, जिससे काफी विवाद हुआ। खरगे ने कहा था, मोदी जी, आप गुजरात के अनपढ़ लोगों को बेवकूफ बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते। खरगे की टिप्पणी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने व्यापक निंदा की थी और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी के डीएनए में गुजरात विरोधी जहर बहता है और माफी की मांग की। खरगे की टिप्पणी की निंदा करने वाले नेताओं में सीएम भी हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

- राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खरगे ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और मेरठ से तीन बार सांसद रहीं मोहसिना किदवई का बुधवार को निधन हो गया। 93 साल की उम्र में किदवई ने सुबह चार बजे अस्पताल में आखिरी सांस ली। नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। मोहसिन किदवई के निधन पर कई राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी ने भी शोक जताया है। राहुल गांधी ने सोशल साइट एक्स पर लिखा है, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद मोहसिना किदवई जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। वे कांग्रेस पार्टी की एक वरिष्ठ और निष्ठावान नेता थीं, जिनका संपूर्ण जीवन जनसेवा का उदाहरण रहा है। अपनी सादगी, सौम्यता और गरिमामय राजनीतिक सफलता से उन्होंने देश की कई पीढ़ियों की महिलाओं को प्रेरित किया। दुख की इस घड़ी में, मैं उनके परिवार और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस पार्टी की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती मोहसिना किदवई जी के निधन से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिन्होंने अपने जीवन के छह दशकों से अधिक समय राष्ट्र सेवा में समर्पित किया। लोकसभा और राज्यसभा में दीर्घकालिक सांसद और कई वर्षों तक कांग्रेस कार्यसमिति की एक सम्मानित सदस्य के रूप में, वे पार्टी के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर में भी मार्गदर्शक बनी।

- रेपो रेट में बदलाव नहीं, महंगे नहीं होंगे लोन

आरबीआई ने ब्याज दर 5.25 फीसदी पर बरकरार रखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वित्त वर्ष की पहली मीटिंग में रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने 8 अप्रैल को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी के फैसलों की जानकारी दी। इससे पहले फरवरी में भी रेपो रेट में बदलाव नहीं हुआ था। आरबीआई ने आखिरी बार दिसंबर 2025 में ब्याज दर 0.25 घटाकर 5.25 फीसदी की थी। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है, उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है तो बैंक इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। आरबीआई गवर्नर

के मुताबिक, महंगाई में उछाल का खतरा अभी टला नहीं है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश से महंगाई बढ़ी है।

हर दो महीने में होती है आरबीआई की मीटिंग

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। आरबीआई की मीटिंग हर दो महीने में होती है। वित्त वर्ष 2026-27 में मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की कुल 6 बैठकें होंगी। पहली बैठक 6-8 अप्रैल 2026 को हुई है। आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों को लोन सस्ता मिलता है, तो वो अक्सर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं।

कोई कोर्ट धार्मिक परंपरा को अंधविश्वास नहीं कह सकता

- सरकार बोली-आप एक्सपर्ट नहीं, यह फैसला विधायिका करेगी

कोर्ट बोला- हमें रिव्यू का पूरा अधिकार, भेदभाव का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ भेदभाव मामले में सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को दूसरे दिन की सुनवाई जारी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा- कोई सेक्युलर अदालत किसी धार्मिक प्रथा को सिर्फ अंधविश्वास नहीं कह सकती, क्योंकि उसके पास ऐसा तय करने की विशेषज्ञता नहीं होती। उन्होंने कहा कि जो चीज नगालैंड के किसी समुदाय के लिए धार्मिक हो सकती है, वही मेरे लिए अंधविश्वास लग सकती है। हमारा समाज बहुत विविधतापूर्ण है, यहां अलग-अलग लोग, धर्म और मान्यताएं हैं। ऐसे में अदालत के लिए ऐसा फैसला देना खतरनाक हो सकता है। इस पर जस्टिस

अमानुल्लाह ने कहा मिस्टर मेहता, आपने बात को बहुत आसान बना दिया है। अदालत के पास न्यायिक समीक्षा का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट में 50 से ज्यादा रिव्यू पिटीशन

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव का मामला बीते 26 सालों से देश की अदालतों में हैं। 2018 में, 5 जजों की बेंच ने 4-1 के बहुमत से मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक हटा दी थी। इसके बाद कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की संविधान बेंच 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक 50 से ज्यादा याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। कोर्ट में रिव्यू पिटीशनरों और उन्हें सपोर्ट करने वाले 7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक दलीलें दे सकेंगे।

अमरीका-ईरान के बीच थम गया युद्ध

- सीजफायर पर ट्रंप की मुहर, मोजतबा ने भी दे दी हरी झंडी
- दो हफ्ते के लिए युद्धविराम, होर्मुज स्टेट की सुरक्षा सुनिश्चित

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध को रोकने के लिए, किए गए सीजफायर की घोषणा के पीछे ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की भूमिका सामने आ रही है। एक्सियोस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस बड़े फैसले के पीछे ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई थे। जो पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के बेटे हैं। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच समझौता कराने के लिए जब पाकिस्तान नेता कई संशोधित प्रस्ताव को इधर उधर करा रहे थे। तब तुर्की और मिस्र खाई पाटने में लगे थे।

इस्लामाबाद में मिलेंगे दोनों देशों के नेता

इसके बाद मंगलवार दोपहर तक, दोनों देशों के बीच आम सहमति बन गई थी। वहीं, कुछ घंटों बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम समझौते की शर्तें जारी की और दोनों पक्षों से उन्हें स्वीकार करने की अपील की। ट्रंप ने भी फिर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले रोकने पर सहमत हूं।

भारत ने यूएस-ईरान सीजफायर का स्वागत किया

भारत सरकार ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने 8 अप्रैल को जारी बयान में कहा कि यह कदम पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में अहम साबित हो सकता है। बयान में कहा गया कि भारत पहले भी लगातार यह जोर देता रहा है कि तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के जरिए ही संघर्ष थमेगा।

ईरान से युद्धविराम कर चलते बने ट्रंप, फंस गया इजराइल

अब इजरायल चुकाएगा कीमत, अमेरिका के फैसले से सदमे में नेतन्याहू!

तेल अवीव (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ युद्धविराम कर जंग से बाहर निकल आए हैं जबकि सहयोगी इजरायल युद्ध के मैदान से उन्हें हैरान परेशान देख रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जीत का ढिंढोरा पीट दिया है जबकि हकीकत ये है कि ईरान ने अमेरिका की एक भी शर्त नहीं मानी। उल्टा होर्मुज स्ट्रेट पर अब तेहरान का कंट्रोल भी हो चुका है। इजरायल में सदमा है। विपक्षी नेता ने नेतन्याहू पर नाकामी के आरोप लगाए हैं। इजरायली अखबार देश की सरकार से कठिन सवाल पूछ रहे हैं। अखबारों में पूछा गया है कि क्या वाकई ईरान होर्मुज

स्ट्रेट खोल रहा है? क्योंकि ईरान ने तो आधिकारिक बयान में जहाजों के गुजरने के लिए शर्तें लगा दी हैं। बिना ईरान सेना की इजाजत के कोई भी जहाज होर्मुज से निकल नहीं सकते। युद्धविराम होने के बाद भी ईरान की तरफ से मध्य इजरायल पर मिसाइलों की बौछार की गई। इजरायल की इंटेलिजेंस कम्युनिटी को पहले से ही अंदाजा था कि अगर सीजफायर होता है तो इस तरह के हमले हो सकते हैं। ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठन संदेश दे रहे हैं कि वो जीत चुके हैं और इजरायल में सवाल पूछा जा रहा है।

चिल्लाने लगे डेरेक ब्रायन, सीईसी ने कहा-यहां से दफा हो जाओ

- बंगाल चुनाव के बीच महासंग्राम, टीएमसी के गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस और निर्वाचन आयोग (सीईसी) के बीच कड़वाहट अपने चरम पर पहुंच गई है। बुधवार को दिल्ली में चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ और टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई महज सात मिनट की मुलाकात एक बड़े विवाद के साथ समाप्त हुई। टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। हालांकि,

चुनाव आयोग की तरफ से भी सफाई दी गई और टीएमसी नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। डेरेक ओ ब्रायन ने दावा किया कि जब सबूत सौंपे तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे कहा कि 'दफा हो जाओ'।

- **टीएमसी नेताओं ने चिल्लाकर बात की**- दूसरी ओर, चुनाव आयोग के सूत्रों ने टीएमसी के दावों को सिरे से खारिज करते हुए इसे झूठ करार दिया है। पीटीआई ने आयोग के सूत्रों के हवाले से कहा है कि डेरेक ओ ब्रायन चुनाव आयुक्तों पर चिल्ला रहे थे और उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को बोलने तक नहीं दिया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कथित तौर पर ओ ब्रायन से मर्यादा बनाए रखने का अनुरोध किया और कहा कि चीखना-चिल्लाना और अभद्र व्यवहार आयोग के कक्ष में उचित नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ एलजी का ऐक्शन जारी

- लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े दो सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा की जीरो-टॉलरेंस पॉलिसी लगातार जारी है।

एलजी मनोज सिन्हा ने बुधवार को दो सरकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी है। इनमें से फरहत अली खांडे नाम का एक कर्मचारी रामबन में शिक्षा विभाग में क्लास 2 का कर्मचारी था। वहीं दूसरा कर्मचारी ग्रामीण विकास विभाग में क्लास-2 का कर्मचारी था, जिसकी पहचान बांदीपोरा के रहने वाले मोहम्मद शफी डार के रूप में हुई है। ये बर्खास्तगी भारत के संविधान के अनुच्छेद 311(2)(ए) के तहत की गई है।

होर्मुज में फंसे 16 जहाजों को लाने की तैयारी शुरू

- सीजफायर के तुरंत बाद भारत ने ईरान से साधा संपर्क
- क्षेत्रीय शांति और ऊर्जा सुरक्षा भारत की है प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में ईरान-अमेरिका के बीच घोषित सीजफायर की घोषणा के तुरंत बाद बुधवार को भारत ने ईरान से संपर्क साधा है ताकि होर्मुज के पश्चिम में उसके जो तेल व गैस के जहाज फंसे हैं उन्हें तुरंत वहां से स्वदेश लाया जा सके। भारत सरकार ने सीजफायर का स्वागत करते हुए आशा जताई है कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति कायम होगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है, हम घोषित युद्ध विराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि यह पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की ओर ले जाएगा। जैसा कि हम पहले से लगातार वकालत कर रहे थे, संघर्ष को कम करने के साथ संवाद और कूटनीति ही चल रहे संघर्ष को जल्द समाप्त करने के लिए आवश्यक हैं। भारत ने आगे कहा है कि संघर्ष से पहले ही लोगों को अपार पीड़ा पहुंची है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति तथा व्यापार नेटवर्क बाधित हुए हैं।

कम होगा ऊर्जा संकट, सरकार ने जताया विश्वास

सरकारी सूत्रों के अनुसार, सीजफायर की घोषणा के बाद भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जारी चिंता अब कम होने की उम्मीद है। वर्तमान में भारत के 16 जहाज होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में फंसे हुए हैं। इनमें अधिकांश तेल और गैस से जुड़े जहाज हैं। इन जहाजों में तकरीबन दो लाख टन से ज्यादा एलपीजी है जिसकी भारत को सख्त जरूरत है। इन जहाजों को तुरंत निकालने के लिए भारतीय सरकार ईरान के साथ लगातार संपर्क में है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया से आने वाला हिस्सा करीब 60 प्रतिशत है।

दक्षिण के रण में मोदी की हुंकार, राहुल गांधी गायब!

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनावी सरगर्मियां जोरों पर हैं। जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राज्य के दौरे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तमिलनाडु में चुनाव प्रचार से दूरी राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रही है। पिछले दो महीनों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा और अपने सहयोगी दलों

- चुनाव से पहले ही दरक रहा कांग्रेस-डीएमके गठबंधन

के पक्ष में माहौल बनाने के लिए तीन बार तमिलनाडु का दौरा किया है। उनका यह अभियान यहीं नहीं रुकने वाला है; पीएम मोदी 15 अप्रैल को फिर से राज्य का दौरा करने वाले हैं, जहां वे नागरकोइल में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर वोट मांगेंगे।

पीएम मोदी के इस ताबड़तोड़ प्रचार के ठीक विपरीत, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अब तक तमिलनाडु में एक बार भी चुनाव प्रचार नहीं किया है। उनकी इस अनुपस्थिति ने इन अटकलों को हवा दे दी है कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस स्थिति की तुलना 2021 के विधानसभा चुनाव से कर रहे हैं। उस समय राहुल गांधी ने चुनाव से काफी पहले, जनवरी महीने में ही तीन दिवसीय दौरे

के साथ तमिलनाडु में अपने चुनाव प्रचार का शंखनाद कर दिया था।

सीट बंटवारे की खींचतान का नतीजा

डीएमके के एक पदाधिकारी ने भी इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, राहुल ने अपने भाषण में एक बार भी स्टालिन के नाम का जिक्र नहीं किया। इसके जवाब में स्टालिन ने भी राहुल गांधी के बारे में कोई बात नहीं की।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच यह दूरी दरअसल चुनाव से पहले सीट-बंटवारे को लेकर दोनों पार्टियों के बीच हुई खींचतान और मनमुटाव का सीधा नतीजा है। डीएमके सूत्रों की मानें तो उनकी तरफ से राहुल और स्टालिन की मुलाकात कराने की कोई कोशिश भी नहीं की गई थी।

पार्टियों की सफाई और आगामी योजना

गठबंधन में अनबन की इन खबरों के बीच, डीएमके के संगठनात्मक सचिव आरएस भारती ने सफाई पेश की है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने अपनी-अपनी जनसभाओं की योजना बहुत पहले ही बना ली थी और आखिरी समय में एक संयुक्त रैली आयोजित करने के लिए शेड्यूल्स में बदलाव करना संभव नहीं था। हालांकि, उन्होंने यह दावा जरूर किया कि दोनों नेता जल्द ही एक साथ चुनाव प्रचार करते नजर आएंगे। इस बीच, राज्य के कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है कि राहुल गांधी के चुनाव प्रचार का कार्यक्रम अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है।

शाहजहांपुर में मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बाप-बेटे समेत तीन ने लगा ली फांसी

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान आत्मघाती कदम उठाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के मगटोरा गांव के मजरेता में मंगलवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रशासन की टीम एक मकान को चकरोड में बताते हुए उसे ध्वस्त करने के लिए जेसीबी लेकर पहुंची। टीम को देखते ही मकान स्वामी और उसके परिजनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि बाप-बेटे समेत परिवार के तीन सदस्यों ने घर के समीप एक पेड़ पर फंदा डालकर फांसी लगा ली। मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए फौरन दो लोगों को नीचे उतारकर बचा लिया, लेकिन तीसरे व्यक्ति की हालत बिगड़ गई। उसे आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए देर शाम सिटी मजिस्ट्रेट ने अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल जाना और मामले की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि करीब एक साल पहले भी प्रशासन इस मकान को तोड़ने की कोशिश कर चुका था।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

इसी बीच, प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले से भी एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। कटरी क्षेत्र के कुआं खेड़ा वजीर आलम गांव में 35 वर्षीय महिला चांदनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे पर लटका मिला। ससुराल पक्ष का दावा है कि वह लंबे समय से बीमारी से परेशान थी और इसी तनाव में उसने जान दे दी। घटना के समय मौजूद मृतका की छोटी बहन नीलम ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। इस घटना से गांव में कोहराम मच गया और मायके पक्ष ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रदेश के इन दो अलग-अलग जिलों में हुई घटनाओं ने प्रशासनिक संवेदनशीलता और पारिवारिक तनाव के मुद्दों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस दोनों ही मामलों की गहनता से जांच कर रही है।

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर भ्रामक वीडियो बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जालना जिले के युवक उद्धव भगवान काप्से को सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक वीडियो बनाने और वायरल करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इस वीडियो में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की छवि धूमिल करने और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार से जुड़े विमान हादसे को लेकर गलत जानकारी फैलाने का आरोप है। पश्चिमी क्षेत्रीय पुलिस विभाग की साइबर सेल ने आरोपी की पहचान कर कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई लाया गया। बांद्रा की अदालत ने काप्से को 10 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। मुंबई साइबर पुलिस के अनुसार, काप्से द्वारा अपलोड किए गए वीडियो को हटाने से पहले करीब 1.5 लाख बार देखा जा चुका था। जांच में सामने आया कि वीडियो में मुख्यमंत्री फडणवीस को निशाना बनाकर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री थी और विमान हादसे से संबंधित तथ्य भी गलत तरीके से प्रस्तुत किए गए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने वायरल वीडियो का गंभीर संज्ञान लेकर साइबर सेल को केस दर्ज करने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया से वीडियो हटवाकर एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ फर्जी वीडियो वायरल करने और सार्वजनिक हस्तियों को बदनाम करने की एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण से वीडियो का स्रोत जालना जिले के बुट्टेगांव गांव से पाया गया। पुलिस की टीम ने काप्से को हिरासत में लिया। पूछताछ में काप्से ने स्वीकार किया कि उसने उपलब्ध फुटेज को संकलित कर एआई टूल्स की मदद से वीडियो बनाकर साझा किया। काप्से बुट्टेगांव का निवासी है, कक्षा 10 तक पढ़ा है और अपने माता-पिता के साथ रहता है।

पंचकूला में हेरोइन तस्कर गिरफ्तार, 3.4 किलो हेरोइन और 15 लाख बरामद

पंचकूला (एजेंसी)। पंचकूला पुलिस क्राइम ब्रांच-26 ने एक बड़े हेरोइन तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से करीब 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है और जल्द ही पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना जताई है। डीसीपी क्राइम अमरिंदर सिंह ने बताया कि आरोपी लवजोत को सेक्टर-20 के कुंडी गांव से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पंजाब के जलालाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में चंडीगढ़ में किराए के मकान में रहकर ट्राईसिटी क्षेत्र में नशे का जाल फैला रहा था। पुलिस ने बताया कि लवजोत के पास से 3 किलो 400 ग्राम हेरोइन और 15 लाख रुपए नकद बरामद हुए हैं। हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर 4 दिन का पुलिस रिमांड लिया गया है। जांच के दौरान सामने आया कि लवजोत का नेटवर्क पहले से पकड़े गए दो अन्य आरोपियों से जुड़ा था। 3 अप्रैल को रायपुररानी के टाबर गांव से साहिल को 310 ग्राम चिट्टे के साथ पकड़ा गया था। इसके बाद साहिल के बयान पर 5 अप्रैल को सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया। सतनाम ने लवजोत को अपना मुख्य सप्लायर बताया। डीसीपी ने बताया कि हेरोइन का स्रोत पाकिस्तान है और सप्लाई चैन की पहचान कर ली गई है। आरोपी नेटवर्क के अन्य हैंडलर्स की भी जल्द गिरफ्तारी की संभावना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सिरसा के बाद यह पंचकूला में पकड़ी गई सबसे बड़ी हेरोइन खेप है। पुलिस लगातार इस मामले की गहन जांच कर रही है और अन्य जुड़े लोगों के नामों का खुलासा होने की संभावना है। रिमांड के दौरान लवजोत से और पूछताछ की जाएगी ताकि पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया जा सके।

रामपुर में बूंदाबांदी और ठंड से किसान चिंतित, बिजली आपूर्ति प्रभावित

रामपुर(एजेंसी)। शहर में मंगलवार शाम से मौसम ने रुख बदला और तेज आंधी के बाद बुधवार सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई। किसानों में कटाई के दौरान गेहूं की फसल को नुकसान होने की चिंता बढ़ गई है। तेज हवा और बारिश के कारण शहर की बिजली आपूर्ति मंगलवार से बाधित रही। सिविल लाइंस, पहाड़ी गेट, नवाब गेट सहित कई क्षेत्रों में आधा घंटा तक आपूर्ति प्रभावित रही। अधिशासी अभियंता अनुराग सिंह ने बताया कि आपूर्ति अब सभी क्षेत्रों में सुचारू रूप से चल रही है। किसानों के लिए मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि कटे हुए गेहूं को खुले में न छोड़ें और खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें ताकि फसल को बारिश से नुकसान न पहुंचे। बूंदाबांदी के चलते न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया और ठंड का अहसास हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने बदला नियम, अब बड़े मामलों की सुनवाई केवल सीजेआई ही करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तत्काल सुनवाई की प्रक्रिया को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। नए नियम के तहत अब अत्यंत आवश्यक मामले, जिनमें नियमित सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया का इंतजार नहीं किया जा सकता, उनका उल्लेख केवल मुख्य न्यायाधीश के समक्ष ही किया जा सकेगा। यह नियम तब भी प्रभावी रहेगा जब मुख्य न्यायाधीश किसी संविधान पीठ की अध्यक्षता करने में व्यस्त हों। न्यायालय के इस कदम का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया में स्पष्टता लाना और तत्काल सुनवाई के मामलों के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

छह अप्रैल को जारी आधिकारिक परिपत्र में स्पष्ट किया गया है कि अत्यंत आवश्यक मामलों का उल्लेख अब केवल अदालत संख्या-1 (मुख्य न्यायाधीश की अदालत) के समक्ष ही करने की अनुमति है। परिपत्र में जोर देकर कहा गया है कि भले ही प्रधान न्यायाधीश किसी भी विशेष पीठ या संविधान पीठ का हिस्सा हों, वकीलों को ऐसे मामलों के लिए किसी अन्य पीठ के सामने जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश 29 नवंबर, 2025 के पिछले परिपत्र के संदर्भ में जारी किया गया है, ताकि सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया में होने वाले किसी भी भ्रम को दूर किया जा सके। बता दें कि इस प्रशासनिक बदलाव के बीच, मुख्य न्यायाधीश ने हाल ही में न्यायिक बुनियादी ढांचे की मजबूती पर भी अपने विचार साझा किए थे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा था कि देश भर में न्यायिक परिसरों का विस्तार हो रहा है और सभी राज्य सरकारें अब यह स्वीकार कर रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में अटूट विश्वास था, और प्रत्येक राज्य के लिए उच्च न्यायालय की स्थापना इसी संवैधानिक दायित्व का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश के अनुसार, यह केवल कानूनी आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता है।

पुरानी व्यवस्था में बदलाव

इससे पहले की व्यवस्था के अनुसार, यदि मुख्य न्यायाधीश उपलब्ध नहीं होते थे या किसी संविधान पीठ की सुनवाई में व्यस्त रहते थे, तो अत्यावश्यक मामलों के उल्लेख के लिए उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज (सीनियर मोस्ट जज) के पास जाने का प्रावधान था। वकीलों को तत्काल राहत पाने के लिए वरिष्ठ जजों की पीठ के सामने अपनी अर्जी रखने की अनुमति थी। हालांकि, नए सर्कुलर ने अब इस प्रक्रिया को पूरी तरह मुख्य न्यायाधीश की पीठ तक ही सीमित कर दिया है।

पश्चिम बंगाल में फिर बनेगी ममता सरकार, अखिलेश यादव का दावा

भाजपा पर साधा निशाना, निर्वाचन आयोग और महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी उठाए सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में एक बार फिर ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और भाजपा को जनता करारा जवाब देगी। पत्रकारों से बातचीत के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी चाहे कितनी भी कोशिश, बेईमानी या साजिश कर ले, पश्चिम बंगाल की जनता उसे सत्ता में नहीं आने देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व में जनता का समर्थन बना हुआ है और यही चुनाव परिणामों में भी दिखाई देगा। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार और चुनाव प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लिए बिना निशाना साधते हुए यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अपने कर्तव्यों का सही ढंग से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग का ध्यान मतदाताओं को जोड़ने के बजाय उन्हें हटाने पर केंद्रित दिखाई देता है, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। सांसद अखिलेश यादव ने संसद में प्रस्तावित महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि देश की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है, ऐसे में वर्तमान जनसंख्या के आधार पर आरक्षण तय किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उनका कहना था कि चुनाव के बाद इन समस्याओं में और बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

आप का बड़ा फैसला: उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी पार्टी

-इसुदान गढ़वी बोले- कांग्रेस और बीजेपी में हो सीधा मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की राजनीति में एक अहम मोड़ लेते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने उमरेठ विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने इस निर्णय की घोषणा करते हुए कहा, पार्टी अब पूरी तरह से आगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

गढ़वी ने मंगलवार को अपने एक बयान में स्पष्ट किया कि आप इस उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी और चाहती है कि मुकाबला सीधे कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हो। उन्होंने कांग्रेस को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि वह खुद को मजबूत विपक्ष मानती है, तो उसे भाजपा को हराकर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम उमरेठ उपचुनाव नहीं लड़ेंगे। हमारा फोकस केवल स्थानीय निकाय चुनावों पर है। हम चाहते हैं कि भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला हो, क्योंकि कांग्रेस अक्सर हमें भाजपा की 'बी-टीम' कहती है। अब उनके पास मौका है कि वे सीधे भाजपा का सामना करें।'

आप के इस फैसले को राजनीतिक रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी फिलहाल जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने और स्थानीय निकाय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। गुजरात में पिछले कुछ वर्षों में आप ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन विधानसभा और उपचुनावों में उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में पार्टी का यह कदम संकेत देता है कि वह अपनी ऊर्जा और संसाधनों को अधिक प्रभावी चुनावी क्षेत्रों में लगाना चाहती है।

आंध्र ओपन 2026: खालिन जोशी ने बनाई बढ़त दूसरे दिन छह अंडर के साथ शीर्ष पर काबिज

खालिन जोशी

ध्रुव श्योरन दूसरे राउंड में

विशाखापट्टनम (शिखर समाचार)। आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित ईस्ट प्वाइंट गोल्फ क्लब में खेले जा रहे 1 करोड़ रुपये इनामी आंध्र ओपन 2026 के दूसरे दिन बेंगलुरु के अनुभवी गोल्फर खालिन जोशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बना ली है।

33 वर्षीय खालिन जोशी ने लगातार दूसरे दिन तीन अंडर 68 का स्कोर करते हुए कुल छह अंडर 136 के साथ लीड हासिल की। उन्होंने पहले दिन के प्रदर्शन को दोहराते हुए स्थिर खेल दिखाया और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में खुद को शीर्ष पर बनाए रखा।

पहले दिन के लीडर ध्रुव श्योरन दूसरे राउंड में एक अंडर 70 का स्कोर ही बना सके, जिसके चलते वह पांच अंडर 137 के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए। वहीं, डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के 14 बार के विजेता चिकारंगप्पा एस. ने भी 70 का स्कोर कर चार अंडर 138 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

हवा के तेज झोंकों के बीच खेलना खिलाड़ियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन खालिन ने बेहतरीन नियंत्रण दिखाते हुए चार बर्डी और एक बोगी के साथ अपना राउंड पूरा किया। मुकाबले के बाद उन्होंने कहा कि हवा की बदलती दिशा सबसे बड़ी चुनौती थी, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया। कोर्स में बदलाव करते हुए पार-5 सातवें होल को 477 यार्ड का पार-4 बना दिया गया है, जिससे कुल पार 72 से घटकर 71 हो गया है।

प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर छह खिलाड़ी विराज मदप्पा, श्रीलंका के एन. थंगराजा, चंडीगढ़ के ब्राश्वरपाल सिंह, अक्षय शर्मा, मनजोत सिंह और दुबई के यश मजमुदार दो अंडर 140 के साथ संयुक्त रूप से बने हुए हैं।

कट छह ओवर 148 पर लगा, जिसके बाद कुल 130 में से 52 खिलाड़ी अंतिम दो राउंड के लिए क्वालिफाई कर सके।

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) भारत में पुरुष प्रोफेशनल गोल्फ का आधिकारिक संचालन करने वाली संस्था है। यह अंतरराष्ट्रीय गोल्फ फेडरेशन और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पीजीए टूर का मान्यता प्राप्त सदस्य है। पीजीटीआई टूर्नामेंट्स में खिलाड़ियों को आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग अंक भी प्राप्त होते हैं।

नरेला में नारायणी सेना के पदाधिकारियों ने शंकराचार्य से की भेंट, गौ रक्षा व धर्म जागरण पर जोर

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। नरेला क्षेत्र में नारायणी सेना के पदाधिकारियों ने परम पूज्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से भेंट कर गौ रक्षा, धर्म जागरण और वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान संगठन से जुड़े आचार्य रामानुज ने कहा कि वर्तमान समय परिवर्तन का दौर है और इसे धर्म के लिए निर्णायक काल के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युग की क्रांति का शंखनाद हो चुका है और यह एक ऐसे संघर्ष की शुरूआत है, जो आने वाले समय में और व्यापक रूप लेगा।

आचार्य रामानुज ने कहा कि पृथ्वी स्वरूपा गौमाता ही मानव सभ्यता की रक्षा के लिए जीवनदायिनी कवच बनेंगी और समाज को गौ संरक्षण के प्रति जागरूक होकर इसे जनआंदोलन का रूप देना होगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे धर्म ध्वजा को धारण कर सच्चे सनातनी बनें और समाज में धर्म आधारित मूल्यों को सुदृढ़ करें। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कई बड़े परिवर्तनों का साक्षी बनेगा और इसके लिए समाज को अभी से तैयार रहना होगा।

अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में सनातन धर्म के अनुयायियों को विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। मथुरा-वृंदावन में गौ रक्षक फरसा बाबा की मृत्यु का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। साथ ही उन्होंने कहा कि गौ तस्करी के खिलाफ कार्य करने वाले लोगों को भी कई बार प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जो चिंता का विषय है।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि धर्म की स्थापना और समाज में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए सभी को संगठित प्रयास करने होंगे। गौ रक्षा राष्ट्र रक्षा अभियान को सशक्त बनाते हुए इसे जन-जन तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि धर्म और सत्य की रक्षा के लिए समाज में जागरूकता बढ़ रही है और अंततः न्याय की विजय होगी।

इस अवसर पर दिल्ली प्रभारी अधिवक्ता भीम सिंह दुग्गल और युवा शक्ति प्रमुख ठाकुर आदित्य वत्स भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धर्मो रक्षति रक्षितः और नमो नारायण के उद्घोष के साथ हुआ, जहां उपस्थित लोगों ने धर्म और गौ संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

5000 वर्षों के इतिहास का विश्लेषण: हिंदू सभ्यता के पतन' पर UPSC सचिव शशि रंजन कुमार का बड़ा खुलासा

अरणि गौड़
नई दिल्ली (शिखर समाचार)।
संघ लोक सेवा आयोग के सचिव शशि रंजन कुमार ने अपनी पुस्तक ह्लहिंदू सभ्यता का पतनः अतीत से सीखह्व के माध्यम से भारतीय इतिहास के लगभग 5000 वर्षों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया है। इसी विषय पर आरनी गौर ने उनसे विशेष बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश

प्रश्नः आप विज्ञान और अभियांत्रिकी के छात्र रहे हैं, फिर इतिहास पर इतनी गंभीर पुस्तक लिखने की प्रेरणा कैसे मिली?

उत्तरः मैं भले ही विज्ञान का छात्र रहा हूँ, लेकिन इतिहास में मेरी रुचि शुरू से ही रही है। सिविल सेवा की तैयारी के दौरान मुझे इतिहास को गहराई से पढ़ने का अवसर मिला।

उस समय मैंने महसूस किया कि भारत के इतिहास को लेकर समाज में दो तरह के चरम विचार मौजूद हैं। एक वर्ग इसे पूरी तरह स्वर्णिम मानता है, जबकि दूसरा इसे अंधविश्वास और शोषण से जोड़कर देखता है।

इन्हीं विरोधाभासों के बीच मैंने तथ्यात्मक निष्कर्ष निकालने का निर्णय लिया, जिससे इस पुस्तक की शुरूआत हुई।

प्रश्नः आपने इस पुस्तक में किन विषयों को शामिल किया है और आपका शोध कितना व्यापक रहा?

उत्तरः इस पुस्तक में चार खंड और 16 अध्यायों के माध्यम से भारत के इतिहास को प्रस्तुत किया गया है।

पहले खंड में शिक्षा, खगोल विज्ञान, गणित, चिकित्सा, नाट्यशास्त्र, कामसूत्र, अर्थशास्त्र और भारतीय संस्कृति जैसे विषय शामिल हैं।

इसके साथ ही ग्रीस, रोम और चीन जैसी समकालीन सभ्यताओं से तुलना भी की गई है।

इस पुस्तक के लिए लगभग 350 से अधिक पुस्तकों और शोध पत्रों का संदर्भ लिया गया है।

प्रश्नः आपकी पुस्तक में भारत के पतन के प्रमुख कारण क्या बताए गए हैं?

उत्तरः तात्कालिक रूप से बाहरी आक्रमण एक बड़ा कारण रहे हैं, जिनमें हमारी ज्ञान परंपरा और संस्थाओं को नष्ट किया गया।

लेकिन असली कारण इससे कहीं अधिक गहरा है।

मेरे अनुसार सबसे बड़ा कारण हमारी रणनीतिक अंधता थी।

हम बाहरी दुनिया, उनकी रणनीतियों और उद्देश्यों को समझने में असफल रहे, जिसके कारण कम संख्या में आए आक्रमणकारी भी लंबे समय तक शासन कर सके।

प्रश्नः नालंदा जैसे ज्ञान केंद्रों के विनाश को आप कैसे देखते हैं?

उत्तरः मानव सभ्यता का विकास बौद्धिक विकास पर आधारित है।

जब तक ज्ञान का सृजन और प्रसार होता रहता है, तब तक सभ्यता आगे बढ़ती है।

लेकिन जब यह प्रक्रिया रुक जाती है या नष्ट हो जाती है, तब पतन शुरू हो जाता है।

नालंदा का विनाश केवल एक संस्थान का नहीं, बल्कि पूरी ज्ञान परंपरा के टूटने का प्रतीक था।

प्रश्नः "रणनीतिक अंधता" को थोड़ा विस्तार से समझाइए।

उत्तरः विदेशी यात्री जैसे मेगस्थनीज, ह्वेनसांग और मार्को पोलो भारत आए और यहाँ का विस्तृत वर्णन किया।

लेकिन भारत से बाहर जाकर अन्य देशों का अध्ययन करने की परंपरा विकसित नहीं हो सकी।

हम अपने संभावित शत्रुओं को समझ ही नहीं पाए, और यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी रही।

प्रश्नः आपने "भारत" और "इंडिया" के अंतर की बात भी की है।

उत्तरः "इंडिया" शब्द बाहरी लोगों द्वारा दिया गया नाम है, जो सिंधु नदी से निकला है।

जबकि "भारत" नाम हमारी अपनी पहचान और सांस्कृतिक जुड़ाव को दशार्ता है।

इन दोनों शब्दों में भावनात्मक अंतर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

प्रश्नः इतिहास से हमें क्या सीख लेनी चाहिए?

उत्तरः इतिहास से हमें गुस्सा या बदले की भावना नहीं रखनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है उससे सीख लेकर भविष्य में वही गलतियाँ न दोहराना।

हमें स्वयं को और अपने प्रतिद्वंद्वियों को समझना होगा।

जैसा कि प्रसिद्ध रणनीतिकार सुन त्जू ने कहा है यदि आप स्वयं को और अपने शत्रु को जानते हैं, तो आप कभी युद्ध नहीं हारेंगे।

प्रश्नः आपकी अगली पुस्तक किस विषय पर होगी?

उत्तरः अभी इसकी रूपरेखा तय नहीं है, लेकिन अगली पुस्तक इतिहास पर केंद्रित नहीं होगी।

अब मेरा ध्यान भविष्य पर है विशेषकर आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव पर।

प्रश्नः आपकी पुस्तक को अन्य इतिहास पुस्तकों से अलग क्या बनाता है?

उत्तरः अक्सर इतिहास की पुस्तकें किसी विचारधारा से प्रभावित होती हैं।

लेकिन मेरी कोशिश रही है कि यह पुस्तक पूरी तरह तथ्य और साक्ष्यों पर आधारित हो।

इसी कारण यह पुस्तक उन पाठकों के लिए भी उपयोगी है, जो पहली बार इतिहास को समझना चाहते हैं।

विजयनगर में आक्रामक श्वानों से मिलेगी निजात, नगर आयुक्त ने डॉग कैचिंग वैन का किया शुभारंभ

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम आक्रामक श्वानों से लोगों को बचाने के लिए लगातार उनका बाध्यकरण करवा रहा है, जिसके लिए नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के आदेश पर प्रत्येक जोन में डॉग कैचिंग वैन की व्यवस्था कराई गई है। बुधवार को नगर आयुक्त तथा विजयनगर जोन के पार्षदों ने निगम मुख्यालय में एक नई डॉग कैचिंग वैन का शुभारंभ किया। इस मौके पर उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज, मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी, पार्षद कन्हैया, पार्षद देवनारायण शर्मा, पार्षद भारत गौतम, पार्षद संतोष व अन्य भी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि पूर्व में 4 डॉग कैचिंग वैन निगम में थी। रोस्टर के अनुसार निराश्रित स्वान को पकड़ने का कार्य किया जाता था। एक नई डॉग कैचिंग वैन का शुभारंभ किया गया है, जिससे अब सभी जोन के लिए अलग-अलग डॉग कैचिंग वैन सरलता से उपलब्ध हो सकेंगी। एनिमल बर्थ कंट्रोल अभियान में तेजी आएगी। डॉग कैचिंग वैन को विजयनगर के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश टीम को दिए गए। शहर

वासियों की समस्याओं के समाधान के लिए गाजियाबाद नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। डॉग संबंधित संदर्भों और सुझावों का ध्यान रखते हुए प्रत्येक जोन में डॉग कैचिंग वैन की व्यवस्था की गई है, जिससे डॉग कैचिंग की क्षमता भी बढ़ेगी। डॉ. अनुज ने बताया कि कोटक बैंक के माध्यम से सीएसआर में गाजियाबाद नगर निगम को डॉग कैचिंग वैन उपलब्ध कराई गई है, जिसमें टीम के बैठने और डॉग कैचिंग के समय उपकरणों को रखने की व्यवस्था भी है। विजयनगर क्षेत्र वासियों के लिए नई डॉग कैचिंग वैन लाभदायक सिद्ध होगी और एनिमल बर्थ कंट्रोल अभियान को भी रफ्तार मिलेगी।

गौसेवा में उत्कृष्ट योगदान पर हापुड़ गौशाला अध्यक्ष सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)
गोरक्षा एवं गो आश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सराहनीय कार्य करने वाले हापुड़ गौशाला के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ठेकेदार को बुधवार को लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें गौसेवा और संरक्षण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

लखनऊ में आयोजित छठवीं उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस 2026 के दौरान मुख्यमंत्री ने सुरेश गुप्ता ठेकेदार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोसेवा भारत की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है और इस दिशा में समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों को समाज के सामने सम्मानित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि राज्य सरकार गोआश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने गौसंरक्षण को केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताया।

सुरेश गुप्ता ठेकेदार द्वारा हापुड़ गौशाला के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास अन्य संस्थाओं और व्यक्तियों को भी प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए गौसेवकों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों की उपस्थिति रही, जिन्होंने गौसंरक्षण के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया।

सरस्वती चिकित्सा महाविद्यालय में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर दो दिवसीय आयोजन, वैज्ञानिक सोच पर जोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 के अवसर पर सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा दो दिवसीय ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम साथ मिलकर स्वास्थ्य के लिए, विज्ञान के साथ खड़े रहें रही, जिसका उद्देश्य समाज में वैज्ञानिक सोच और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. (ब्रिगेडियर) विनीत रस्तोगी के मार्गदर्शन एवं नोडल अधिकारी डॉ. कोनिका गुप्ता के समन्वय में हुआ। पहले दिन बाह्य रोगी विभाग परिसर में मिथक भंजन पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों को वैज्ञानिक तथ्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसमें पलक प्रथम, जबकि रुचिका, सुरभि गुप्ता एवं सुरुचि कुमारी द्वितीय स्थान पर रहीं। तृतीय स्थान श्रुति मुखर्जी, उत्कर्ष सिंह, स्नेहा धूपर एवं लावण्या को मिला।

दूसरे दिन वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतियोगिता में ऐश्वर्या कराड, संस्कार माने, रौनक एवं पलक विजेता रहे। साथ ही लघु वीडियो प्रतियोगिता में केशव शर्मा ने प्रथम स्थान, अभिषेक आनंद एवं अनिकेत ने द्वितीय तथा नितीश अरोड़ा एवं प्लाबन दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता ने की। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर बल दिया। इस अवसर पर निवेदिता शर्मा, कोठारी पलक महेश एवं पनपालिया पलक सचिन को राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान के वरिष्ठ सलाहकार ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, महाप्रबंधक एन. वर्धराजन, निदेशक रघुवर दत्त एवं चिकित्सा अधीक्षक मेजर जनरल डॉ. सी. एस. अहलूवालिया ने भी कार्यक्रम की सराहना की। संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. जे. रामचंद्रन तथा उपाध्यक्ष रम्या रामचंद्रन ने शुभकामनाएं दीं।

आईएमएस गाजियाबाद में ईरान अमेरिका तनाव पर विश्लेषणात्मक सत्र आयोजित, वैश्विक प्रभावों पर गहन मंथन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम परिसर में बुधवार को ईरान अमेरिका युद्धः पेस्टल/स्वॉट विश्लेषण विषय पर एक शैक्षणिक सत्र का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के जटिल मुद्दों पर विद्यार्थियों ने गहराई से चर्चा की। कार्यक्रम का समन्वयन सीए सीएमए विक्रांत सिंह ने किया। सत्र में दिव्यांश उपाध्याय, आयुष्मान चौधरी, अविका गोयल, कृष राय, श्रेया रानी और शुभम चौधरी ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने पेस्टल (राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, विधिक और पर्यावरणीय) तथा स्वॉट (शक्तियाँ, कमजोरियाँ, अवसर और खतरे) जैसे विश्लेषणात्मक ढाँचों का उपयोग करते हुए ईरान अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की विभिन्न परिस्थितियों का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया। चर्चा के दौरान ईरान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव, ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में संभावित बाधाएं, अमेरिका की सैन्य शक्ति के मुकाबले ईरान की सामरिक स्थिति, तथा भारत जैसे देशों पर उत्पन्न होने वाले भू-राजनीतिक जोखिम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया। विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक व्यापार, तेल की कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ता है। समन्वयक सीए सीएमए विक्रांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक चुनौतियों का समाधान केवल सैन्य शक्ति से संभव नहीं है, बल्कि कूटनीति, संवाद और बहुपक्षीय वार्ता के माध्यम से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों को समझने के लिए तार्किक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और श्रोताओं ने विषय से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। पूरे सत्र के दौरान विद्यार्थियों में विषय के प्रति गहरी रुचि और जागरूकता देखने को मिली, जो उनके शैक्षणिक और बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आईटीएस गाजियाबाद में एमबीए स्पेशलाइजेशन दिशा निर्देशन सत्र आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईटीएस गाजियाबाद में एमबीए छात्रों के लिए 7 एवं 8 अप्रैल 2026 को द्रोणाचार्य ऑडिटोरियम में नेविगेटिंग एमबीए स्पेशलाइजेशन विषय पर दो दिवसीय दिशा निर्देशन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार सही स्पेशलाइजेशन चुनने में मार्गदर्शन देना रहा। प्रथम दिवस पर सत्र का शुभारंभ डॉ कुमार विजय, डॉ ममता महापात्र, शुभम मेंडरियाता, निदेशक डॉ सुनील कुमार पाण्डे एवं एमबीए चेयरपर्सन डॉ संजीव टंडन द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। निदेशक डॉ सुनील कुमार पाण्डे ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सही स्पेशलाइजेशन का चयन उनके करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ संजीव टंडन ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मार्केटिंग, फाइनेंस और एचआर क्षेत्रों से संबंधित विभागाध्यक्ष डॉ उमा गुलाटी, डॉ विनय कुमार श्रीवास्तव और डॉ मनोज कुमार झा ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी दी। पैनल चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों के प्रश्नों का समाधान किया। दूसरे दिन इंटरनेशनल बिजनेस, सूचना प्रौद्योगिकी और ऑपरेशन मैनेजमेंट विषयों पर सत्र आयोजित हुए। डॉ फैजल अहमद, अरुण कुमार, शिवम सिंह और मोहित चौधरी ने अपने अनुभव साझा किए। विभागाध्यक्ष डॉ पारुल गुप्ता, डॉ मानसी सिंह और प्रो समीक्षा बूडाकोटी ने भी मार्गदर्शन दिया। पैनल चर्चा में रोजगार संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन प्रो शिल्पी राणा ने किया। अंत में छात्र उत्साहित नजर आए और सही स्पेशलाइजेशन चुनने के प्रति आत्मविश्वास से भरपूर दिखे।

बिजनौर में बड़ी कार्रवाईः प्रभारी डीपीआरओ रिजवान अहमद 20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के विकास भवन स्थित कार्यालय में बुधवार को उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, बरेली इकाई की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अपर जिला पंचायत राज अधिकारी एवं प्रभारी जिला पंचायत राज अधिकारी रिजवान अहमद को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया और पूरे जनपद में इसकी चर्चा होती रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अधिकारी ने एक शिकायतकर्ता के खिलाफ पूर्व में ग्राम पंचायतों में कराए गए छह विकास कार्यों में अनियमितता की जांच और जारी कारण बताओ नोटिस के निस्तारण के नाम पर 25 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बातचीत के दौरान मामला 20 हजार रुपये में तय हो गया। रिश्वत की मांग से परेशान शिकायतकर्ता ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, बरेली क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में

चश्मे में आरोपी

लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होने के बाद सतर्कता अधिष्ठान की टीम ने मामले की गोपनीय जांच कराई, जिसमें आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और शिकायतकर्ता को निर्धारित राशि के साथ भेजा गया। बुधवार को जैसे ही रिजवान अहमद ने शिकायतकर्ता से रिश्वत की रकम स्वीकार की, पहले से मौके पर मौजूद टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम सहित अन्य सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी इसकी सूचना दे दी गई है, जिससे आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी और प्रभावी पहल माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि शासन की मंशा के अनुरूप भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है और दोषियों के

ग्राम चलो बूथ चलो अभियान में विधायक अजीत पाल त्यागी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

मुरादनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के ग्राम मिल्क रावली में आयोजित ग्राम चौपाल में विधायक अजीत पाल त्यागी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को विस्तार से ग्रामीणों के सामने रखा। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे ग्राम चलो बूथ चलो अभियान के तहत मुरादनगर देहात मंडल के ग्राम मिल्क रावली व मुरादनगर शहर मंडल के डिफेंस कॉलोनी में चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधायक अजीत पाल त्यागी ने केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियां समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और भारत का नाम वैश्विक स्तर पर तेजी से

उभर रहा है।

उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी अंत्योदय के सिद्धांत को लेकर कार्य कर रही है, जिसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक विकास और सुविधाएं पहुंचाना है। वर्तमान में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंचकर लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं।

ग्राम चौपाल का आयोजन एससी मोर्चा अध्यक्ष सतवीर राणा तथा शहर मंडल में सभासद मनोज शेरावत व कृष्णा शर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा ने भी सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में राजपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चौधरी, मंडल अध्यक्ष विपिन चौधरी, मंडल महामंत्री सुमित त्यागी, योगेंद्र शर्मा, ग्राम प्रधान सहंसर पाल, सुभाष प्रधान, मोहन शर्मा, गीता चौधरी, अनिल शर्मा, विनोद धनगर, सोनिया त्यागी, तनु शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मिलावटी सॉस फैक्ट्री पर खाद्य विभाग की छापेमारी, संदिग्ध तरल पदार्थ व रसायन बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मिलावटी टमाटर सॉस बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान टीम ने फैक्ट्री से ड्रमों में भरे संदिग्ध तरल पदार्थ, रंग और एसिड जैसे रसायन बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हापुड़ के पन्नापुरी क्षेत्र में लंबे समय से मिलावटी टमाटर सॉस के निर्माण की शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने विशेष टीम का गठन किया और बुधवार को संदिग्ध फैक्ट्री पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान

अधिकारियों ने पाया कि फैक्ट्री में बड़े-बड़े ड्रमों में अज्ञात तरल पदार्थ भरा हुआ था। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि इनका उपयोग सॉस तैयार करने में किया जा रहा था, जिनमें कृत्रिम रंग और हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल हो सकता है। इसके अलावा मौके से भारी मात्रा में तैयार सॉस, कच्चा माल और निर्माण में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त सुनील कुमार ने बताया कि इस प्रकार की मिलावटी खाद्य सामग्री लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। उन्होंने कहा कि बरामद सभी संदिग्ध पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए गए हैं और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे अवैध कारोबार पर लगातार नजर रखी जा रही है।

महिलाओं को निशाना बनाने वाले टप्पलबाज गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, नगदी व जेवरात बरामद

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान महिलाओं को निशाना बनाकर ठगी करने वाले टप्पलबाज गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नगदी, सोने-चांदी के जेवरात तथा एक कार भी बरामद की है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय के अनुसार, नियमित चेकिंग के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर एक कार को रोका गया। जांच के दौरान उसमें सवार दो व्यक्तियों से पूछताछ की गई, जिन्होंने अपनी पहचान दिल्ली निवासी राजू और मुकुल उर्फ मोन्टी के रूप में बताई। तलाशी लेने पर उनके पास से सोने व चांदी के आभूषण और 4360 रुपये नगद बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आने-जाने वाली महिलाओं को अपना शिकार बनाते थे। वे पहले महिलाओं को बातचीत में उलझाते और फिर चालाकी से उनके कानों के कुंडल सहित अन्य आभूषण ठगी कर मौके से फरार हो जाते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह में अन्य कितने सदस्य शामिल हैं और उन्होंने अब तक किन किन स्थानों पर वारदातों को अंजाम दिया है।

हापुड़ के प्रसिद्ध वास्तु विशेषज्ञ देवेंद्र माहेश्वरी ब्रह्मरत्न अवार्ड से सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के जाने-माने वास्तु विशेषज्ञ देवेंद्र माहेश्वरी को ब्रह्मरत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान जबलपुर में आयोजित तीन दिवसीय नेशनल वास्तु कन्वेंशन के दौरान प्रदान किया गया, जिसमें देशभर के वास्तु विशेषज्ञों और ऊर्जा विज्ञान के विद्वानों की उपस्थिति रही। फाइव एलिमेंट्स ग्रुप द्वारा 3 से 5 अप्रैल तक आयोजित इस कार्यक्रम में देश के कई प्रतिष्ठित वास्तु विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर देवेंद्र माहेश्वरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक वास्तु शास्त्र के समन्वय पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने एनर्जी स्कैनर

के माध्यम से सेंटर पॉइंट की ऊर्जा का विश्लेषण करते हुए उसे सकारात्मक बताया। साथ ही उन्होंने यह भी समझाया कि यह एनर्जी स्कैनर किस प्रकार कार्य करता है और किस तरह किसी स्थान की ऊर्जा को मापने में सहायक होता है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वास्तु शास्त्र केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं पर गहरा प्रभाव डालता है। यदि सही तरीके से वास्तु सिद्धांतों का पालन किया जाए तो जीवन में सकारात्मक परिवर्तन संभव हैं। देवेंद्र माहेश्वरी के विचारों और प्रस्तुति को कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने काफी सराहा। इस सम्मान से हापुड़ क्षेत्र में खुशी की लहर है और लोगों ने इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

13 मुकदमों वाला कुख्यात आरोपी गिरफ्तार, चोरी गए फेविकोल ड्रम की तलाश जारी

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 13 मुकदमों में वांछित एक कुख्यात आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी अजीम पुत्र काला, निवासी मोहल्ला सराफान, खतौली है, जिसे पुलिस टीम ने पिकेट स्कूल के निकट गंग नहर पटरी मार्ग से दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया एक रसोई गैस सिलेंडर, 200 रुपये नकद तथा एक अवैध चाकू बरामद किया गया है। हालांकि चोरी किए गए 50 किलो फेविकोल के ड्रम की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है और उसकी तलाश जारी है। कोतवाल दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला जैन नगर निवासी विजय कुमार ने 7

अप्रैल को चोरी की तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और मात्र 24 घंटे के भीतर मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अब तक कुल 13 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, जो सभी स्थानीय कोतवाली में ही पंजीकृत हैं। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास को देखते हुए उससे अन्य घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक आकाश शर्मा, सिपाही अमित और हेमंत शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

योगी ने वैज्ञानिकों से पूछा: मौसम बार-बार क्यों बिगड़ रहा

जवाब मिला: ईरान-पाकिस्तान का बवंडर वजह, लखनऊ में किस्सा सुनाया

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उन्होंने वैज्ञानिकों से बातचीत का एक किस्सा सुनाया। सीएम ने बताया- हाल ही में मैं कृषि मौसम वैज्ञानिकों से बात कर रहा था कि खेती के समय अचानक मौसम क्यों बिगड़ गया। उन्होंने बताया- इसके पीछे की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। ईरान और पाकिस्तान में जो बवंडर उठा है, हमारे यहां के मौसम बिगड़ने का कारण है। हमने उनसे कहा कि वहां युद्ध से लोग लड़े-मरे लेकिन भारत के अंदर यह क्यों हो रहा है? वैज्ञानिकों ने बताया- यह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का परिणाम है। बादल काफी नीचे हैं और यह ओलावृष्टि का कारण बनेगा, साथ ही असमय बारिश का भी कारण बनेगा। ये चुनौतियां हमेशा आती रहेंगी, क्योंकि कुछ लोगों की प्रवृत्ति जैसी होती है, प्रकृति भी वहां वैसी ही

हो जाती है। वे खुद शांति से नहीं रहते और दूसरों को भी नहीं रहने देते। न खुद करेंगे, न करने देंगे। उसी दुष्प्रवृत्ति का शिकार हमारा अन्नदाता किसान भी हो जाता है। इसलिए हमें देसी पद्धति को विकसित करना पड़ेगा, जिसके बारे में प्रधानमंत्री जी बार-बार कहते हैं। सीएम योगी ने कहा- जब भारत का दुनिया की अर्थव्यवस्था में 44-45 फीसदी अधिकार था, तब उसका आधार भारत की कृषि थी। अन्नदाता किसान और कारीगर इसका आधार थे। किसान सिर्फ खेती सीमित नही थे, वह कारीगर भी थे, दोनों काम मिलकर होते थे। किसान उत्पादक था और जब कारीगर बनकर कार्य करता था, तो उद्यमी के रूप में भी खुद को स्थापित करता था। उत्पादक से उद्यमी से बनने की गाथा है- वैदिक काल से भारत में विशेषकर उत्तर प्रदेश की माटी से जुड़ी रही है। आक्रांताओं ने खेती पर ही हमला नहीं किया था, यहां की उद्यमिता पर भी हमला किया। यहां जितने कृषि वैज्ञानिक, शोधार्थी हैं उन्होंने भारत के राष्ट्रगीत वंदेमातरम की गाथा को सुना होगा। यह भारत के आनंदमठ पर आधारित उपन्यास का एक पार्ट है। यह बंगाल की त्रासदी पर आधारित गीत है। बंगाल में जब अकाल पड़ते थे, लोग भूखे मर रहे थे, वहां के एक जमीदार महेंद्र नाथ के परिवार पर किस प्रकार बीता था, फिर संन्यासी विद्रोह हुआ था, ब्रिटिश औपनिवेशिक काल मे किस प्रकार शोषण होता था, उसकी पूरी गाथा आनंदमठ में समाहित की गई है। भारत के उत्पादक किसान को कर्जदार बना दिया जाता है, तो वह कर्जदाता बनने की गाथा अकाल और त्रासदी के रूप में हम सबको देखने को मिलती है। योगी ने कहा- सरकार ने आज कृषि,खेती और किसान को एजेंडे का हिस्सा बनाया है। आज हमने गन्ना उत्पादक किसानों को, जिस उत्तर प्रदेश में दस-दस वर्षों तक गन्ना मूल्य का भुगतान नहीं हुआ था, चीनी मिलें बंद हो रही थीं, बेंची जा रही थीं, उसी उत्तरप्रदेश में आज वो शुगर कॉम्प्लेक्स के रूप में काम कर रही हैं। उत्तर प्रदेश देश के कुल 55 फीसदी गन्ने का उत्पादन कर रहा है। एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर लगभग पौने 2 लाख करोड़ लीटर तक पहुंच चुका है। हमने गन्ना किसानों को ही लगभग 2 लाख 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से दे चुके हैं। यूपी में जो 122 चीनी मिलें चल रही हैं, उनमें से 106-107 चीनी मिल ऐसी हैं जो छठे-सातवें दिन गन्ना मूल्य का भुगतान कर दे रही हैं, यानी गन्ना मूल्य के भुगतान में लेट नहीं, ये सब कुछ आपस में जुड़ा है, लोग नई-नई चीनी मिल लगाने के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा- 2017 के पहले की चुनौती क्या थी? पब्लिक और किसान के मन में एक अविश्वास था। उसको सरकार पर कोई फेथ नहीं थी, उसका कोई विश्वास नहीं था, क्योंकि उसे मालूम था ये लोग जो बोल रहे हैं इनको खेती किसानी से कोई मतलब है नहीं, किसान आत्महत्या करता था, पलायन करता था, अलग-अलग प्रकार से वह प्रताड़ित होता था। सीएम ने कहा- अन्नदाताओं के लिए सरकार की कोई नीति नहीं थी। अन्नदाता उस समय केवल एक चुनावी मुद्दा होता था। किसानों को जाति के नाम पर बांटते थे। तमाम प्रकार के विवादों में बांटते थे। खेती में लागत अधिक थी, उत्पादन कम होता था और जो उत्पादन भी करता था, उसमें बिचौलिए हावी थे। योगी ने कहा- सरकारी खरीद केंद्र नहीं चलते थे, बिचौलियों के माध्यम से सब खरीदा जाता था। परिणाम क्या होता था? अन्नदाता कर्ज के रूप में बोझ से दबता था। वह आत्महत्या करने के लिए मजबूर होता था। 2017 के बाद हम लोगों ने कार्य जो प्रारंभ किया, आज हमारे पास इसके लिए स्पष्ट नीति है। यूपी में पिछले 15 दिनों से बेमौसम बारिश की मार किसान झेलने को मजबूर हैं। बारिश और ओले की वजह से किसानों की हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। बारिश और ओलों की वजह से गेहूं, सरसों, दलहन आदि फसलों को काफी नुकसान हुआ है। सीएम योगी ने बीते दिनों रिव्यू मीटिंग कर जल्द से जल्द सर्वे कर मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

वैज्ञानिकों को किया गया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'उत्तर प्रदेश कृषि वैज्ञानिक सम्मान योजना 2025-26' के अंतर्गत 15 वैज्ञानिकों का सम्मान भी किया। वहीं, वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान अकादमी के 30 वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक एवं नवाचार पर विचार-विमर्श भी हुआ। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कई पुस्तिकों का विमोचन भी किया।

नामित सभासदों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद शामली में उत्तर प्रदेशीय सफाई कर्मचारी संघ के तत्वावधान में नामित सभासदों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन संघ के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र कुमार बिडला, यूनियन अध्यक्ष प्रवीण कुमार वाल्मीकि एवं महासचिव अश्वनी तेश्वर के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेन्द्र निर्वाल उपस्थित रहे। इसके साथ ही नगर पालिका परिषद शामली के चेयरमैन अरविंद संगल, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष महेश धीमान तथा स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर वीना अग्रवाल ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

समारोह के दौरान नामित सभासद देवानंद गौड़, मीरा चावला, उत्तम नामदेव, हरिओम पाठक, संगीता जिंदल, लीले राम (कांधला), रवि गहलोत (झिंझाना), धर्मवीर वाल्मीकि (कैराना) एवं आशा सौदागर (ऊन) को फूल-मालाओं व पगड़ी पहनाकर तथा डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक प्रसिद्ध कवि प्रदीप टांक 'मायूस' रहे। आयोजन में देवेंद्र कुमार बिडला के साथ नितिन कुमार भंवर, दीपक चंद्रा, मनीष गहलोत, संदीप सौदाई, जितेंद्र टांक, दिनेश गहलोत, घनश्याम पार्चा एवं बादल गौतम सहित कई कार्यकताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर नगर पालिका के कर्मचारी व अधिकारी भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिनमें सफाई लिपिक बाबू लक्ष्मण सिंह, सफाई निरीक्षक अनिल कुमार चौधरी, लिपिक प्रदीप कुमार बिडला, कर सहायक अमित शर्मा, जलकल विभाग के अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे।

समारोह का समापन आपसी सौहार्द एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ किया गया।

नामित सभासदों ने ली शपथ, विकास के लिए निभाएंगे जिम्मेदारी

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। बुधवार को कांधला नगर पालिका परिषद के सभागार में नामित सभासदों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान उपजिलाधिकारी कैराना निधि भारद्वाज ने सरकार द्वारा नामित सभासदों अलका चौहान, राजीव जैन, संदीप सैनी, नीरज पंवार और लीला वाल्मीकि को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के उपरांत नवनियुक्त सभासदों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया कि वे सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ करेंगे तथा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामजी लाल कश्यप, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल और पालिकाध्यक्ष नजमुल इस्लाम ने सभी नामित सभासदों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

नामित सभासद अलका चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि पालिका बोर्ड की सदस्य संख्या अब 25 से बढ़कर 30 हो गई है, जिससे बोर्ड और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी से निभाया जाएगा और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं और सरकार की नीतियां उन्हें समान अवसर और सम्मान प्रदान कर रही हैं। यह भी एक उदाहरण है कि एक साधारण गृहिणी को नगर विकास की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह, कुशांक चौहान, वाजिद अली (राष्ट्रीय लोक दल अध्यक्ष), ब्लॉक प्रमुख डॉ. विनोद मलिक, डॉ. जनेश्वर, विजय कोशिक, सतबीर पंवार, देशराज भनेड़ा, योगेश भभीसा, ईश्वर दयाल कंसल और श्रीकांत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर एनटीपीसी में मेगा हेल्थ कैंप, 152 लोगों ने कराई जांच

दादरी (शिखर समाचार)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एनटीपीसी बिजली संयंत्र एवं टाउनशिप में स्वास्थ्य शिविर और वाकेथान का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाइयों की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक ए.के. मिश्र ने किया। एनटीपीसी स्थित उज्जीवन अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.के. बेहरा के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी सहित कई महत्वपूर्ण जांचें की गईं। डॉ. बेहरा ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना बेहद जरूरी है। समय पर बीमारी की पहचान और इलाज से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। शिविर में कुल 152 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई और सभी को निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

05 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, गढ़ पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर थाना पुलिस ने दूध कारोबारी से 05 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले का पदार्फाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन तथा एक कार भी बरामद की है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में दहशत फैलाने वाले तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगा है। अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी अभिषेक ने अपने साथी तुषार के साथ मिलकर सुनियोजित ढंग से रंगदारी मांगने की योजना बनाई थी। दोनों आरोपी जम्मू कश्मीर गए और वहां से अपने ही एक करीबी रिश्तेदार (जीजा) के फोन पर कॉल कर खुद को कुख्यात जठेडी गिरोह का सदस्य बताते हुए 05 करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग की। आरोपियों ने व्यापारी को डराने धमकाने का भी प्रयास किया, जिससे वह दहशत में आ गया। पीड़ित व्यापारी की तहरीर के आधार पर थाना गढ़मुक्तेश्वर में मुकदमा संख्या 155/26 धारा 308(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की और सघन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों आरोपियों को गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिषेक पुत्र बिजेंद्र गुर्जर तथा तुषार त्यागी पुत्र कपिल त्यागी निवासी ग्राम धीरखेड़ा, थाना खरखौदा, जनपद मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त कार बरामद की है, जिसका उपयोग रंगदारी की वारदात को अंजाम देने में किया गया था। इस सफल कार्रवाई में उपनिरीक्षक द्विजेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राहुल अत्री, उपनिरीक्षक प्रियांशु कुमार तथा हेड कांस्टेबल कंचन कुमार की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा ध्वस्त, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बेगमाबाद गांव में एक धार्मिक स्थल के पास स्थित सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने बीती रात ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। जानकारी के अनुसार, गांव में स्थित एक धार्मिक स्थल के निकट काफी मात्रा में सरकारी जमीन पड़ी है। धार्मिक स्थल से जुड़े कुछ लोगों द्वारा उक्त जमीन को अपना बताया जा रहा था, जबकि हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों ने उप जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि जिस जमीन पर दुकानें बनाई जा रही हैं, वह धार्मिक स्थल की नहीं बल्कि सरकारी जमीन है और उस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी अजीत सिंह ने जांच के लिए एक समिति का गठन किया। समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में उक्त भूमि को सरकारी जमीन बताया गया, जिसके आधार पर तहसील प्रशासन ने कार्रवाई की योजना तैयार की। बीती रात उप जिलाधिकारी अजीत सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा, कई थानों की पुलिस तथा प्रांतीय सशस्त्र बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंचे और जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। उप जिलाधिकारी अजीत सिंह ने स्पष्ट किया कि जिस स्थान पर दुकानें बनाई जा रही थीं, वह जमीन धार्मिक स्थल की नहीं है, बल्कि सरकारी भूमि है। उन्होंने कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

बुधवार को भी क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

मेरठ में स्कूल बस पलटी, बच्चे चिल्ला-चिलाकर रोए

संवाददाता

मेरठ। 35 स्कूली बच्चों से भरी स्कूली बस बुधवार सुबह साढ़े सात बजे सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में 10 से अधिक बच्चे घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग दौड़कर पहुंचे। शीशे तोड़कर बच्चों को बाहर निकाला। कई बच्चे सीटों के बीच फंसे हुए थे। घायल बच्चों को बाइक और एंबुलेंस से एसडीएस ग्लोबल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, ज्यादातर बच्चों को हल्की चोटें आई हैं। बस सेंट मैरी एकेडमी की थी। हादसा काली नदी के पास सड़क पर हुआ। बस में बच्चों के बैग और किताबें बिखरी नजर आईं। हादसे के बाद बच्चे घबरा गए। जोर-जोर से रोने लगे। आसपास के लोगों ने बच्चों को किसी तरह शांत कराया। परिजनों को सूचना दी। कई अभिभावक अस्पताल और स्कूल पहुंच गए। प्रिंसिपल ऑफिस का घेराव किया और नारेबाजी की। पुलिस का कहना है कि हादसे के बाद ड्राइवर भाग गया है। जल्द ही उसके पकड़ा जाएगा। क्रेन बुलाकर बस को खाई से निकलवाया गया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। चिंदौड़ी के रहने वाले छात्र अक्षुण ने बताया- ड्राइवर अंकल मोबाइल देख रहे थे, तभी बस पलट गई। कई बच्चों को चोट लगी है। बस पलटते ही शीशे टूट गए। मैं किसी तरह बाहर निकल पाया। चिंदौड़ी के रहने वाले पैरेंट्स राहुल कौशिक ने दौराला थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। शिकायत में उन्होंने कहा- बुधवार सुबह साढ़े सात बजे सेंट मैरी एकेडमी की स्कूल बस (UP-14-DT-7487) चिंदौड़ी, चरला और लावड़ के पढ़ने वाले बच्चों को लेकर स्कूल आ रही थी। बस लावड़ का रहने वाला रूमान नाम का ड्राइवर चला रहा था। वह शराब के नशे में बहुत तेज और लापरवाही से बस चला रहा था। ड्राइवर की लापरवाही से बस अझौता मोड़ पर खाई (सड़क किनारे के गड्ढे) में पलट गई। हमें बस पलटने की जानकारी मिली तो हमने स्कूल प्रशासन को बताया, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

प्रयागराज में पुल बहा, 4 शहरों में ओले गिरे: यूपी के 25 शहरों में आंधी-बारिश

लखनऊ। यूपी में बारिश और आंधी का सिलसिला थम नहीं रहा। बुधवार सुबह से लखनऊ, गोंडा, गोरखपुर, जौनपुर और अलीगढ़ समेत 25 जिलों में तेज हवाओं के साथ रुक-रुककर बारिश हो रही है। दिन में मेरठ, बरेली, शाहजहांपुर और लखीमपुर में ओले गिरे। सड़कों-खेतों में बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। प्रयागराज के मेजा में गंगा फेरी घाट पर बना पांटून पुल पानी के तेज बहाव में बह गया। बाराबंकी में चलती रोडवेज बस पर पेड़ गिर गया। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई। मुजफ्फरनगर में 20 फीट सड़क धंस गई। ग्रामीण इलाकों में कई जगह खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल डूब गई। मौसम विभाग ने आज 47 जिलों में बारिश और 9 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। योगी ने अफसरों को किसानों को हुए नुकसान का तत्काल सर्वे करने और मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। कहा- सरकार अन्नदाताओं के साथ खड़ी है उन्हें 24 घंटे में राहत दिलाई जाएगी किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, मंगलवार की बात करें तो आगरा, मथुरा समेत 1[illegible] जिलों में आंधी के साथ बारिश हुई। कानपुर-झांसी में कई पेड़ और पोल उखड़ गए। लखनऊ में खराब मौसम की वजह से दो फ्लाइट्स लैंड नहीं कर पाईं। उन्हें वाराणसी डायवर्ट करना पड़ा। इस दौरान फ्लाइट आधे घंटे तक आसमान में चक्कर लगाती रही। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- पश्चिम विक्षोभ की वजह से मौसम बदल गया है। कल से इसका असर खत्म हो जाएगा, लेकिन 1[illegible] अप्रैल से नया विक्षोभ एक्टिव होगा। इससे मौसम फिर से बिगड़ेगा। तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। तापमान में 4 से 6 डिग्री तक गिरावट आएगी। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से यूपी से लगे राज्यों में भी मौसम बिगड़ा हुआ है। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी की वजह से जनवरी फरवरी जैसी ठंड पड़ रही है।

गन्ने में चोटी बेधक कीट का प्रकोप, शामली क्षेत्र में 80 प्रतिशत तक फसल प्रभावित

शामली (शिखर समाचार)। शामली स्थित चीनी मिल क्षेत्र के अंतर्गत गन्ने के खेतों में चोटी बेधक कीट का प्रकोप तेजी से फैलता नजर आ रहा है। विभागीय निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि गन्ने के तनों में कीट की सूंडी प्रवेश कर चुकी है, जिससे फसल को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है।

गांव मलैण्डी में क्रय केन्द्र मलैण्डी प्रथम के समीप कृषक हरवीर और संजीव के खेतों पर लगभग 150 किसानों को प्रदर्शन के माध्यम से स्थिति से अवगत कराया गया। निरीक्षण में पाया गया कि इन खेतों में करीब 80 प्रतिशत गन्ने के तनों में सूंडी घुस चुकी है, जो तनों को अंदर ही अंदर खोखला कर रही है।

विशेषज्ञों ने किसानों को चोटी बेधक कीट की पहचान भी कराई। उन्होंने बताया कि पत्तियों की मध्य शिरा पर लाल और सफेद रंग की धारियां दिखाई देना इस कीट के हमले का प्रमुख संकेत है। इसके अलावा कई कल्लों में छर्रे जैसे छोटे-छोटे छेद भी पाए जा रहे हैं, जो संक्रमण की पुष्टि करते हैं।

कीट नियंत्रण के लिए कृषि विशेषज्ञों ने कोराजन, नैटजन और वोलियम जैसे कीटनाशकों का 150 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से लगभग 400 लीटर पानी में घोल बनाकर ड्रेंचिंग करने की सलाह दी है। साथ ही खेतों की नियमित निगरानी और समय पर उपचार अपनाने पर जोर दिया गया, ताकि फसल को और अधिक नुकसान से बचाया जा सके। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे इस समस्या को गंभीरता से लें और बताए गए उपायों को अपनाकर गन्ने की फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

ग्राम बरौला में प्रतिभाओं का भव्य सम्मान समारोह, पीसीएस चयनित बेटियों सहित कई प्रतिभाएं सम्मानित

नोएडा (शिखर समाचार)। युवा विकास समिति बरौला की ओर से रागिनी पार्क बारात घर, बरौला में गांव और क्षेत्र की प्रतिभाओं के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रतिभाओं का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान धर्मवीर सिंह ने की, जबकि संचालन राष्ट्रीय लोक गायक मास्टर ब्रह्मपाल नागर और इनकम टैक्स अधिकारी अरुण शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक सत्यवीर सिंह गुर्जर ने कहा कि इस सम्मान समारोह का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करना है, जिन्होंने अपनी मेहनत और लगन से गांव और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि ऐसी उपलब्धियां समाज के अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा देती हैं।

हाल ही में गांव बरौला की बेटी मानसी बैसोया, तथा डेरी मच्छा गांव की बेटियां निधि नागर और नेहा नागर का पीसीएस में चयन हुआ है, जो पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इसके अलावा बरौला के नरेंद्र सिंह को इंस्पेक्टर से डीएसपी पद पर पदोन्नति मिलने और इंजीनियर

रणबीर सिंह को साउथ जोन का प्रभारी बनाए जाने पर भी उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समाजसेवी और किसान नेता चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि इन प्रतिभाओं की सफलता गांव के बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प यह संदेश देता है कि निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

युवा विकास समिति बरौला के अध्यक्ष कर्मवीर गुर्जर और उनकी टीम ने सभी प्रतिभाओं को फूलमालाएं पहनाकर, पगड़ी बांधकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मास्टर खेमचंद शास्त्री, चौधरी लीले सिंह, प्रधान सतपाल नागर, मनवीर नागर, मास्टर हंसराज कसाना, जयवीर सिंह, ऋषि चौहान, सुदेश ठेकेदार, हरि फौजी, गंगेश्वर दत्त शर्मा, छात्र नेता सचिन बैसला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जीडीए का बुलडोजरः भिक्कनपुर में 18 बीघे में काटी जा रही अवैध कॉलोनी जमींदोज

आरव शर्मा
गाजियाबाद (शिखर समाचार)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार को उपाध्यक्ष के निदेशों पर प्रवर्तन जोन-2 की टीम ने ग्राम भिक्कनपुर में भारी पुलिस बल के साथ दबिश दी और करीब 18 बीघे जमीन पर विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

विरोध के बावजूद चला पीला पंजा
जानकारी के अनुसार राजस्व ग्राम भिक्कनपुर के खसरा संख्या 475 पर हेमलता (पत्नी नरेंद्र गर्ग), योगेश शर्मा और दिनेश शर्मा द्वारा बिना किसी स्वीकृत मानचित्र के अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही थी। जब जीडीए की टीम मौके पर पहुंची, तो निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने काम रोकने का भारी विरोध किया। हालांकि, प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते और पुलिस बल की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली और देखते ही देखते अवैध निर्माण को मलबे में तब्दील कर दिया गया।

क्या-क्या हुआ ध्वस्त?
ध्वस्तीकरण की इस बड़ी कार्रवाई में कॉलोनाइजर द्वारा बनाई गई निम्नलिखित संरचनाओं को ढहा दिया गयाः
सड़केंः कॉलोनी के अंदर बिछाई गई कच्ची पक्की सड़कों को उखाड़ दिया गया।
बाउंड्रीवॉलः प्लॉट की मार्किंग के लिए बनाई गई दीवारों को गिराया गया।
साइट ऑफिसः मौके पर अवैध रूप से संचालित हो रहे दफ्तर को भी ध्वस्त किया गया।

मौके पर मौजूद रहा भारी अमला
अभियान का नेतृत्व प्रभारी प्रवर्तन जोन 02 ने किया। इस दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता और प्रवर्तन जोन 2 का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भविष्य में भी बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जाने वाले किसी भी निर्माण या प्लॉटिंग के विरुद्ध इसी तरह की सख्त दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी।

तालिब खालिद प्रकरणः मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने तीन भाइयों का 5 घंटे का पुलिस अभिरक्षा रिमांड मंजूर किया

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद के बहुचर्चित तालिब खालिद प्रकरण में बुधवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी तालिब खालिद और उसके दो भाइयों का पांच घंटे का पुलिस अभिरक्षा रिमांड मंजूर कर लिया। न्यायालय के इस आदेश को मामले की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिससे पुलिस को घटना की गहराई तक पहुंचने का अवसर मिलेगा।

प्रशासनिक टीम के साथ आरा मशीन की जांच के समय पहुंचने पर खालिद व तालिब की पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह से कहासुनी हुई थी ,भगवा कपड़ों में भारतेंद्र सिंह

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरेंद्र कुमार द्वारा पारित आदेश के अनुसार पुलिस को तीनों आरोपियों से सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूछताछ करने की अनुमति दी गई है। निर्धारित समयावधि में पुलिस आरोपियों से घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन पूछताछ करेगी। रिमांड की अवधि समाप्त होने के उपरांत तीनों आरोपियों को पुनः न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया जाएगा। फिलहाल रिमांड की प्रक्रिया पूरी होने तक आरोपी जेल में ही रहेंगे। गौरतलब है कि यह प्रकरण भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद कुंवर भारतेंदु सिंह और तालिब खालिद बंधुओं के बीच हुए विवाद के बाद चर्चा में आया था। विवाद के उपरांत पुलिस ने मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई प्रारंभ की थी और आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। अब पुलिस अभिरक्षा रिमांड मिलने के बाद विवेचना टीम को मामले से जुड़े अहम साक्ष्य जुटाने, घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने तथा संभावित अन्य आरोपियों या तथ्यों की पड़ताल करने का अवसर मिलेगा। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं, जिससे पूरे मामले का खुलासा होने की संभावना है।

सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार ‟जनता दर्शन‟ / जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रभारी जिलाधिकारी ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। जनता दर्शन के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। जनता दर्शन में एडीएम-ई ज्योति मौर्य, एडीएम सिटी विकास कश्यप सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

नवनियुक्त सभासदों ने ली शपथ, विकास और जनसेवा का लिया संकल्प

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर नगर पंचायत कार्यालय में बुधवार को नवनियुक्त सभासदों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी दुर्गेश सिंह ने प्रिंस भारद्वाज, मोनू गर्ग और पंकज ठाकुर को विधिवत शपथ दिलाई।

शपथ के दौरान सभासदों ने नगर के समग्र विकास, स्वच्छता, पारदर्शी प्रशासन और जनसेवा के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे 24 घंटे नगरवासियों की सेवा में तत्पर रहेंगे और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगे।

इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष, सभासदों व कर्मचारियों ने फूल-मालाएं पहनाकर नवनियुक्त जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में शशांक सिंह, नारायण माहेश्वरी, संजीव शर्मा, रविंद्र शर्मा उर्फ बॉबी, संजय रावत, रघुनंदन शर्मा, वेद प्रकाश गर्ग, रोहित ठाकुर, देवेंद्र भारद्वाज, ज्ञानप्रकाश शर्मा, मनोहर लाल शर्मा, लाला फौजी, भीम सिंह, रवि अग्रवाल, महमूद हसन, हरीश शर्मा, शिवकुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बे मौसम बारिश से फसल बर्बाद, किसानों ने मुआवजे की उठाई मांग

जेवर (शिखर समाचार)। बे-मौसम बारिश से फसलों को हुए भारी नुकसान के विरोध में भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में किसानों ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

चौधरी पवन महेंद्र के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने बताया कि अचानक हुई बारिश से उनकी पकी हुई फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों ने आरोप लगाया कि अभी तक गेहूं खरीद के लिए सरकारी कांटे भी नहीं लगाए गए हैं, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि फसल नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही गांव चोरौली में गेहूं खरीद केंद्र स्थापित करने की भी मांग रखी गई, ताकि किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिल सके।

तहसील प्रशासन ने किसानों को आश्वासन दिया कि दो दिन के भीतर फसलों का सर्वे कराया जाएगा और खरीद व्यवस्था भी जल्द शुरू की जाएगी, जिससे किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके।

पूर्व विधायक उमेश मलिक ने ग्रामीणों से किया संवाद, गांव चलो अभियान में जताया भाजपा की उपलब्धियों पर जोर

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित गांव चलो अभियान के तहत पूर्व विधायक उमेश मलिक ने बुधवार को सोरम, उमरपुर, कल्याणपुर, टोडा सहित कई गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों से आमने सामने संवाद किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा की विचारधारा और सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

पूर्व विधायक उमेश मलिक ने ग्रामीणों को बताया कि गांवों का समग्र विकास ही देश की प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार बिना किसी भेदभाव के 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के मंत्र पर काम कर रही है और उसका उद्देश्य हर नागरिक तक विकास की छांव पहुंचाना है।

इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक ने कहा कि 'गांव चलो अभियान' का लक्ष्य ग्रामीणों तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना और उनकी समस्याओं को सुनना है। उन्होंने युवाओं में भाजपा की नीतियों को लेकर उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि वे देश के पुनर्निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक हमारे गांव आत्मनिर्भर और समृद्ध नहीं होंगे, तब तक विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। कार्यक्रम में भाजपा के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता अंकुश राठी, कुलदीप बागड़ी, पवन वर्मा और अनुज भी मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण का बड़ा फैसला : अब आवासीय और औद्योगिक भूखंडों का हो सकेगा मिश्रित उपयोग

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा विकास प्राधिकरण की 222वीं बोर्ड बैठक में शहर के विकास और किसानों की लंबे समय से लंबित समस्याओं को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। 6 अप्रैल 2026 को हुई इस बैठक में प्राधिकरण ने आवासीय और औद्योगिक भूखंडों के मिश्रित उपयोग (मिश्रित उपयोग) को मंजूरी दे दी है। इस निर्णय के लागू होने से प्राधिकरण द्वारा आवंटित आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों में गतिविधियों का दायरा बढ़ेगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि 5 प्रतिशत आबादी भूखंडों के लिए 'भवन नियमावली 2010' के चैप्टर-6 में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पूर्ववर्ती नियम ही लागू रहेंगे।

ग्रामीणों को मिलेगी राहत
ग्रामीण आबादी क्षेत्र में किसानों के लिए भवन निर्माण नियमावली को सरल और सुलभ बनाने की तैयारी है। इसके लिए प्राधिकरण ने आम जनता से आपत्ति और सुझाव आमंत्रित किए हैं। एक विशेष समिति इन सुझावों का परीक्षण करेगी, जिसके बाद नई नीति निर्धारित की जाएगी।

70 किसानों के भूखंड आवंटन का रास्ता साफ
साल 2010 से 2023 के बीच करीब 70 किसानों ने 5 प्रतिशत आबादी भूखंड के लिए धनराशि जमा की थी। बोर्ड ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उन किसानों की सूची और आवश्यक भूमि का विवरण तैयार करें जो समतुल्य धनराशि पर सहमत हैं।

न्यू नोएडा में जमीन खरीद के नए रेट
डीएनजीआईआर (न्यू नोएडा) में आपसी समझौते के आधार पर जमीन खरीदने के लिए अब 'यमुना विकास प्राधिकरण' (येइडा) के बराबर भू दरें लागू करने के प्रस्ताव पर बोर्ड ने सहमति दे दी है। इससे जमीन देने वाले किसानों को बेहतर मुआवजा मिल सकेगा।

विधायक पंकज सिंह की पहल
नोएडा विधायक पंकज सिंह और प्राधिकरण अधिकारियों के बीच हुई वार्ता के बाद किसानों के विभिन्न लंबित मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर काम शुरू हो गया है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी बोर्ड बैठक में इन मुद्दों के ठोस समाधान के साथ रिपोर्ट पेश करें। प्राधिकरण बोर्ड का लक्ष्य शहर के औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों के हितों की रक्षा करना है। नियमों के सरलीकरण से ग्रामीणों को अपना घर बनाने में आसानी होगी।

इंदिरापुरम में हुई युवती की मौत के बाद परिजनों ने शव रखकर किया रोड जाम, पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

मृतका - संध्या

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। बीती 7 अप्रैल 2026 को थाना इंदिरापुरम क्षेत्र की जयपुरिया सनराइज सोसायटी में 18 वर्षीय युवती संध्या की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। युवती का शव रखकर उन्होंने रोड को जाम कर दिया। परिजनों ने युवती की मौत का कारण हत्या बताते हुए इंसाफ की मांग की। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने परिजनों को शांत करते हुए रोड का जाम खुलवाया और पुलिस की मौजूदगी में ही अंतिम संस्कार किया गया। आपको बता दे कि संध्या के पिता जयपुरिया सनराइज सोसायटी में काम करते हैं। संध्या उनके साथ बीती 7 अप्रैल 2026 की सुबह सोसायटी पहुंची थी। जहां पर संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई। सी ब्लॉक टावर के नीचे उसका शव मिला था। पुलिस को तत्काल सूचना दी गई और मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा। संध्या की मौत का कारण जानने के लिए पुलिस ने सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किया। संध्या के पिता ने पुलिस को बताया कि वह संध्या के साथ सोसायटी में आए थे। सोसायटी में आने के बाद वह अपने काम पर लग गए थे। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि उनकी बेटी का शव वहां पर पड़ा हुआ है। उन्होंने पुलिस को शिकायत दी कि बलात्कार के बाद संध्या की हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस संध्या की मौत के कारण को जानने में जुटी हुई है।

लोक जन शक्ति पार्टी : पवन कुमार बने एससी-एसटी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लोक जन शक्ति पार्टी (पासवान) ने संगठनात्मक मजबूती और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी है। संगठन को मजबूत करने के लिए पवन कुमार को एससी-एसटी प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है।प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने बताया कि 2027 के चुनाव को देखते हुए पार्टी संगठन को धार देने का काम तेजी से कर रही है। निष्क्रिय पदाधिकारियों को हटाकर सक्रिय और जमीनी कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत किया जा रहा है। नवनियुक्त अध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि वह दलित और पिछड़ा वर्ग के अधिकारों की मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। प्रधान महासचिव राजीव गोयल ने बताया कि पार्टी 2027 का चुनाव पूरी ताकत के साथ लड़ेगी और कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर सक्रिय रहेंगे। इस मौके पर लक्ष्य अहलावत, प्रदीप अरोड़ा, विनोद चौधरी, सुमित चौधरी, अनवर कुरैशी और अमित मदान समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

नगर पालिका के नामित सभासदों ने ली शपथ, जनहित में कार्य करने का लिया संकल्प

मुरादनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नामित नगर पालिका परिषद के चार सभासदों को पालिका कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान अमरीश गोयल, अनिल शर्मा, विनोद कुमार धनकर और फकीर चंद ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण समारोह में उपजिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह ने नवनियुक्त सभासदों को उनके कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नगर के विकास और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देना प्रत्येक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है। साथ ही नगर पालिका के कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखना और जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र सिंह, पूर्व विधायक वहाब चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी उपस्थित लोगों ने नवनियुक्त सभासदों को शुभकामनाएं दीं और उनसे नगर के समग्र विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। समारोह का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने नगर के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गौतस्कर गिरफ्तार, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा गया

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रबूपुरा पुलिस ने मंगलवार देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी गौतस्कर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे घायल अवस्था में पकड़कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के अनुसार, कार्गो टी-प्वाइंट पर वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, जिस पर टीम ने उसका पीछा किया। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर तमंचे से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी और वह मौके पर गिर पड़ा। गिरफ्तार बदमाश की पहचान हरियाणा के पलवल जिले के शेखपुर गांव निवासी 32 वर्षीय संजू पुत्र रुक्का उर्फ लुक्का के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ रबूपुरा थाना और हरियाणा में गौवध के पांच मुकदमे दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक चोरी की बाइक और अवैध तमंचा बरामद किया है। आरोपी पर पहले से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

संपादकीय

ईरान-अमेरिका युद्धविराम: क्या यह शांति की शुरूआत है या महज रणनीतिक विराम?

अंतरराष्ट्रीय राजनीति के जटिल और तनावपूर्ण परिदृश्य में आज का सबसे बड़ा और चर्चित मुद्दा अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष पर घोषित युद्धविराम है। लगभग एक महीने से जारी इस टकराव के बाद डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दो सप्ताह के सीजफायर की घोषणा न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी दुनिया के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि क्या यह वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या केवल एक सामरिक विराम, जिसके पीछे गहरे राजनीतिक और कूटनीतिक समीकरण छिपे हैं।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कोई नया नहीं है। वर्षों से दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और वैचारिक टकराव को लेकर विवाद चलता रहा है। हालिया संघर्ष में जिस तरह सैन्य कार्रवाई तेज हुई, उसने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी थी। तेल आपूर्ति, वैश्विक बाजार और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसका सीधा असर देखने को मिला। ऐसे में युद्धविराम की घोषणा ने तत्कालिक रूप से एक राहत की भावना जरूर पैदा की है।

हालांकि, इस सीजफायर की समयसीमा सिर्फ दो सप्ताह कई सवाल खड़े करती है। क्या यह दोनों पक्षों के बीच किसी बड़े समझौते की दिशा में पहला कदम है, या केवल सैन्य पुनर्गठन और रणनीति तय करने का समय? अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के सीमित अवधि के युद्धविराम अक्सर दीर्घकालिक शांति की बजाय सामरिक लाभ के लिए किए जाते हैं। अमेरिका के लिए यह अपने सहयोगी देशों के साथ तालमेल बैठाने और घरेलू राजनीतिक दबाव को कम करने का अवसर हो सकता है, वहीं ईरान के लिए यह अपनी सैन्य और आर्थिक स्थिति को संभालने का समय।

इस पूरे घटनाक्रम में एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी है। रूस, चीन और यूरोपीय देशों ने लगातार तनाव कम करने की अपील की थी। यदि यह युद्ध और आगे बढ़ता, तो इसका प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहता, बल्कि एक व्यापक वैश्विक संकट का रूप ले सकता था। ऐसे में यह युद्धविराम अंतरराष्ट्रीय दबाव का परिणाम भी माना जा सकता है।

भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व से आता है। युद्ध के कारण तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि और आपूर्ति में बाधा का सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता था। इसलिए भारत के लिए यह युद्धविराम राहत की खबर है, लेकिन साथ ही यह भी आवश्यक है कि वह अपनी ऊर्जा नीति को और अधिक विविधतापूर्ण बनाए ताकि भविष्य में ऐसे संकटों से बचा जा सके।

डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के पीछे घरेलू राजनीति का पहलू भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अमेरिका में चुनावी माहौल और जनता के बीच युद्ध के प्रति बढ़ती असंतुष्टि भी इस फैसले को प्रभावित कर सकती है। ट्रंप प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि वह खुद को एक मजबूत लेकिन संतुलित नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत करे जो युद्ध करने में सक्षम है, लेकिन शांति स्थापित करने की इच्छा भी रखता है।

दूसरी ओर, ईरान के लिए यह युद्धविराम उसकी आंतरिक स्थिति को संभालने का अवसर है। आर्थिक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव के बीच ईरान को अपने संसाधनों का पुनर्गठन करना जरूरी है। साथ ही, यह उसके लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि सुधारने का भी मौका हो सकता है, बशर्ते वह इस अवधि का उपयोग सकारात्मक कूटनीति के लिए करे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि क्या दोनों पक्ष इस अवसर का उपयोग स्थायी समाधान की दिशा में करेंगे। इतिहास गवाह है कि अस्थायी युद्धविराम अक्सर स्थायी शांति में नहीं बदलते, खासकर तब जब मूल विवादों का समाधान नहीं होता। अमेरिका और ईरान के बीच अविश्वास की गहरी खाई है, जिसे पाटना आसान नहीं होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

ढ़ोंग वो करते हैं, जो अपनी भक्ति को भुनाने की इच्छा रखते हैं !

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

सनत जैन

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझाइस दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शांति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पाकिस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थाई रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शामिल होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रपति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाडी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर दिये हैं। अमेरिका की जो साख दुनिया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बट्टा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध विराम की जरूरत थी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दुनिया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्वाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

णमोकार महामंत्र: श्रद्धा, समता और आत्मशुद्धि का शाश्वत मंत्र

श्रमण डॉ पुष्पेंद्र

जैन धर्म की आराधना परंपरा में णमोकार महामंत्र को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। यह केवल एक धार्मिक मंत्र नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि, समता और विनय का सार्वभौमिक संदेश है। इसकी महिमा का उल्लेख प्राचीन जैन आगम ग्रंथ भगवती सूत्र के प्रारम्भ में महामंगल वाक्य के रूप में मिलता है.-

'णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्व साहूणं।'

यह मंत्र अनादि और अविनाशी माना गया है। सभी तीर्थंकरों ने इसकी महत्ता को स्वीकार किया है। इसे जैन धर्म का मूल मंत्र और जिनागम का सार कहा जाता है।

गुण-पूजा का अद्वितीय संदेश

णमोकार महामंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें किसी व्यक्ति-विशेष या देवता की स्तुति नहीं की गई, बल्कि उनके गुणों को नमन किया गया है। यह व्यक्ति-पूजा नहीं, बल्कि गुण-पूजा का संदेश देता है। इसमें किसी प्रकार की याचना या कामना नहीं है, केवल निस्वार्थ श्रद्धा, समर्पण और आत्मशुद्धि का भाव है। यही कारण है कि यह मंत्र किसी एक संप्रदाय या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वभौमिक और सर्वग्रा' है।

णमोकार महामंत्र में पांच पद है, 35 अक्षर है। इनमें 11 अक्षर लघु हैं, 24 गुरु हैं, 15 दीर्घ हैं और 20 हस्व हैं। 35 स्वर हैं और 34 व्यंजन हैं। यह एक अद्वितीय बीज संयोजना है। णमो अरिहंताणं में सात अक्षर है, णमो सिद्धाणं में पांच अक्षर हैं, णमो आयरियाणं में सात अक्षर हैं, णमो उवज्झायाणं में सात अक्षर है, णमो लोए सव्व साहूणं में नौ अक्षर हैं। इस प्रकार इस महामंत्र में कुल 35 अक्षर हैं। स्वर और व्यंजन का विश्लेषण करने पर नमो अरिहंताणं में 7 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो सिद्धाणं में 5 स्वर और 6 व्यंजन हैं, नमो उवज्झायाणं में 7 स्वर और 7 ही व्यंजन हैं। नमो लोए सव्व साहूणं में 6 स्वर तथा 6 व्यंजन हैं। इस प्रकार नमोकार महामंत्र में 35 स्वर और 34 व्यंजन हैं। यह महामंत्र जैन आराधना और साधना का ध्रुव केन्द्र है, इसकी शक्ति अपरिमेय है। इस महामंत्र के वर्णों के संयोजन पर चिन्तन करें तो यह बड़ा अद्भुत और पूर्ण वैज्ञानिक है। इसके बीजाक्षरों को आधुनिक शब्द विज्ञान की कसौटी पर कसने पर साधक यह पाते हैं कि इसमें विलक्षण ऊर्जा है और शक्ति का भण्डार छिपा हुआ है। प्रत्येक अक्षर का विशिष्ट अर्थ है, प्रयोजन और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने की क्षमता है।

पंच परमेष्ठियों का वंदन

इस मंत्र में पंच परमेष्ठियों को नमस्कार किया गया हैकृअरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साधु।

अरिहंत वे हैं जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रुओंकृराग, द्वेष, मोह और वासनाओंकृपर विजय प्राप्त कर सर्वज्ञता को उपलब्ध किया।

सिद्ध वे मुक्त आत्माएँ हैं जो जन्म-मृत्यु के चक्र से परे मोक्ष में स्थित हैं।

आचार्य संघ के आध्यात्मिक पथप्रदर्शक हैं।

उपाध्याय शास्त्रों के ज्ञाता एवं अध्यापक हैं।

साधु वे तपस्वी आत्माएँ हैं जो आत्मकल्याण और लोककल्याण हेतु धर्म का आचरण करती हैं।

जैन दर्शन के अनुसार आध्यात्मिक उत्कर्ष में न तो वेष बाधक है और न ही लिंग। स्त्री हो या पुरुष, सभी आत्मिक उन्नति के अधिकारी हैं।

साधना और मानसिक शांति

श्रद्धा, शुद्ध उच्चारण और एकाग्र भाव से णमोकार महामंत्र का जप मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। शास्त्रों में इसे 'सर्व पापों का नाश करने वाला और परम मंगलकारी' कहा गया है। प्रत्येक अक्षर स्वयं में मंत्रस्वरूप है और इसका जप किसी भी क्रम में किया जा सकता है। ध्यानपूर्वक जप करने से चित्त की चंचलता कम होती है और साधक आत्मस्वरूप के निकट पहुँचता है। यह मंत्र हमें भीतर की पवित्र चेतना से जोड़ता है।

भाषिक एवं वैज्ञानिक संरचना

णमोकार महामंत्र प्राकृत भाषा में रचित है और इसकी रचना आर्या छंद में की गई है। इसके पाँच मुख्य पदों में कुल 35 अक्षर माने गए हैं। ध्वनि-विज्ञान की दृष्टि से इसमें लघु-गुरु, ह्रस्व-दीर्घ वर्णों का संतुलित संयोजन है। स्वर और व्यंजन की विशिष्ट व्यवस्था इसे अद्वितीय बीज-संरचना प्रदान करती है।

आधुनिक ध्वनि-विज्ञान के अनुसार, मंत्रोच्चारण से उत्पन्न कंपन मानसिक और शारीरिक संतुलन में सहायक होते हैं। प्रत्येक अक्षर में सकारात्मक ऊर्जा और आत्मजागरण की क्षमता निहित है।

आत्मजागरण का मार्ग

णमोकार महामंत्र बाह्य आडंबरों से हटाकर साधक को आत्मा के शुद्ध स्वरूप की ओर ले जाता है। इसमें भौतिक उपलब्धियों की कामना नहीं, बल्कि आत्मोन्नति का मार्ग निहित है। यह समता, विनय और करुणा का संदेश देता है।

वास्तव में, णमोकार महामंत्र केवल जैन धर्म का मूल मंत्र नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए आत्मजागरण का शाश्वत उद्घोष है। गुणों की आराधना ही आत्मा को परम शांति और मोक्ष की दिशा में अग्रसर करती है और यही इस महामंत्र का सार है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत का हरित उत्थान

बिनोद कुमार सिंह

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

ईरान - इजराईल -अमेरिका तनाव और भारत ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भरता की नई इबारत...

विश्व व्यवस्था के वर्तमान दौर में ऊर्जा केवल विकास का ईंधन नहीं, बल्कि सामरिक शक्ति,कूटनीतिक प्रभाव और आर्थिक स्थिरता का मूलाधार बन चुकी है।आज जब पश्चिम एशिया में ईरान,ईराक और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा संतुलन को अस्थिर कर दिया है,तब भारत का नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँचना केवल उपलब्धि नहीं,बल्कि एक दूरदर्शी राष्ट्रीय संकल्प की परिणति है।पश्चिम एशिया,जिसे विश्व की ऊर्जा धुरी कहा जाता है,लंबे समय से भू-राजनीतिक संघर्षों का केंद्र रहा है।ईरान और अमेरिका के बीच टकराव, ईरान की आंतरिक जटिलताएँ और खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ आज उस स्थिति की ओर संकेत कर रही हैं जहाँ ऊर्जा आपूर्ति किसी भी क्षण बाधित हो सकती है।होर्मुज जलडमरूमध्य, जहाँ से विश्व के एक बड़े हिस्से का कच्चा तेल गुजरता है,इस तनाव का सबसे संवेदनशील बिंदु बन चुका है।यदि इस मार्ग में कोई व्यवधान उत्पन्न होता है,तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा–तेल की कीमतों में उछाल,महँगाई में वृद्धि और विकास की गति में मंदी के रूप में।भारत जैसे उभरते हुए राष्ट्र के लिए यह परिदृश्य एक गंभीर चुनौती प्रस्तुत करता है। देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयातित तेल और गैस पर निर्भर है, इसका प्रमुख स्त्रोत यही पश्चिम एशिया है।ऐसे में वहाँ की अस्थिरता भारत की आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकती है।किंतु भारत ने इस चुनौती को केवल संकट के रूप में नहीं देखा,बल्कि इसे अवसर में बदलने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।पिछले एक दशक में भारत ने अपनी ऊर्जा नीति को पुनर्परिभाषित किया है।जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी,स्वच्छ तथा सतत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने की दिशा में एक व्यापक रणनीति अपनाई गई है।इसी का परिणाम है कि आज भारत नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर पहुँच चुका है।किन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा प्रस्तुत आँकड़े इस परिवर्तन की गवाही देते हैं।वर्ष

2025-26 भारत के ऊर्जा इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरा है।इस वर्ष 55 गीगावॉट से अधिक की गैर-जीवाश्म क्षमता वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल योजनाओं तक सीमित नहीं,बल्कि क्रियान्वयन के स्तर पर भी नई ऊँचाइयाँ छू रहा है।देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें सौर ऊर्जा का योगदान सर्वाधिक है।सौर ऊर्जा ने 150 गीगावॉट का आँकड़ा पार कर लिया है, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत ने सूर्य की शक्ति को अपनी ऊर्जा रणनीति का केंद्र बना लिया है।पवन ऊर्जा भी इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरी है। 56 गीगावॉट से अधिक की स्थापित क्षमता यह दर्शाती है कि भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया है। इन दोनों स्त्रोतों - सौर और पवन– का संयुक्त योगदान अब देश के कुल बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।वर्ष 2025-26 में इनसे 276 बिलियन यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन हुआ, जो कुल उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है।यह परिवर्तन केवल आँकड़ों तक सीमित नहीं है,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सोच में आए व्यापक बदलाव का प्रतीक है।एक समय था जब भारत की ऊर्जा व्यवस्था कोयला और आयातित तेल पर आधारित थी,लेकिन आज वही व्यवस्था हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर है।यह बदलाव न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से आवश्यक है, बल्कि आर्थिक और सामरिक दृष्टि से भी अनिवार्य बन चुका है।

भारत ने इस दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि तब हासिल की जब जून 2025 में उसने अपने कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त कर लिया।यह लक्ष्य पेरिस समझौता के तहत 2030 के लिए निर्धारित था,जिसे भारत ने पाँच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया। यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की विश्वसनीयता और नेतृत्व क्षमता को और सुदृढ़ करती है।

सरकार की नीतिगत पहलों ने इस परिवर्तन को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।सौर उपकरणों पर करों में कमी, बैटरी निर्माण को प्रोत्साहन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन जैसी योजनाओं ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को नई ऊर्जा प्रदान की है। विशेष रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, जिसे भविष्य का ईंधन माना जा रहा है,भारत को ऊर्जा निर्यातक देश बनने की दिशा में अग्रसर कर सकता है।ऊर्जा क्षेत्र में यह क्रांति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है,बल्कि यह रोजगार,निवेश और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही है।सौर मॉड्यूल निर्माण क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत अब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।हालाँकि इस विकास यात्रा में कुछ चुनौतियाँ भी हैं। ऊर्जा भंडारण की सीमित क्षमता,ग्रिड अवसंरचना का विस्तार,भूमि अधिग्रहण जैसी समस्याएँ अभी भी सामने हैं।जिस प्रकार भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है,उससे यह विश्वास मजबूत होता है कि आने वाले समय में इन बाधाओं को भी पार कर लिया जाएगा।

ईरानझ्र इजराईल- अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों पर अत्यधिक निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिमपूर्ण हो सकती है। भारत ने इस सच्चाई को समय रहते समझ लिया और अपनी ऊर्जा नीति को उसी अनुरूप ढाल लिया। यही कारण है कि आज जब विश्व ऊर्जा संकट की आशंका से घिरा हुआ है, तब भारत एक स्थिर और आत्मनिर्भर ऊर्जा मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। निस्संदेह,यह समय ऊर्जा कूटनीति का है,जहाँ संसाधनों का नियंत्रण ही शक्ति का निर्धारण करता है। भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से इस शक्ति को हासिल करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।यह केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं,बल्कि भविष्य की अनिवार्यता भी है।

आज भारत का यह हरित उत्थान केवल एक राष्ट्रीय उपलब्धि नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय के लिए एक प्रेरणा है।यह संदेश स्पष्ट है कि यदि इच्छाशक्ति,नीति और तकनीक का समन्वय हो,तो किसी भी संकट को अवसर में बदला जा सकता है।भारत इसी राह पर आगे बढ़ रहा है।जहाँ ऊर्जा आत्म निर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि एक साथ संभव है।

संक्षिप्त समाचार

पति की खराब किडनी की बात छिपाकर की शादी, अब पत्नी से अंग और 30 लाख की मांग; ससुर पर भी गंभीर आरोप

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में चकेरी निवासी महिला ने पति की किडनी की बीमारी छिपाकर शादी करने और इसके बाद ससुरालीजनों की ओर से दहेज की मांग पूरी न होने पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को बताया कि शादी जून 2023 में लखनऊ के रहने वाले युवक के साथ हुई थी। परिजनों ने दोनों किडनियां खराब होने की बात छिपाई थी। ससुर पर बुरी नीयत रखने का आरोप लगाया। पति पर किसी अन्य महिला से अवैध संबंध का आरोप लगाया। 11 अक्तूबर 2024 को उन्होंने ससुरालीजन से पति की बीमारी के विषय में पूछा तो उन्हें प्रताड़ित किया गया। आरोप है कि ससुरालियों ने दहेज में 30 लाख रुपये के अलावा किडनी देने का दबाव बनाया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

घड़ों के बाद अब मिट्टी की बोतलों का ट्रेंड

गोरखपुर , एजेंसी। गर्मी की शुरुआत के साथ ही बाजार में मिट्टी की डिजाइनर बोतलें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। भीषण गर्मी में मिट्टी की ये बोतलें फ्रिज के विकल्प के रूप में तेजी से बिक रही हैं। तेज धूप और अच्छी सेहत के लिए लोग अब प्लास्टिक की बोतल छोड़ प्राकृतिक शीतलता की ओर बढ़ रहे हैं। इसे टेराकोटा शिल्प और आधुनिक डिजाइन से तैयार किया गया है। इन दिनों बाजार में मिट्टी के घड़ों के साथ ही मिट्टी के बोतले खूब बिक रही हैं। मजबूती के यह काफी खूबसूरत हैं। इन बोतलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि ये आसानी से बैग में फिट हो जाती हैं। साथ ही इन बोतलों को प्रसिद्ध टेराकोटा कला से तैयार किया गया है। इसकी बनावट प्लास्टिक और स्टील की बोतलों से कहीं ज्यादा सुंदर है। मिट्टी की बोतलों में पानी पीना भी काफी फायदेमंद माना जाता है। फ्रिज का बहुत ठंडा पानी गले और पाचन के लिए हानिकारक हो सकता है। मिट्टी की बोतल में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा होता है। बाजार में इन डिजाइनर बोतलों की कीमत 150 रुपये से 500 रुपये तक हैं। इस गर्मी लोग इन बोतलों को खूब खरीद रहे हैं खासकर लड़कियों में इसका क्रेज काफी बढ़ गया है।

समस्या के समाधान के लिए नई तकनीकों का उपयोग जरूरी : डॉ. मोनिका

मेरठ , एजेंसी। इस्माईल नेशनल महिला पीजी कॉलेज में सोमवार को अर्थशास्त्र विभाग की ओर से 30 घंटे के वैल्यू एडेड कोर्स का समापन हो गया। कोर्स का विषय क्वांटिटेटिव एंड क्वालिटेटिव टेक्नीक्स इन रिसर्च मेथडोलॉजिस्ट रहा। आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर प्रो. दीप्ति कौशिक ने आज के वैश्वीकरण और बढ़ते एआई के उपयोग के दौर में आगे होने वाले शोध को और भी प्रासंगिक बताया। कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका ने कहा कि सामाजिक समस्या और उसके समाधान के लिए नई तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कार्यक्रम में डॉ. दीक्षा व अन्य प्रवक्ताओं सहित 40 छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. स्वर्णा रहीं। इधर, कॉलेज में पुरातन छात्र समिति की ओर से आयोजित मैत्री कार्यक्रम के चौथे दिन पर बीएड विभाग, राजनीति विभाग, विज्ञान विभाग व संगीत विभाग की ओर से छात्राओं को आमंत्रित किया गया। उन्होंने व्यावसायिक परामर्श विषय पर अपने विचार रखे। बीएड विभाग में इस्माईल कॉलेज की लेक्चरर जेब जेडी, राजनीति विभाग में नेट क्वालिफाइड नेहा जोशी और विज्ञान विभाग से मीनाक्षी ने अपने अनुभव साझा किए। विज्ञान विभाग की मीनाक्षी ने विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्ध तकनीकी क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं के बारे में जानकारी दी।

नौकरी दिलाने के नाम पर 4.65 लाख रुपये की ठगी

गोरखपुर , एजेंसी। सहजनवां थाना क्षेत्र सीहापार उत्तरी टोला निवासी शिवराज से ठगी हो गई। जालसाज ने मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 4.65 लाख रुपये ठग लिए ।पुलिस ने गगहा थाना क्षेत्र के पवन चौहान के खिलाफ जालसाजी और ठगी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पीड़ित शिवराज ने बताया कि उनकी मुलाकात गगहा के बगल मंझरिया निवासी पवन चौहान से हुई थी। आरोप है कि पवन ने उन्हें मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा दिया और 4.65 लाख रुपये की मांग की। झांसे में आकर पीड़ित ने कई बार गूगल पे के माध्यम से 3.65 लाख रुपये आरोपी के खाते में भेजे और शेष एक लाख रुपये नकद उसके घर जाकर दिए। इसके बाद आरोपी ने शिवराज को दुबई भेज दिया। वहां पहुंचने पर शिवराज को पता चला कि जिस कंपनी का नाम दिया गया था, वह वास्तव में अस्तित्व में ही नहीं है ।एक माह तक दुबई में परेशान रहने के बाद शिवराज ने कस्टम विभाग से संपर्क किया और टिकट बनवाकर भारत लौट आया। घर आने के बाद जब उसने आरोपी से रुपये वापस मांगे तो लौटाने से इन्कार कर दिया और गाली–गलौज के साथ मारपीट की धमकी दी। शिवराज ने मामले की शिकायत गीडा के सीओ से की। सीओ के निर्देश पर सहजनवां पुलिस ने गगहा थाना क्षेत्र निवासी पवन चौहान के खिलाफ जालसाजी और ठगी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की।

प्रदेश की बिजली व्यवस्था में बड़ा बदलाव

खत्म की गई प्रीपेड मीटर की अनिवार्यता

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर की अनिवार्यता खत्म हो गई है। अब सिर्फ स्मार्ट मीटर लगेंगे। इसके लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश एक अप्रैल को ही अधिसूचित किया गया है। प्रदेश में करीब 78 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगे हैं, जिसमें 70 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हैं। पावर कार्पोरेशन की ओर से नए विद्युत कनेक्शन पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाया जा रहा है।

प्रीपेड की अनिवार्यता का राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद विरोध कर रहा है। संसद में सवाल उठने पर केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भी कहा कि प्रीपेड अनिवार्य नहीं है। यह उपभोक्ताओं की इच्छा पर निर्भर करता है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने कहा था कि राष्ट्रीय कानून विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) के तहत उपभोक्ताओं के परिसर पर पोस्टपेड व प्रीपेड मोड में लगाने की बात कही थी।

इसके बाद भी ज्यादातर उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड मीटर ही लगाए जा रहे थे। विद्युत उपभोक्ता परिषद लगाता इसका विरोध कर रहा था। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने एक अप्रैल 2026 को नई अधिसूचना जारी कर दिया है। इसमें यह संशोधन कर दिया कि जिस भी क्षेत्र में संचार नेटवर्क मौजूद है वहां पर सभी बिजली कनेक्शन स्मार्ट मीटर के रूप में दिए जाएंगे। प्रीपेड की अनिवार्यता जो पहले थी उसे हटा दिया गया है। स्मार्ट मीटर के रूप में कनेक्शन तो दिए जाएंगे, लेकिन प्रीपेड मोड उपभोक्ताओं के विकल्प पर आधारित होगा।

उपभोक्ता परिषद की लड़ाई रंग लाई- वर्मा : राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि संशोधित अधिसूचना जारी हो गई है। देशभर के विद्युत उपभोक्ताओं ने लड़ाई जीती है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अपने आदेश में संशोधन कर दिया है अब पूरे देश में स्मार्ट मीटर तो लगा सकते हैं, लेकिन प्रीपेड मोड केवल उपभोक्ताओं की सहमति के आधार पर ही आगे बढ़ाया जाएगा।

विद्युत वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश : ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. आशीष कुमार गोयल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्मी में बिजली की मांग बढ़नी तय है। ऐसे में विद्युत वितरण लाइनों की ट्रिपिंग रोकने के प्रयास किए जाएं और पारेषण व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। शक्ति भवन में सोमवार को ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन की समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि पारेषण के सभी कार्य निर्धारित समय में पूरे किए जाएं। उन्होंने मुख्यालय पर तैनात सभी अधिकारियों को आगामी शनिवार से 14 अप्रैल तक उपकेंद्रों में किए गए अनुरक्षण कार्यों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। गोयल ने स्पष्ट किया कि गर्मियों में ट्रिपिंग नहीं होनी चाहिए। यदि ट्रांसमिशन लाइनों की ट्रिपिंग के कारण विद्युत आपूर्ति में बाधा आती है, तो अधीक्षण और मुख्य अभियंताओं पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने डिवीजन और जोन-वार डेटा मंगाकर विश्लेषण करने को कहा। फायर फाइटिंग की मॉक ड्रिल कराने और उपकेंद्रों व ट्रांसफार्मर की एजिंग एनालिसिस कर आवश्यक अनुरक्षण पर विचार करने को भी कहा।

निजीकरण विरोधी आंदोलन को देंगे धार : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण के विरोध में आंदोलन तेज करने की तैयारी शुरू कर ली है। इसके लिए अंतिम निर्णय रविवार को होने वाली केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पॉवर कॉर्पोरेशन प्रबंधन ने अभी तक निजीकरण प्रस्ताव रद्द करने की घोषणा नहीं की है। विरोध करने वालों के खिलाफ लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है।

बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे यात्री से तीन करोड़ का गांजा बरामद

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर तैनात एयर इंटेलीजेंस यूनिट ने बीती देर रात कार्रवाई करते हुए यात्री के पास से करीब तीन करोड़ रुपये का गांजा बरामद किया। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है।एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि एयर एशिया की फ्लाइट संख्या एफडी-146 से बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे यात्री पर संदेह होने पर अधिकारियों ने उसे रात करीब 11:30 बजे रोका। पूछताछ के दौरान यात्री ने अपने बैग में प्रतिबंधित हाइड्रोपोनिक गांजा होने की बात स्वीकार की। बैगेज की तलाशी लेने पर लगभग 3.19 किग्रा हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच में आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के गोंडा निवासी शमीम के रूप में हुई है। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारी आरोपी से पूछताछ कर तस्करी के नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। बलिया के गैंग लीडर प्रमोद कुमार उपाध्याय और गैंग के बदमाश विनोद कुमार उपाध्याय की संपत्ति कुर्क होगी। यह आदेश सोमवार को पारित हुआ है। यह संपत्ति उन्होंने अपराध से अर्जित की है। इसकी कीमत 6.48 करोड़ रुपये है।यह आदेश उ.प्र. गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप अधिनियम, 1986 के तहत दिया गया है। प्रमोद और विनोद फरवरी 2025 से लखनऊ की जेल में बंद हैं। वे धोखाधड़ी के मामले में जेल में हैं। एसीपी मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय ने बताया कि संयुक्त पुलिस आयुक्त ने रिपोर्ट पर संतुष्टि जताई और आदेश पारित किया। थाना प्रभारी नगराम ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों ने संगठित अपराध किए।

बिना फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्रों वाले स्कूली वाहन भर रहीं फर्राटा

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में जिन वाहनों पर बच्चों को स्कूल लाने व घर छोड़ने की जिम्मेदारी है, उनकी स्थिति खराब है। जीपीएस, सीसीटीवी कैमरे तो दूर इनमें फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र तक नहीं हैं। कई बसों की बॉडी तक जर्जर थी। इनमें स्पीड गवर्नर भी नहीं लगे हुए थे। वहीं, 10 बच्चों की क्षमता वाले वाहनों में 15 को बैठाकर सफर कराया जा रहा था।

केस-1

प्राथमिक उपचार का नहीं इंतजाम : सीएमएस राजेंद्र नगर की वैन और बस से फर्स्ट एड बॉक्स और अग्निशमन यंत्र गायब मिले। ऐसे में किसी बच्चे की अचानक तबीयत खराब हो जाने या दुर्घटना होने पर आग बुझाने का इंतजाम तक नहीं था। वाहनों में क्षमता से अधिक छात्रों को बैठाया जा रहा था।

केस-2

स्कूल बस में सीसीटीवी कैमरा नहीं : इंदिरानगर सेक्टर-9 स्थित सेंट्रल एकेडमी की बस में अव्यवस्था नजर आई। यहां भी न तो फर्स्ट एड बॉक्स था और न ही सीसीटीवी कैमरे लगे थे। आग बुझाने के इंतजाम भी नहीं मिले। सीटें भी खराब स्थिति में थीं। कुछ बसों में बाएं ओर का शीशा टूटा मिला।

केस-3

इमरजेंसी बटन भी खराब : गोमतीनगर सीएमएस के बाहर खड़ी बस के दरवाजे टूटे थे। अग्निशमन यंत्र अपनी अवधि पूरी कर चुके थे। इमरजेंसी बटन भी खराब था और कई बसों में तो ये लगे भी नहीं थे। वाहनों की स्थिति खराब थी। यहां भी फर्स्ट एड बॉक्स नहीं मिला।

रोजाना 10 हजार कदम, 7 से 8 घंटे की नींद, अपनाया ये फॉर्मूला तो आसपास भी नहीं भटकेंगी छह बीमारियां

आगरा , एजेंसी। एसएन मेडिकल कॉलेज के विशेषज्ञों के अनुसार रोज 10 हजार कदम, 7-8 घंटे नींद और 500 कैलोरी कम करने से कई गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। खराब खानपान और जीवनशैली के कारण युवाओं में मधुमेह, हृदय रोग और मोटापा तेजी से बढ़ रहा है।

मेडिसिन विभाग के डॉ. आशीष गौतम ने बताया कि ये सभी बीमारियां खराब आदतों से बन रही हैं। इसमें 10-11 फीसदी को मधुमेह, 3-5 फीसदी में उच्च रक्तचाप, दो में हृदय रोग और बाकी को फैटी लिवर, कोलेस्ट्रॉल समेत अन्य परेशानी मिल रही हैं। चिंता की बात ये है कि इसमें 20-25 साल के युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। ऐसे में अगर लोग रोजाना 10 हजार कदम, भोजन में 500 कैलोरी कम कर लें और 7-8 घंटे नींद लें तो इन बीमारियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

तीन से पांच गुना तक शरीर में पहुंचा रहा नमक-तेल

एसएन के हृदय रोग विभाग के डॉ. सौरभ नागर ने बताया कि महीने में औसतन करीब 200 की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी कर रहे हैं। इनमें 25-30 की उम्र के भी मरीज हैं। पूछताछ में मरीज नमक, तेल और चीनी की मात्रा तीन से पांच गुना तक मिल रही है। औसतन 24 घंटे 2 से ढाई ग्राम नमक, 2-3 ग्राम चीनी और 50 एमएल तेल ही शरीर में किसी भी रूप में पहुंचना चाहिए।

80 फीसदी लोगों में कैलोरी का संतुलन बिगड़ा : एसएन मेडिकल कॉलेज की डायटीशियन मिनी शर्मा ने बताया कि कार्य के हिसाब से लोगों को कैलोरी तय है। इसमें 60 किलो वजनी अल्प कार्य करता है तो उसके लिए 2400 कैलोरी, सामान्य कार्य करने वालों के लिए 2800 कैलोरी और अत्यधिक शारीरिक परिश्रम करने वालों को 3800 कैलोरी का भोजन करना चाहिए। 70-80 फीसदी लोगों में कैलोरी का औसत गड़बड़ मिला है। ऐसे लोग कैलोरी को संतुलित करने से बीमारियों से बचाव कर सकते हैं।

एनडीपीएस मामला...भगोड़े शुभम के दुबई भागने की पुष्टि, गृह मंत्रालय की रिपोर्ट; कार्रवाई जारी

वाराणसी। , एजेंसी। अपर सत्र न्यायाधीश/फास्ट ट्रैक कोर्ट (14वां) ने प्रह्लाद घाट, कायस्थ टोला निवासी शुभम जायसवाल को उद्घोषित अपराधी घोषित करने का आदेश जारी किया। कोर्ट में विवेचक एसआई दिनेश कुमार त्रिपाठी ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद से ही आरोपी लगातार फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका।

न्यायालय ने दिए थे निर्देश

विवेचक ने न्यायालय को अवगत कराया कि आरोपी के खिलाफ पहले ही 22 जनवरी 2026 को गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। इसके बाद 24 फरवरी 2026 को धारा 84 बीएनएसएस के तहत उद्घोषणा जारी कर उसे 30 मार्च 2026 तक न्यायालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया था। आदेश की प्रति आरोपी के घर पर चस्पा करने के साथ ही मुनादी भी कराई गई, बावजूद इसके आरोपी न्यायालय में पेश नहीं हुआ।

जांच के दौरान गृह मंत्रालय से प्राप्त जानकारी में सामने आया कि शुभम जायसवाल 5 नवंबर 2025 को कोलकाता एयरपोर्ट से संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर भाग गया। इस तथ्य के सामने आने के बाद न्यायालय ने इसे गंभीरता से लेते हुए आरोपी को भगोड़ा घोषित करने का आदेश पारित किया।

न्यायालय ने निर्देश दिया है कि उद्घोषणा की प्रति सार्वजनिक स्थानों, आरोपी के निवास स्थान और न्यायालय परिसर में चस्पा कराई जाए, ताकि उसकी जानकारी आमजन तक पहुंच सके। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी अधिवक्ता सुनील सिंह और अरविंद श्रीवास्तव ने पैरवी की। पुलिस अब आरोपी की गिरफ्तारी के लिए आगे की कानूनी प्रक्रिया, जैसे लुकआउट नोटिस और प्रत्यर्पण की कार्रवाई, पर भी विचार कर रही है।

47 वर्षों में शून्य से शिखर पर पहुंची भाजपा, 1985 के चुनाव में महज 16 सीटें जीतकर आई थी पार्टी

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भाजपा की विकास यात्रा ऐसे राजनीतिक उतार-चढ़ाव की कहानी है, जिसने राज्य की सत्ता का समीकरण ही बदल दिया। साल 1985 में महज 16 सीटों से शुरुआत करने वाली भाजपा आज 255 विधायकों के साथ प्रदेश की निर्णायक शक्ति बन चुकी है।

भाजपा के अब तक के इतिहास को देखें तो 1980 में गठन के बाद शुरुआती वर्षों में पार्टी हाशिये पर रही लेकिन 1990 के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन ने व्यापक जनसमर्थन दिलाया। 1991 के विधानसभा चुनाव में 221 सीटें जीतकर भाजपा ने पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई और कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने।साल 1993 और 1996 में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी तो बनी लेकिन बहुमत के अभाव में सरकारें अस्थिर रहीं। वर्ष 1997 से 2002 के बीच कल्याण सिंह, राम प्रकाश गुप्ता और राजनाथ सिंह के नेतृत्व में सरकार चली लेकिन संगठनात्मक स्थिरता नहीं बन सकी।

भाजपा का ग्राफ 2002 के बाद तेजी से गिरा। पार्टी 2002 में 88 सीटों से घटकर 2007 में 51 और 2012 में 47 सीटों पर सिमट गई। इस दौरान सपा और बसपा ने प्रदेश की राजनीति पर वर्चस्व बनाए रखा। भाजपा के लिए 2014 के लोकसभा चुनाव ने निर्णायक वापसी की जमीन तैयार की। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने यूपी की 80 में 71 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया। इसी लहर का असर विधानसभा चुनाव 2017 में दिखा, जब भाजपा ने 312 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। योगी आदित्यनाथ के 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद भाजपा ने संगठन और शासन स्तर पर पकड़ मजबूत की।

इलाज कराना कितना मुश्किलः तस्वीर में देख लें ये भीड़,

एसएन मेडिकल कॉलेज का बुरा है हाल; बुजुर्गों की आफत

आगरा , एजेंसी। एसएन मेडिकल कॉलेज में आभा पोर्टल पंजीकरण के कारण पर्चा बनवाने में 2-3 घंटे लग रहे हैं, जिससे मरीजों की लंबी कतार लग रही है। भीड़ और अव्यवस्था के कारण बुजुर्ग मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ रही है।

आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में पर्चा बनाने के लिए मारामारी हो रही है। दो-तीन घंटे में पर्चा बन पा रहा है। आभा पोर्टल पर पंजीकरण कराने में ज्यादा देरी हो रही है। इससे लंबी लाइन लग रही है। इसके निदान के लिए कॉलेज प्रशासन ने काउंटर भी नहीं बढ़ाए हैं। सोमवार को ओपीडी में कुल 3,184 मरीज आए।

एसएन मेडिकल कॉलेज में पर्चा के लिए आधार कार्ड जरूरी कर दिया है। इसी से आभा पोर्टल पर पंजीकरण किया जा रहा है। इस वजह से पर्चा बनाने में अतिरिक्त

समय लग रहा है। काउंटर भी नहीं बढ़ाए गए हैं, इससे लंबी लाइन लग रही है। सोमवार को भारी भीड़ के कारण देर तक खड़े रहने और धक्कामुक्की से लाइन में लगे बुजुर्गों की हालत खराब हो गई। इससे वे जमीन पर ही बैठ गए।

पर्चा के बाद डॉक्टर को दिखाने, दवा लेने के लिए भी लंबी लाइन से गुजरना पड़ रहा है।

प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि आभा पोर्टल पर पंजीकरण से मरीज के बार-बार पर्चा बनाने, जांच रिपोर्ट साथ लाने की जरूरत नहीं है। इससे मरीजों को सुविधा होगी। मरीजों के लिए काउंटर भी बढ़ाए जाएंगे।

ये बोले मरीज-

घंटों खड़े रहने से उखड़ आया पैरों में दर्द : सती नगर से आई भूदेवी ने कहा कि घुटने और सीने में दर्द की परेशानी पर एसएन में दिखाने आई। दो घंटे लाइन में लगने के बाद पर्चा बन पाया। दवा देने के लिए भी लाइन में लगी, देर तक खड़े रहने पर पैरों में दर्द उखड़ आया।

बुजुर्गों के लिए अलग होना चाहिए काउंटर : टूंडला निवासी अशोक माहौर ने बताया कि पर्चा, दवा, जांच के लिए लंबी लाइन से गुजरना पड़ता है। इससे बुजुर्ग मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। लाइन में लगकर परेशान हो गया। 3-4 घंटे में पर्चा के बाद दवा मिल सकी।

अनैतिक संबंधों के मकड़जाल में उलझी अपहरण की कहानी

वारदात से पहले धार्मिक स्थल पर गए थे बदमाश

बरेली । बरेली में हादसे के बाद अपहरण की गुत्थी तो सुलझ गई, लेकिन पुलिस की पूछताछ में घटनाक्रम की पूरी कहानी अनैतिक संबंधों के मकड़जाल में उलझी नजर आई। मनोज वाल्मीकि ने मनमोहन और उसके परिवार की मदद की। बाद में दोनों मनोज की जान के दुश्मन बन गए।

बंधनमुक्त कराने के बाद पुलिस की पूछताछ में मनोज ने बताया कि वह टांडा सिकंदरपुर का मूल निवासी है। इसी गांव में मनमोहन कोरी का परिवार रहता था। मनमोहन का पिता नत्थूलाल आपराधिक प्रवृत्ति का है।

गांव के अधिकतर लोग मनमोहन के परिवार से कन्नी काटते हैं। हालांकि, उसके पिता के इस परिवार से संबंध रहे। मनोज ने बताया कि शादी के बाद वह रोजी रोटी की तलाश में गुरुग्राम चला गया था। वहां वह टैक्सी और फिर ऑटो चलाने लगा।

मनोज ने बताया कि नत्थूलाल एक केस में फंसा तो कानूनी पैरवी में उसकी बड़ी बहन उसके साथ कोर्ट आने-जाने लगीं। नत्थू ने इसका फायदा उठाकर उनकी बहन को प्रेम प्रसंग में फांस लिया। कई साल से दोनों पति-पत्नी के रूप में रह रहे हैं।

इससे पहले भी नत्थूलाल की दो शादियां हो चुकी थीं। उनके परिवार को ये बेमेल रिश्ता खराब लगा, लेकिन बहन की मर्जी सोचकर खामोश रहे। दोनों परिवार में फिर रिश्ते ठीक हो गए।

मनोज ने बताया कि वर्ष 2022 में मनमोहन हत्या के मामले में फंसा था। सालभर पहले वह जमानत पर छूटा तो बेरोजगार था। तब उन्होंने तीन महीने तक मनमोहन को अपने घर में रखा। फिर अपनी गारंटी पर उसकी एक पानी प्लांट में टैंकर ड्राइवर की प्रतिमाह 18 हजार रुपये की नौकरी लगवा दी।

मनोज ने बताया कि दिन में वह और पत्नी पूजा काम पर चले जाते थे। तब मनमोहन ने उनके घर पर रहने वाली रिश्तेदार लड़की को अपने जाल में फंसा लिया। इसकी जानकारी हुई तो मनोज ने विरोध किया। तब तक मनमोहन को वह नौकरी दिला चुके थे। मनमोहन उस लड़की को लेकर चला गया। उन्हीं की कॉलोनी में दो गली छोड़कर किराये पर रहने लगा था। दोनों अक्सर सामने भी पड़ने से कतराते थे।

शेयर बाजार बंपर उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 2,946.32 , निफ्टी 873 अंक उछला निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए का फायदा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के भारी तेजी रही। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से बाजार में ये बंपर तेजी आई। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक के उछाल के साथ ही 77,563.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 873.70 अंक बढ़कर 23,997.35 पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष थमने के बाद बाजार में चौतरफा तेजी रही। रियल्टी और ऑटो स्टॉक्स में आज भारी तेजी रही। निफ्टी रियल्टी, और निफ्टी ऑटो की मजबूती के साथ सबसे अधिक लाभ में रहे। निफ्टी निजी बैंक , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरबेल्स और निफ्टी इन्फ्रा बढ़त के साथ बंद हुआ। एक भी सूचकांक में गिरावट नहीं रही। आज लार्जकैप के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 2,198.95 अंक की बढ़त के साथ 56,799.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 694.75 अंक की बढ़त के साथ 16,538.05 पर पहुंचा। सेंसेक्स पैक में इंडिगो, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाइटन, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और एसबीआई के शेयर लाभ में रह जबकि टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही।

बाजार में तेजी के कारण कंपनियों का बाजार पूंजीकर 17 लाख करोड़ रुपए बढ़कर करीब 446 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 429 लाख करोड़ रुपए था। बाजार जानकारों के अनुसार युद्ध विराम की घोषणा के बाद कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आई है और ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 14 फीसदी नीये आकर 94 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा। इसी प्रकार आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता नजर आया।

वैश्विक स्तर पर सकारात्मक माहौल और एशियाई बाजारों में मजबूती का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स 3 फीसदी से अधिक उछलकर 77,000 के पार खुला। वहीं ``निफ्टी भी तेजी के साथ 23,800 के ऊपर पहुंच गया।

हुंदै मोटर इंडिया मई से वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माता कंपनी हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ने बढ़ती लागत के कारण मई से अपने वाहनों की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की बुधवार को जानकारी दी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने मई 2026 से अपने सभी मॉडल की कीमतों में एक प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की योजना बनाई है। यह मूल्य संशोधन विभिन्न लागतों में वृद्धि के कारण किया जा रहा है। हुंदै मोटर इंडिया ने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी विभिन्न मॉडल एवं संस्करण के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा` कि हमारा हमेशा प्रयास रहता है कि बढ़ती लागत को खुद वहन कर ग्राहकों को कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाया जाए। हालांकि, कच्चे माल की लागत में लगातार वृद्धि से इसका एक हिस्सा मामूली मूल्य वृद्धि के रूप में ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया है।

यूएस-ईरान युद्धविराम और आरबीआई की नीति से बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट

- बॉन्ड प्रतिफल 0.12 प्रतिशत घटकर सात प्रतिशत से नीचे आया

मुंबई ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के सशर्त युद्धविराम और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 फीसदी पर यथावत रखने के फैसले से बुधवार को भारत के बॉन्ड बाजार में राहत देखने को मिली। इस फैसले के बाद 10-वर्षीय मानक बॉन्ड का प्रतिफल 7 प्रतिशत से नीचे आ गया जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। भारतीय समाशोधन निगम के अनुसार, सुबह के कारोबार में 10-वर्षीय बॉन्ड का प्रतिफल 7.04 फीसदी से घटकर 6.92 फीसदी पर आ गया। पश्चिम एशिया में युद्धविराम के बाद बॉन्ड बाजार की धारणा बेहतर हुई, जिससे निवेशकों ने बिकवाली कम की। युद्धविराम के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 94.94 डॉलर प्रति बैरल पर बनी, जो कुछ दिन पहले 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई थी। इससे भारत जैसे तेल आयातक देशों में आयातित मुद्रास्फीति का दबाव कम हुआ। अप्रैल में आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर 5.25 फीसदी पर स्थिर रखने से बॉन्ड प्रतिफल को अतिरिक्त समर्थन मिला। नीति निर्णय ऐसे समय आया है जब करीब 40 दिन से पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई थी और बॉन्ड प्रतिफल बढ़कर 7 फीसदी से ऊपर चला गया था।

खुदरा मुदास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान आरबीआई

– महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर को 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह दर केंद्रीय बैंक के निर्धारित लक्ष्य के भीतर है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल की बैठक में आर्थिक वृद्धि और महंगाई पर बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनज़र रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला किया। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी करते हुए बुधवार को कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पाया कि पिछली नीतिगत बैठक के बाद से भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं काफी बढ़ गई हैं। कुल महंगाई नियंत्रण में है और लक्ष्य से नीचे है। हालांकि, महंगाई के परिदृश्य के ऊपर जाने का जोखिम बढ़ गया है। इसका कारण ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी का दबाव और मौसम में बदलाव है जिसकी वजह से खाने-पीने की चीजों की कीमतों पर असर पड़ सकता है।''इसके अलावा, मुख्य महंगाई का दबाव भी कम बना हुआ है। हालांकि, आपूर्ति श्रृंखला की दिक्कतों और दूसरे दौर के प्रभाव का जोखिम भविष्य में महंगाई के रास्ते को अनिश्चित बना देता है। मल्होत्रा ने साथ ही कहा कि अर्थव्यवस्था को आपूर्ति में झटके का सामना करना पड़ रहा है। बदलते हालात, आर्थिक वृद्धि तथा महंगाई के बदलते दृष्टिकोण पर नजर रखना समझदारी होगी। इसी को देखते हुए एमपीसी ने रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर ही बनाए रखने का फैसला किया है।

खुदरा महंगाई दर फरवरी में बढ़कर 3.21 प्रतिशत हो गई थी। फरवरी के महंगाई के आंकड़े नई उपभोक्ता मूल्य श्रृंखला पर आधारित थे जिसका आधार वर्ष 2024 है।

अमेरिकी अदालत में गौतम-सागर अदाणी की एसईसी याचिका पर सुनवाई तय

– अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा

न्यूयॉर्क ।

अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा दायर धोखाधड़ी मामले में उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से याचिका खारिज करने की अनुमति मांगी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की प्री-मोशन कॉन्फ्रेंस याचिका को मंजूरी देते हुए दोनों पक्षों को बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। मुकदमा नवंबर 2024 में शुरू हुआ था। एसईसी का आरोप है कि अदाणी समूह ने भारत में सौर ऊर्जा ठेके प्राप्त करने के लिए अधिकारियों को कथित रूप से 25 करोड़ डॉलर से अधिक की रिश्वत देने का प्रयास किया और अमेरिकी निवेशकों तथा बैंकों को योजना की जानकारी नहीं दी। अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिकी विदेशी भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत कोई उल्लंघन नहीं हुआ। अदाणी के वकीलों ने कहा कि मामला पूरी तरह भारत में हुआ और अमेरिकी कानून का क्षेत्राधिकार लागू नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि बॉन्ड बिक्री 75 करोड़ डॉलर की अमेरिका के बाहर हुई, निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ, और कथित बयान केवल सामान्य प्रशंसात्मक बातें थीं। अदालत को बताया गया कि अदाणी ग्रीन का अमेरिकी निवेशकों तक पहुंचने में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। न्यूयॉर्क की पूर्वी जिला अदालत ने प्रतिवादियों की याचिका स्वीकार करते हुए दोनों पक्षों को प्री-मोशन बातचीत का समय तय करने का निर्देश दिया। अदाणी पक्ष अब 30 अप्रैल तक फाइनल मोशन दाखिल कर मामले को पूरी तरह खारिज कराने की दलीलें पेश करेगा।

युद्धविराम से कच्चा तेल छह प्रतिशत टूटकर निचले सर्किट में पहुंचा

कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल

–नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बुधवार को कच्चे तेल के वायदा भाव में तेज गिरावट आई और यह छह प्रतिशत लुढ़ककर निचले सर्किट स्तर पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव 640 रुपये या छह प्रतिशत टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल पर आ गया जो इसका निचला सर्किट स्तर है। इसी तरह मई में आपूर्ति वाला अनुबंध भी 565 रुपये फिसलकर 8,860 रुपये प्रति बैरल के निचले सर्किट स्तर पर पहुंच गया। तनाव कम होने से आपूर्ति बाधित होने की आशंकाएं घटने के बीच बाजार में तेज बिकवाली देखी गई। वैश्विक बाजारों में भी अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की घोषणा के बाद तेल कीमतों में गिरावट आई। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद बढ़ी है। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के करीब पांचवें हिस्से के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में मई में आपूर्ति वाला वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल 17.11 डॉलर या 15.15 प्रतिशत फिसलकर 95.84 डॉलर प्रति बैरल रह गया। वहीं जून में आपूर्ति वाले ब्रेंट क्रूड के अनुबंध का भाव 14.52 डॉलर या 13.29 प्रतिशत कम होकर 94.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बाद भू-राजनीतिक जोखिम घटने से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनने के बाद वह ईरान के खिलाफ प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को स्थगित करेंगे। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना भी शामिल है। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने संकेत दिया कि इस अवधि के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से आवागमन की अनुमति दी जाएगी जिससे आपूर्ति बाधित होने की चिंताएं कम हो गई हैं।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर का मिलाजुला प्रदर्शन

- वेस्ट एशिया संकट और महंगे कच्चे माल ने बढ़ाई चुनौतियां

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। शुरुआती महीनों में मांग मजबूत थी, लेकिन मार्च के अंत में वैश्विक और मौसमी कारकों ने स्थिति को प्रभावित किया। बाजार के जानकारों के मुतो बिक इस सेक्टर की कुल आय में लगभग 12 प्रतिशत की बढ़त हो सकती है, लेकिन शुद्ध मुनाफा करीब 5 प्रतिशत घटने का अनुमान है। ऐ बि टिडा लगभग स्थिर रहने की संभावना है। लागत बढ़ने के कारण ऑपरेटिंग मार्जिन घटकर लगभग 10 प्रतिशत रह सकता है। केबल और वायर सेगमेंट में जनवरी और फरवरी में इंफ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट और इंडस्ट्रियल सेक्टर से मजबूत मांग देखने को मिली। लेकिन मार्च में वेस्ट एशिया संकट से सप्लाई में बाधा आई और मिडिल ईस्ट के लिए एक्सपोर्ट प्रभावित हुए। साथ ही कॉपर और एल्युमिनियम जैसी कच्ची वस्तुओं की कीमतें बढ़ी, जिससे लागत और मार्जिन पर दबाव पड़ा। एयर कंडीशनर की मांग उत्तर और मध्य भारत में गर्मी के शुरुआती दिनों में बढ़ी, लेकिन मार्च के अंत में बेमौसमी बारिश से मांग अचानक कमजोर हो गई। दक्षिण और पूर्व भारत में गर्मी देर से आई, जबकि पश्चिम भारत में स्थिति सामान्य रही। वॉशिंग मशीन की मांग सामान्य रही, जबकि टीवी और फ्रिज की मांग आईपीएल सीजन और बढ़ते तापमान के कारण धीरे-धीरे सुधार दिखाने लगी। एफएमईजी सेगमेंट में जैसे फैन, लाइट और स्विच, कमजोर उपभोक्ता भावना के कारण मांग कमजोर रही। कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस सेगमेंट के मार्जिन पर भी दबाव डाला।

आरबीआई का 2026-27 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.9 फीसदी रहने का अनुमान

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह वित्त वर्ष 2025-26 के अनुमानित 7.6 प्रतिशत से कम है। आरबीआई ने इसे पश्चिम एशिया संकट, जिंस की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी वैश्विक चुनौतियों से जोड़कर बताया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में व्यवधान और बढ़ी हुई ढुलाई एवं बीमा लागत से माल निर्यात पर दबाव पड़ सकता है।

ऊर्जा और अन्य जिंस की ऊंची कीमतें, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान, घरेलू उत्पादन की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ती अस्थिरता भी वृद्धि संभावनाओं पर दबाव डाल रही है। मल्होत्रा ने बताया कि घरेलू मांग को कई कारक समर्थन देंगे-

* सेवा क्षेत्र की मजबूती
* माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों का युक्तिकरण
* विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग में वृद्धि
* वित्तीय संस्थानों और कॉरपोरेट के मजबूत बही-खाते

इसके अलावा, केंद्रीय बजट 2026-27 में रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयास दीर्घकालिक वृद्धि के लिए सकारात्मक हैं।

तिमाही आधार पर वृद्धि का अनुमान- आरबीआई के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में तिमाही आधार पर वृद्धि दर का अनुमान इस प्रकार है-

* पहली तिमाही- 6.8 फीसदी
* दूसरी तिमाही 6.7 फीसदी
* तीसरी तिमाही- 7.0 फीसदी
* चौथी तिमाही 7.2 फीसदी

आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया बदलाव, 5.25 फीसदी पर बरकरार

ईएमआई में राहत, मिडिल ईस्ट तनाव और महंगाई के जोखिम के बीच आरबीआई ने अपनाया सतर्क रुख

–नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भू-राजनीतिक तनावों के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने 6 से 8 अप्रैल तक चली बैठक के बाद यह स्पष्ट किया कि फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। समिति ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है, जबकि स्टैंडिंग डिपॉज़िट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी तथा बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रही है। हालांकि, अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक हालात इसे चुनौती दे रहे हैं। दुनिया भर में आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ने का खतरा बना हुआ है, जिस पर तेल की बढ़ती कीमतों का असर साफ दिख रहा है। उन्होंने कहा कि तेल बाजार पर जियोपॉलिटिकल तनाव का साया अब भी मंडरा रहा है। इससे कीमतों में अनिश्चितता बनी हुई है। इसके साथ ही वैश्विक सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतें हालात को और जटिल बना रही हैं। वहीं वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी है और दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई को लेकर चिंता कम होने का नाम नहीं ले रही। ऐसे माहौल में, मजबूत घरेलू बुनियाद के बावजूद भारत को वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। एमपीसी बैठक का नतीजा बिज़नेस स्टैंडर्ड के सर्वे के मुताबिक रहा। सर्वे 10 अर्थशास्त्रियों के बीच किया गया था।

इसमें सभी प्रतिभागियों ने कहा था कि मौद्रिक नीति समिति नीतिगत रीपो दर को 5.25 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकती है क्योंकि वह युद्ध के वृद्धि और मुद्रास्फीति पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन कर रही है। आरबीएल बैंक को छोड़कर सर्वेक्षण में शामिल सभी प्रतिभागियों का कहना था कि मौद्रिक नीति पर तटस्थ रुख में कोई बदलाव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि न्यूट्रल रुख केंद्रीय बैंक को जरूरत के हिसाब से किसी भी दिशा में कदम उठाने की सहूलियत देता है। रीपो रेट वह दर है, जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक बैंकों को कर्ज देता है। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। जब रेपो रेट बढ़ती है, तो बैंक भी लोन महंगे कर देते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ईएमआई बढ़ जाती है।

इसके उलट, जब रीपो रेट घटती है तो लोन सस्ते हो जाते हैं और ईएमआई का बोझ कम हो सकता है। हालांकि, इस स्थिति में सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष शेट्टी ने ली शि फेंग को हराया

निंगबो (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने चीन के निंगबो में खेले जा रहे बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में बुधवार को दूसरे राउंड में जगह बनाने के लिए ली शि फेंग को सीधे गेम में हराकर शानदार जीत हासिल की।

आयुष ने निंगबो ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर में 51 मिनट तक चले मैच में चीनी खिलाड़ी को 21-13, 21-16 से हराया। 2023 ऑल इंग्लैंड ओपन के विजेता के साथ आयुष का यह करियर का पहला मुकाबला था। अब वह क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के नंबर 20 ताइपे के ची यू जेन से खेलेंगे। यह पहली बार नहीं है कि आयुष ने अपने से बेहतर रैंक वाले खिलाड़ी को हराया हो। पिछले साल, उन्होंने यूएस ओपन के सेमी-फाइनल में चीनी ताइपे के दुनिया के नंबर 6 चाउ टिएन-चेन को हराया था और कनाडा के ब्रायन यांग को हराकर खिताब जीता था। इससे पहले, भारत की टॉप मिक्स्ड डबल्स जोड़ी, ध्रुव कपिला और तनीषा क्रैस्टो ने पहले दिन अपने कैंपेन की जीत से शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड के फुवानत होरबानलुएकिट और बेन्यापा एम्सार्ड को 21-14, 11-21, 21-15 से हराया।

दूसरे मिक्स्ड डबल्स नतीजों में, अशीथ सूर्या और अमृता प्रमुथेश मलेशिया के वोंग टिएन सी और लिम चियू सिएन से 21-16, 21-15 से हार गए, जबकि रोहन कपूर और गड्डे रुथविका शिवानी आठवीं सीड गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी से 21-13, 21-19 से हार गए। इस बीच, टॉप इंडियन सिंगल्स प्लेयर्स, पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन, दिन में बाद में एक्शन में होंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु अपने कैंपेन की शुरुआत मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ राउंड ऑफ 32 में करेंगी। तीन और इंडियन विमेंस एकल खिलाड़ी – उन्नति हुड्डा, मालविका बंसोड़, और तन्वी शर्मा भी मेन ड्रॉ में हैं और उनके बुधवार को अपने कैंपेन शुरू करने की उम्मीद है। पुरुषों के एकल में, थॉमस कप विनर एच.एस. प्रणय वियतनाम के गुयेन हाई डांग के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

केकेआर और सुपरजायंट के बीच आज होगा मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम गुरुवार को यहां के ईडन गार्डन में होने वाले आईपीएल मुकाबले में लखपऊ सुपरजायंट्स का सामना करेगी। केकेआर का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान का लाभ उठाकर सत्र में पहली जीत करना रहेगा। इस सत्र में अब तक हुए तीनो ही मैचों में केकेआर हारी है। इससे वह काफी दबाव में है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी अब तक असफल रही है। अभी तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच 6 मैच हुए हैं जिसमें से 2 केकेआर जबकि 4 सुपर जायंट्स ने जीते हैं। इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी मुकाबला पिछले आईपीएल सत्र में कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में ही खेला गया था जहां लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 238 रनों का स्कोर करके केकेआर पर 4 रनों से जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में भी सुपर जायंट्स का पलड़ा भारी नजर आता है। सुपर जायंट्स ने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। इसके अलावा कप्तान ऋषभ पंत के फार्म हासिल करने से भी टीम का होंसला बढ़ा हैं। वहीं केकेआर के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम के अन्य खिलाड़ियों से उन्हें सहयोग नहीं मिला है। इस मैच में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैदान पर टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना अधिक पसंद करती है। यहां टी20 में पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 163 रन रहा है। केकेआर की टीम से फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी, ब्लेसिंग मुज़ारबानी अहम खिलाड़ी होंगे जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मिचेल मार्श, एडेन मार्करम और मोहम्मद शमी पर सभी की नजरें रहेंगी।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, कैमरून ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनूकुल रॉय, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, ब्लेसिंग मुज़ारबानी, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- वरुण चक्रवर्ती।

लखनऊ सुपर जायंट्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), एडेन मार्कराम, मिचेल मार्श, आयुष बडोनी, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, आवेश खान, दिग्वेश राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी। इम्पैक्ट प्लेयर- मोहसिन खान/मणिमरण सिद्धार्थ।

आईपीएल2026 : ऑरेंज कैप और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ियों का कब्जा

गुवाहाटी । इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के खिलाड़ियों को कब्जा जमा लिया हैं। राजस्थान रॉयल्स (RR) सलामी के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 11-ओवर के मैच में मात्र 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन ठोक डाले। इस पारी के साथ टूर्नामेंट में तीन पारियों में उनके 170 रन हो गए हैं और अब उनके पास ऑरेंज कैप है। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ जायसवाल की विस्फोटक पारी ने उन्हें समीर रिजवी के रनों से दस रन आगे पहुंचा दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के इस बल्लेबाज ने दो मैच जिताने वाली पारियों के साथ सीजन की शानदार शुरुआत की है और वह 160 रन पर हैं। उन्होंने हालिया मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 90 रन बनाए थे। अब तक छह अन्य बल्लेबाज भी 100 रन के पार पहुंच चुके हैं, जिनमें हाइनरिक क्लासन (सनराइजर्स हैदराबाद), वैभव सूर्यवंशी (RR) और रोहित शर्मा (MI) शामिल हैं। वहीं पर्पल कैप की बात की जाए त्र्क्रका ही एक खिलाड़ी रवि बिश्नोई आगे है। एमआई के खिलाफ दो ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लेने के बाद उनके कुल विकेट सात हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 41 रन देकर 4 विकेट लिए थे। अब चार अन्य गेंदबाज दूसरे स्थान पर बराबरी पर हैं, जिनके पांच-पांच विकेट हैं- विजयकुमार वैशाक (पंजाब किंग्स), अंशुल कंबोज (चेन्नई सुपर किंग्स), नांद्रे बर्गर (आरआर) और जैकब डफी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु)।

वैभव के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के अगले सत्र में मुम्बई इंडियंस में जाने की अटकलें लगायी जा रही हैं। वैभव को पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स ने शामिल किया था और से ही उन्होंने आक्रामक शतक लगाकर अपनी अलग पहचान बनायी थी। इससे पहले रॉयल्स के ही संजू सैमसन भी इस सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स चले गये थे। वैभव ने आईपीए में गत दिवस 14 गेंदों पर ही 39 रन बनाकर एक बार फिर अपने को साबित किया था। इसके बाद से ही उनपर कई टीमों की नजरें लग गयी। जिस प्रकार उन्होंने जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में दो छक्के लगा दिये उससे उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। पूर्व चयनकर्ता परांजपे का कहना है कि वैभव जल्द ही मुंबई की ओर से खेल सकते हैं।

इससे साफ नजर आता है कि राजस्थान रॉयल्स अपने युवा उभरते सितारों को अपने साथ बरकरार नहीं रख पाती। जोस बटलर को रिलीज करने का उनका फैसला आज भी हैरान करता है। इसी प्रकार सैमसन को भी सीएसके ने लिया। ऐसे में अगर वैभव को भी मुंबई अपनी ओर खींच ले तो किसी को हैरान होने की जरुरत नहीं है। राजस्थान ने वैभव को 2025 के केवल सिर्फ 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये कीमत आज के वैभव को देखते हुए काफी कम है। वह आज अगर नीलामी में उतरते हैं तो उन्हें मोटी रकम मिल सकती है। ऐसे में अगले साल होने वाली नीलामी में मुंबई इंडियंस की नजरें उनपर रहेंगी। लंबे समय से ये माना जा रहा था कि यशस्वी मुंबई इंडियंस के निशाने पर रहेंगे। अब जब सूर्यवंशी 15 साल के हो गए हैं तो बीसीसीआई के नियमों के अनुसार वह सीनियर टीम के लिए खेलने के योग्य हैं। इससे भी उनकी मांग बढ़ जाएगी क्योंकि उन्होंने इंडिया ए और अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व किया है। वहीं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में जाकर शतक लगाये हें।

स्ट्राइक रेट को लेकर बहस में न पड़ें रहाणे: सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने आईपीएल में कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे का हौंसला बढ़ाते हुए कहा है कि वह स्ट्राइक रेट को लेकर जारी बहस में नहीं पड़ते हुए अपने प्रदर्शन पर ध्यान दें। आईपीएल में रहाणे अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। इसी को देखते हुए सहवाग ने उन्हें अहम सलाह दी है। सहवाग ने कहा कि रहाणे को प्रशंसा पर न ज्यादा खुश होने की जरुरत है और न ही आलोचना पर निराश होने की। सहवाब ने कहा, मुझे नहीं लगता कि खिलाड़ियों को इस तरह की बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये क्योंकि लोग आपकी तारीफ भी करेंगे और आलोचना भी पर आपको दोनो को ही समान रुप से लेना चाहिये। उन्होंने साथ ही कहा, अगर कोई स्ट्राइक रेट या बल्लेबाजी शैली पर सवाल उठाता है, तो उसमें परेशानी होने की जरुरत नहीं है।

आपको इसकी जगह पर अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए।सहवाग ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का जिक्र करते हुए कहा है कि उन्हें भी आलोचनाएं झेलनी पड़ी हैं पर उन्होंने कभी भी उनका जवाब नहीं दिया। सहवाग ने ये बात इसलिए कही क्योंकि हाल ही में रहाणे स्ट्राइक रेट को लेकर किये गये सवालों कपर भड़क गये थे। रहाणे ने कहा था कि उनक स्ट्राइक रेट अच्छा है और कुछ लोग जानबूझकर आलोचना में लगे हैं। सहवाग ने रहाणे के स्ट्राइक रेट का बचाव भी किया। उन्होंने कहा कि एक मैच में कुछ ज्यादा गेंद खेलने से स्ट्राइक रेट कम या ज्यादा हो सकता है पर ये खेल का हिस्सा है। विराट कोहली जैसे शीर्ष बल्लेबाज भी एक जैसा स्ट्राइक रेट नहीं रख पाते हैं। रहाणे ने इस सत्र में अबतक 150 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। पिछले सत्र में उन्होंने 12 पारियों में 172.48 390 रन बनाए थे।

हरभजन सिंह ने खाटू श्याम मंदिर में दर्शन किये

सीकर। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अपने परिवार के साथ खाटूश्यामजी मंदिर में दर्शन किये। हरभजन ने अपनी पत्नी गीता बसरा के साथ मंदिर में मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया। हरभजन सुबह ही मंदिर पहुंच गये थे। इस दौरान श्री श्याम मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत सत्कार किया। मंदिर परिसर में प्रवेश करने के बाद उन्होंने विशेष पूजा अर्चना की और स्वास्तिक बनाकर बाबा श्याम से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर में भारी तादाद में श्रद्धालु एकत्र रहे। हरभजन पिछले एक महीने में दूसरी बार खाटूश्यामजी पहुंचे हैं। इससे अंदाजा होता है कि यहां उनकी कितनी आस्था है। इससे पहले वह 9 मार्च को भारतीय टीम की टी-20 विश्व कप जीत के बाद भी भगवान के दर्शन कर धन्यवाद देने पहुंचे थे। उस समय उन्होंने जीत का श्रेय भगवान को देते हुए आभार जताया था। मंदिर कमेटी की ओर से हरभजन सिंह का विशेष सम्मान किया गया। कमेटी के मंत्री मानवेंद्र सिंह चौहान ने उन्हें बाबा श्याम का पवित्र मोरपंख, प्रसाद, दुपट्टा, निशान और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान हरभजन सिंह ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां श्रद्धालुओं के लिए किए गए इंतजाम काफी बेहतर। उन्होंने कमेटी के प्रयासों की भी प्रशंसा की। हरभजन करीब एक घंटे तक मंदिर में रुके और इस दौरान उन्होंने मंदिर कमेटी के कार्यालय में भी कुछ समय बिताया। उनके यहां देखकर श्रद्धालुओं में उत्साह छा गया। लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने के लिए उत्सुक नजर आए। सुरक्षा व्यवस्था के बीच उन्हें सुचारू रूप से दर्शन करवाए गए।

सिनर और अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत के साथ की

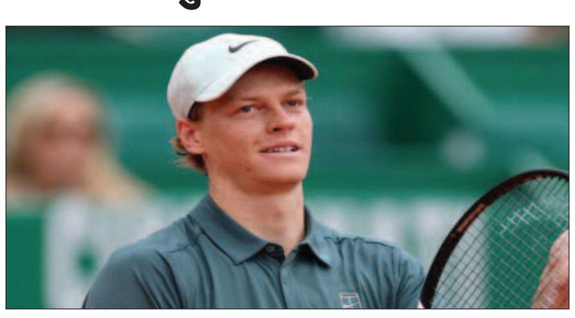

मोनाको। जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए 'सनशाइन डबल' पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बर्ट को 6-3, 6-0 से हराने में सिर्फ़ 64 मिनट लगे – उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, 'मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।' जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोर्ट स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे। अगर उन्हें सात बार के मेजर विजेता के साथ रैंकिंग में अपनी जगह बदलनी है, तो उन्हें कम से कम सेमीफ़ाइनल तक पहुंचना होगा और फिर मोंटे कार्लो में अल्काराज के प्रदर्शन से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अगले राउंड में सिनर का मुकाबला अर्जेंटीना के फ़्रांसिस्को सेरुंडोलो से होगा, जबकि अल्काराज़ या तो अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या फ़्रांस के टेरेंस एटमैन के साथ खेलेंगे।

रिंकू को ऊपरी क्रम पर भेजे केकेआर : गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने आईपीएल सत्र में लगातार हार से परेशान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने को कहा है। गांगुली के अनुसार टीम को बल्लेबाजी में आ रही परेशानियों को कम करने के लिए उप-कप्तान रिंकू सिंह को ऊपरी क्रम पर भेजना चाहिए। केकेआर अब तक इस सत्र में अपने सभी तीनों ही मैच हारी है। इससे उनका केवल एक अंक ही है। वह भी उसे पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश की वजह मैच नहीं होने से मिला है। केकेआर को अब गुरुवार को सुपर जायंट्स से खेलना है। इसी को देखते हुए गांगुली ने कहा, रिंकू को बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे भेजा जा रहा है जबकि वह काफी अच्छे बल्लेबाज हैं। मेरा मानना है कि कप्तान आजिंक्य रहाणे कुछ बदलाव करते हुए रिंकू को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजें। रिंकू ने आईपीएल के 2023 सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी। तब वह पांच छक्के लगातकर रातो-रात स्टार बन गये थे। रिंकू ने आईपीएल के 2024 में भी केकेआर की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं इस बाहर केकेआर की पारी रहाणे और फिन एलन कर रहे हैं। वहीं कैमरन ग्रीन को तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है पर वह असफल रहे हैं। । अंगकृष रघुवंशी का नंबर उनके बाद आत है। वहीं रिंकू को नंबर 5 पर उतारा जा रहा है। रिंकू ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 21 गेंदों पर नाबाद 33 रन बनाए और उसके बाद ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 25 गेंदों पर 35 रन बनाए थे।

अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम

-13 से 17 अप्रैल के बीच चार मैच खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम चार मैचों की सीरीज खेलने के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम इस दौरे में मेजबान टीम के खिलाफ 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स में मैच खेलेगी। ये सभी मुकाबले नेशनल सेंटर ऑफ हाई परफॉर्मेंस एथलेटिक्स सेंटर (सीएएनएआरडी) में खेले जाएंगे। भारतीय टीम को इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। भारतीय महिला टीम अर्जेंटीना के खिलाफ 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को मैच खेलेगी। इस दौरे में टीम को अर्जेंटीना जैसी मजूबत टीम से खेलने और अपनी कमजोरियों को दूर करने का अवसर मिलेगा। दोनो ही टीमों के बची हाल में रोमांचक मुकाबले हुए हैं।

पिछले साल एफआईएच प्रो लीग में दोनों टीमों के बीच मैच 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इस दौरे से आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी का अवसर मिलेगा। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होगा। वहीं एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में जापान के आइची-नागोया में खेले जाएंगे। इस दौरे से टीम को सही संयोजन का पता लगाने का भी अवसर मिलेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच ने कहा, हम 24 खिलाड़ियों के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं। यह फैसला सोच-समझकर लिया गया है जिससे ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को आजमाने का अवसर मिल सके। कोच ने टीम चयन को लेकर स्पष्ट किया, इस टीम में जगह बनाने के लिए आपको पहले यह साबित करना होगा कि आप एक 'टीम प्लेयर' हैं। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन जरूरी है, लेकिन टीम के साथ तालमेल और सहयोग के बिना जगह बनाना मुश्किल है।

आरसीबी में आने से मेरे प्रदर्शन में आया बदलाव : पड़िकल

बेंगलुरु (एजेंसी)। बल्लेबाज देवदत्त पड़िकल ने आईपीएल के इस सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। पड़िकल ने अपनी बल्लेबाजी में आये इस बदलाव का श्रेय टीम को दिया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि आरसीबी में वापसी उनके लिए निर्णायक रही है। इससे उनकी बल्लेबाजी और मानसिकता दोनो ही बदली है। इसी कारण उनका प्रदर्शन भी सुधरा है जिसे आंकड़ों में भी देखा जा सकता है। 2025 सीजन में इस बल्लेबाज ने आरसीबी के लिए 10 मैचों में 150.61 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। वहीं 2026 में उन्होंने केवल दो मैचों में 111 रन बनाये। इससे उनका स्ट्राइक रेट 201.82 का रहा। पडिक्कल ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी के लिए हुई नीलामी ने अंतिर पैदा किया। तब मुझे ये फैसला करना पड़ा कि मैं किस तरह का क्रिकेटर बनना चाहता हूं। उन्होंने साथ ही कहा, इस टीम में वापसी ने मुझे अपने तरह से क्रिकेट खेलने का अवसर मिला। इसके बाद से ही मैंने ये सोच लिया कि मुझे अपनी कमजोरियों को दूर करना है फिर चाहे परिणाम कुछ भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने अपने खेल को सुधारने के लिए लगातार मेहनत की और उसी का परिणाम है कि अब वह अच्छी बल्लेबाजी कर पा रहे है।वहीं इस बल्लेबाज ने कहा कि लखनऊ सुपरजायंट्स से खेलने के दौरान वह परेशानी में थे। उन्होंने कहा, वह समय मेरे लिए काफी मुश्किल था और मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या गलत हो रहा है। उन्होंने कहा, जब फ्रेंचाइजी आप पर पैसा खर्च करती है और आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते, तो लगता है कि आप उन्हें निराश कर रहे हैं। स क्रिकेटर ने कहा, उस खराब सत्र ने मुझे और बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही कहा कि विफल होने से ही उन्हें कड़ी मेहनत की प्रेरणा मिली। इससे उनका मनोबल भी बढ़ा है।

कोच पामेला ने घोषित की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम, रुस के खिलाफ खेलेगी तीन दोस्ताना मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कोच पामेला कोनटी ने कहा है कि रुस के खिलाफ सोची में होने वाले अंडर-17 फुटबॉल मुकाबलों के लिए उभरते हुए खिलाड़ियों को अवसर दिया गया है। भारतीय टीम 11 से 17 अप्रैल के बीच होने वाले इस दौर में रूस के खिलाफ तीन दोस्ताना मैच खेलेगी। इस दौरो के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की गयी है। इस दौरे से भारतीय टीम को एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे से खिलाड़ियों को अपनी रणनीति और तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा। रूस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से टीम अपने कमजोरियों को दूर कर सकेगी। भारत और रूस के बीच ये तीनों मैच 11, 14 और 17 अप्रैल को सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में होंगे। भारतीय टीम ने इन मुकाबलों के लिए सोची में अभ्यास भी शुरु कर दिया है। इस सीरीज से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय अनुभव हासिल होगा। इस टूर्नामेंट से भारतीय टीम को इस साल चीन में होने वाले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप की तैयारी को अवसर मिलेगा। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से 2 मई, जापान से 5 मई और लेबनान से 8 मई को होगा। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2-30 बजे खेले जाएंगे।

सूर्यवंशी ने बुमराह को भी सोचने पर मजबूर कर दिया :डेल स्टेन

गुवाहाटी (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (RR) के सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ सही गेंदबाजी योजना बनाना बेहद ही मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए भी यह एक टेढ़ी खीर है। IPL 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच गंवाने के बाद मुंबई इंडियंस (MI) के कोच माहेला जयवर्धने ने त्र्क्र से मैच हारने के बाद कहा, 'हां, मुझे लगता है हमारे पास कुछ योजनाएं थी, लेकिन सच कहूं तो हम उन्हें उस तरीके से लागू नहीं कर पाए जैसा हम चाहते थे।'

मैच के बाद प्रेस कॉफ्रेंस में जयवर्धने ने कहा, 'हमें इस खतरे का अंदाजा था, खासकर जब बारिश के कारण मैच 11-11 ओवर का हो गया और शुरुआत में हमें खुलकर खेलने की छूट मिली। हमें सुनिश्चित करना था कि पहले चार-पांच ओवर हमारे लिए अहम हों। मुझे लगा कि हमने उनकी शुरुआत के बाद अच्छी वापसी की। लेकिन हां, हमने अपनी लाइन-लेंथ मिस की और उन्होंने बहुत अच्छा खेला।'

पहले बल्लेबाजी करने उतरी RR ने दीपक चाहर के पहले ओवर से 22 रन बनाए और पांच ओवर में उनकी टीम 80/1 तक पहुंच गई। जयवर्धने ने यह सही कहा कि MI ने वापसी की। छठे से दसवें ओवर के बीच सिर्फ 52 रन बने और आखिरी ओवर में 18 रन। लेकिन शुरुआत में हुआ नुकसान MI के लिए भारी साबित हुआ। हालांकि RR की बल्लेबाजी में जायसवाल स्टार रहे, जिन्होंने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन बनाए। लेकिन उतना ही असर सूर्यवंशी की पारी का भी रहा। उन्होंने 14 गेंदों पर 39 रन बनाए।

डेल स्टेन ने कहा कि गेंदबाज, यहां तक कि बुमराह जैसे बेहतरीन खिलाड़ी भी, सूर्यवंशी के खिलाफ थोड़ा मानसिक दबाव में आ सकते हैं। स्टेन ने ईएसपीएन क्रिकइंफो के टाइम आउट शो में कहा, 'सच कहूं तो उन्होंने गेंदबाजों में थोड़ा डर पैदा कर दिया है कि वह आपके पीछे बाउंड्री के लिए ही जाएगा। खासकर बुमराह की सूर्यवंशी को डाली गई पहली गेंद, जो मिड-ऑन के ऊपर गई। बुमराह की वह गेंद स्लॉट में थी। बुमराह के खिलाफ ऐसा करना बहुत दुर्लभ है। महान बुमराह भी मन में सोच रहे होंगे कि 'गलती मत करना; क्योंकि अगर गलती हुई, तो यह खिलाड़ी मुझे छक्का मारेगा।' सूर्यवंशी फिलहाल वही कर रहे हैं। दरअसल आपको बहुत बड़ी गलती करने की भी जरूरत नहीं है। वह आपको छोटी गलतियों पर भी सजा दे सकते हैं। स्टेन ने गेंदबाजों की मानसिकता पर कहा, 'आप देख सकते हैं, जब वैभव ने छक्का मारा, तो वह (बुमराह) थोड़ा हंसे और जैसे कहा, 'मुझे पता था अगर मैं गलती करूंगा तो ऐसा ही होगा। और वही हुआ। यह लड़का डरता नहीं है। अगर आप हाफ-वॉली डालते हैं, तो वह आपको मैदान के बाहर मार देगा। इसलिए अपनी लेंथ पीछे खींचो और अच्छी लेंथ डालो, तब शायद आप उस पर नियंत्रण पा सकते हैं। लेकिन अगर आप चूक गए, तो गेंद दूर जाएगी। फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, बुमराह या कोई आम गेंदबाज। यह बेहतरीन बल्लेबाजी है।'

पर्यटन

केरल राज्य कई नदियों और पर्वत-पहाड़ियों से घिरा हुआ एक अनोखा पर्यटक स्थल है। जहां प्रतिवर्ष लाखों देशी-विदेशी पर्यटक यहां का सौंदर्य निहारने के लिए आते है। खास तौर पर यहां का विशिष्ट वन्य जीवन और जल प्रपात मन को मंत्रमुग्ध कर देते है।

एक अनोखा पर्यटक स्थल

केरल नेशनल पार्क

आइए जानते है केरल के महत्वपूर्ण नेशनल पार्क। जिनमें प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मुख्य तौर इर्रावीकुलम नेशनल पार्क, पेरियार नेशनल पार्क, साइलेंट वैली नेशनल पार्क, वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क, इडुकी नेशनल पार्क आदि कई छोटे-बड़े नेशनल पार्क आते हैं। गौरतलब है कि विश्व भर में केरल वन्यजीवों की आरामगाह के रूप में भी प्रसिद्ध है।

इर्रावीकुलम

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर स्थित इर्रावीकुलम नेशनल पार्क मुख्य रूप से नीलगाय तराह (हेमीट्रेगस हाइलो क्रिकस) के संरक्षण के लिए स्थापित किया गया पार्क है। ज्ञात हो कि नीलगाय तराह एक दुर्लभ पशु है, जो सिर्फ हिमालय के ठंडे इलाकों में पाया जाता है।

वर्ष 1978 में इस वन्यजीव पार्क को नेशनल पार्क का दर्जा प्राप्त हुआ। 97 वर्ग किलोमीटर में फैला पेड़-पौधों से भरपूर, घास के बड़े मैदान से युक्त इर्रावीकुलम पार्क के उत्तरी सिरे को, जो तमिलनाडु राज्य को छूता है, उसे अन्नामलाई के नाम से विश्व में पहचाना जाता है। यहां से अनामुड्डी हिमालय की 2695 मीटर की सबसे ऊंची दक्षिणी चोटी पूरी भव्यता के साथ इस अभयारण्य में दिखाई देती है। यहां नील गिरी लंगूर, लायन टेल्ड मेकाक, चीते, बाघ आदि कई दुर्लभ प्रकार के जीव-जंतु और वनस्पतियां भी पाई जाती है।

साइलेंट वैली

केरल के पश्चिमी छोर पर कुंडलई हिल्स पर साइलेंट वैली नेशनल पार्क स्थित है। मुख्य रूप से हाथी, बाघ और शेर, पूंछ वानर जैसे जीवों के साथ-साथ कई दुर्लभ किस्मों की औषधि और पेड़-पौधों के कारण यह पार्क प्रसिद्ध है। यहां का अनुकूल वातावरण और छोटी-बड़ी नदियां एवं पहाड़ इसे वन्यजीवों के लिए आरामगाह बनाते हैं।

पेरियार ़ केरल के पश्चिमी छोर पर पेरियार नेशनल पार्क स्थित है। यह मुख्य तौर पर बाघों के संरक्षण के लिए बनाया गया एक नेशनल पार्क है, जो दुनिया भर के नेशनल पार्क में अपना प्रमुख स्थान रखता है। इसे अंग्रेजों द्वारा सन् 1895 में अधिगृहीत किया गया था तथा अंग्रेजों ने उस वक्त यहां एक कृत्रिम झील और बांध का निर्माण भी किया था। पेरियार नेशनल पार्क 777 वर्ग किलोमीटर में फैला एक आरक्षित वन है। इसे प्रसिद्ध प्रोजेक्ट टाइगर के तहत वर्ष 1978 में प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व घोषित किया गया था। पेरियार नदी के नाम पर ही इसे पेरियार टाइगर रिजर्व भी कहा जाता है, जो पश्चिमी घाट की ऊंची श्रृंखला पर बसा सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत का यह एकमात्र ऐसा अभयारण्य है, जहां हाथियों को केवल एक नाव की दूरी से देखा जा सकता है और उनकी तस्वीरें भी ली जा सकती हैं। यहां के वन्य जीवन और सुंदरता के कारण यह विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है।

वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

बाघ और तेंदुए के लिए वयनाड वाइल्ड लाइफ सेंचुरी पार्क दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह बांदीपुर नेशनल पार्क का ही हिस्सा है। इस अभयारण्य में हिरण, भालू, हाथी, बाघ-चीते, जंगली-सीएट बिल्ली, बंदर, जंगली कुत्ते, भैंसे ऐसे कई प्रकार के वन्य जीव-जंतु पाए जाते हैं। यहां पर अपार जैव विविधता है। यह अभयारण्य नील गिरी बायोस्फीयर रिजर्व का अविभाज्य भाग है, जिसे इस क्षेत्र की जैविक विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था।

यहां पर विशेष पाए जाने वाले सरीसृप हैं मॉनिटर छिपकली। साथ ही अनेक प्रकार के सांप यहां देखे जा सकते हैं। यहां पक्षियों में खास तौर पर मोर, उल्लू, कठफोड़वा, जंगली फाउल, बैबलर, कुक्कु आदि मुख्य हैं।

इडुकी

केरल के दक्षिण भारतीय राज्य में बसा यहां के सर्वोत्तम स्थानों में से एक है इडुकी नेशनल पार्क। जो वन्य जीवों के लिए मुख्य तौर पर माना जाता है। यहां बाघ, हाथी, भैंस, भालू, जंगली सुअर, सांभर तथा जंगली कुत्ते-बिल्लियां आदि बड़े-बड़े झुंडों में घूमते नजर आते हैं। इस पार्क में जंगली फाउल, काली बुलबुल, लाफिंग थ्रश, कठफोड़वा, मैना आदि कुछ महत?वपूर्ण पक्षी भी दिखाई पड़ते हैं। यहां पर सांपों की अनेक प्रजातियों में विशेष कोबरा, वाइपर, क्रेट और कई विषरहित साप भी यहां पाए जाते हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि अगर आपने अभी तक केरल के नेशनल पार्क नहीं देखे हैं, तो एक बार जरूर जाइए। यहां के कई प्रजाति के वन्य जीवों को देखकर आप मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह पाएंगे।

जानिए प्राचीन शहर यरूशलम को

भूमध्य सागर और मृत सागर के बीच इसराइल की सीमा पर बसा यरूशलम एक शानदार शहर है। शहर की सीमा के पास दुनिया का सबसे ज्यादा नमक वाला डेड-सी यानी मृत सागर है। कहते हैं यहां के पानी में इतना नमक है कि इसमें किसी भी प्रकार का जीवन नहीं पनप सकता और इसके पानी में मौजूद नमक के कारण इसमें कोई डूबता भी नहीं है।मध्यपूर्व का यह प्राचीन नगर यहूदी, ईसाई और मुसलमान का संगम स्थल है। उक्त तीनों धर्म के लोगों के लिए इसका महत्व है, इसीलिए यहां पर सभी अपना कब्जा बनाए रखना चाहते हैं। जेहाद और क्रूसेड के दौर में सलाउद्दीन और रिचर्ड ने इस शहर पर कब्जे के लिए बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी। ईसाई तीर्थयात्रियों की रक्षा के लिए इसी दौरान नाइट टेम्पलर्स का गठन भी किया गया था।इसराइल का एक हिस्सा है गाजा पट्टी और रामल्लाह। जहां फिलिस्तीनी मुस्लिम लोग रहते हैं और उन्होंने इसराइल से अलग होने के लिए विद्रोह छेड़ रखा है। यह लोग यरूशलम को इसराइल के कब्जे से मुक्त कराना चाहते हैं। अंततः इस शहर के बारे में जितना लिखा जाए कम है। काबा, काशी, मथुरा, अयोध्या, ग्रीस, बाली, श्रीनगर, जाफना, रोम, कंधहार आदि प्राचीन शहरों की तरह ही इस शहर का इतिहास भी बहुत महत्व रखता है।

प्राचीन और नया शहर

माउंट ऑफ ओलिब्स पर खड़े होकर आप सामने यरूशलम के प्राचीन शहर को देखते हैं, तो उसके मनोरम और भव्य दृश्य का नजारा देख आप मंत्रमुग्ध होकर सोचना बंद कर देते हैं। ओलिब्स पहाड़ी से सुंदर गुंबद और गुंबदों के पीछे दीवार नजर आती है। एक वर्ग किलोमीटर की पहाड़ी दीवारों से घिरा हजारों सालों का इतिहास लिए यह शहर दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी की आस्था का केंद्र हैं।

इतिहास और विवाद

हिब्रू में लिखी बाइबिल में इस शहर का नाम 700 बार आता है। यहूदी और ईसाई मानते हैं कि यही धरती का केंद्र है। राजा दाऊद और सुलेमान के बाद इस स्थान पर बेबीलोनियों तथा ईरानियों का कब्जा रहा फिर इस्लाम के उदय के बाद बहुत काल तक मुसलमानों ने यहां पर राज्य किया। इस दौरान यहूदियों को इस क्षेत्र से कई दफे खदेड़ दिया गया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इसराइल फिर से यहूदी राष्ट्र बन गया तो यरूशलम को उसकी राजधानी बनाया गया और दुनिया भर के यहूदियों को पुनः यहां बसाया गया। यहूदी दुनिया में कहीं भी हों, यरूशलम की तरफ मुंह करके ही उपासना करते हैं।

ऐतिहासिक म्यूजियम व स्मारक

धार्मिक स्थलों के अलावा यहां प्राचीन एवं धार्मिक ग्रंथों का द इसराइल म्यूजियम है। इसराइल का होलोकॉस्ट म्यूजियम जिसे याद वशेम कहा जता है जिसका खासा महत्व है। यहां पर यरूशलम के इतिहास से संबंधित दस्तावेज और शहीदों के स्मारक व स्मृति चिह्नों आदि के बारे में जानकारी है। दोनों ही म्यूजियम का इतिहास बहुत पुराना है।

यरूशलम के जंगल

मुस्लिम इलाके में स्थित 35 एकड़ क्षेत्रफल में फैले नोबेल अभयारण्य में ही अल अक्सा मस्जिद, डोम ऑफ द रॉक, फव्वारे, बगीचे, गुंबद और प्राचीन इमारतें बनी हुई हैं। इसके अलावा छोटे से गॉर्डन ऑफ गेथेमिन की खूबसूरती भी देखने लायक है। इसके अलावा याद वशेम का इलाका भी यरूशलम के जंगल के नाम से प्रसिद्ध है।

पवित्र परिसर

किलेनुमा चाहरदीवारी से घिरे पवित्र परिसर में यहूदी प्रार्थना के लिए इकट्ठे होते हैं। इस परिसर की दीवार बहुत ही प्राचीन और भव्य है। यह पवित्र परिसर ओल्ड सिटी का हिस्सा है। पहाड़ी पर से इस परिसर की भव्यता देखते ही बनती है। इस परिसर के ऊपरी हिस्से में तीनों धर्मों के पवित्र स्थल हैं। उक्त पवित्र स्थल के बीच भी एक परिसर है। यरूशलम में लगभग 1204 सिनेगॉग, 158 गिरजें, 73 मस्जिदें, बहुत-सी प्राचीन कब्रें, 2 म्यूजियम और एक अभयारण्य है। इसके अलावा भी पुराने और नए शहर में देखने के लिए बहुत से दर्शनीय स्थल हैं। यरूशलम में जो भी धार्मिक स्थल हैं, वे सभी एक बहुत बड़ी-सी चौकोर दीवार के आसपास और पहाड़ पर स्थित है। दीवार के पास तीनों ही धर्म के स्थल हैं। यहां एक प्राचीन पर्वत है जिसका नाम जैतून है। इस पर्वत से यरूशलम का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है। इस पर्वत की ढलानों पर बहुत-सी प्राचीन कब्रें हैं। यरूशलम चारों तरफ से पर्वतों और घाटियों वाला इलाका नजर आता है।

हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।' 'आर्मी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कसीनो में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आर्मी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टर्स ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पर्नेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्वेरा, थियो रॉसी, मैथियास श्वेघोफर, नोरा अर्नेजेडर, हिरोयुकी सनाडा, टिग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहंट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म्स' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-अलग शहरों में ले जाएगा।

फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनौत 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।

'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी

अनन्या पांडे फिल्मों के अलावा सीरीज का भी हिस्सा बन रही हैं। अपनी अपकमिंग एक सीरीज की शूटिंग एक्ट्रेस ने खत्म कर ली है। अनन्या पांडे ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर अपकमिंग सीरीज की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी। सीरीज की शूटिंग खत्म होने का जश्न भी मनाया है।

अनन्या पांडे जल्द ही सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इस सीरीज में वह एक स्टाइलिश लड़की के रोल में हैं, जिसकी लाइफ में कई दिक्कतें आती हैं लेकिन वह अपने ही अलग अंदाज में इनका हल तलाश लेती है। इस सीरीज में अनन्या पांडे के साथ इस बार श्रुति हासन भी नजर आएंगी। 'कॉल मी बे 2' को करण जौहर ने प्रोड्यूस किया है। इससे पहले भी अनन्या पांडे करण जौहर प्रोडक्शन के कई प्रोजेक्ट्स कर चुकी हैं। 'कॉल मी बे 2' के अलावा अनन्या पांडे एक फिल्म 'चांद मेरा दिल' भी कर रही हैं। यह फिल्म इसी साल रिलीज होगी।

पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरी की फिल्म 'पॉपकॉर्न मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म

एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा जल्द ही एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुद्रनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुरम मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि वह इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राइज ऑफ अशोका' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

'रणबाली'

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज'

'पुष्पा 3 : द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

AA22×A6

AA22×A6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीतांजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया : पुलिस-नागरिकों पर हमले, 26 मरे

अबूजा , एजेंसी। उत्तरी नाइजीरिया में तीन अलग-अलग हमलों में 26 की मौत हो गई। नाइजीरियाई सेना ने कहा, शनिवार को उत्तर-मध्य बेनू प्रांत के ग्वेर वेस्ट क्षेत्र में म्बालोम समुदाय 17 लोग मारे गए। उत्तर-पूर्व स्थित बोर्नो प्रांत में इसी दिन पुलिस और आईएस से जुड़े समूह में लंबी मुठभेड़ में 4 पुलिस अफसर मारे गए। रविवार को अरिको गांव में ईस्टर के मौके पर एक प्रार्थना सभा में पांच लोगों की हत्या कर दी गई।

पाकिस्तान : दियामेर बांध पर अशांति बढ़ी प्रदर्शनकारियों ने रोका काराकोरम मार्ग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में दियामेर बांध से प्रभावित समुदायों का विरोध प्रदर्शन और तेज हो गया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने दियामेर जिले में काराकोरम राजमार्ग (केकेएच) के कई हिस्सों को अवरुद्ध कर दिया और मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने बांध निर्माण स्थल की ओर मार्च किया। इस दौरान बांध प्रभावित समिति ने 'हुकूक दो, बांध बनाओ' जैसे नारे भी लगाए। दियामेर-भाशा बांध प्रभावित समिति चिलास और थोरे में लगातार पांच दिनों से धरना दे रही है। यह आंदोलन पिछले साल संघीय सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए समझौते के लागू न होने के विरोध में शुरू हुआ था। आयोजकों ने कहा-चिलास, गोनर फार्म, गोहरबाद और आसपास के इलाकों के निवासी धरने में शामिल होने थोरे घाटी पहुंचे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान से कहा टीटीपी को आतंकी गुट घोषित करें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान ने मांग की है कि अफगानिस्तान, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को औपचारिक रूप से आतंकवादी संगठन घोषित करे और दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने की शर्त के तौर पर उसके बुनियादी ढांचे को खत्म करे। ये बातचीत चीन में हुई थी।

चीन में नया ट्रेंड, प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं लोग

बीजिंग, एजेंसी। चीन में बदलते हालात के बीच एक चौंकाने वाला नया ट्रेंड सामने आया है। अंतिम संस्कार की बढ़ती लागत और कब्रिस्तान में जगह की कमी के चलते कई परिवार अपने प्रियजनों की अस्थियों को खाली फ्लैट में रखने लगे हैं। अब सरकार ने इस पर नया कानून बनाकर प्रथा पर लगाम कसने की तैयारी की है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बोन एश अपार्टमेंट्स के नाम से पहचाने जाने वाले इन फ्लैट्स में रिश्तेदारों की अस्थियों के कलश रखकर धार्मिक रस्मे निभाई जाने लगी हैं। इस ट्रेंड का कारण आर्थिक दबाव है क्योंकि संपत्ति के दाम 40 फीसदी तक गिरे हैं। सरकार यहां भी धार्मिक गतिविधियों को अंजाम देने से रोकने जा रही है।

पाकिस्तान में ऊर्जा बचाने के लिए मार्केट और मॉल जल्दी बंद होंगे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने ईंधन संकट के चलते बाजार और शॉपिंग मॉल जल्दी बंद करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री शेहबाज शरीफ की अध्यक्षता में इस पर बैठक हुई। पंजाब, बलूचिस्तान, इस्लामाबाद और पाकिस्तान-नियंत्रित कश्मीर में मार्केट और मॉल मंगलवार से रात 8 बजे बंद होंगे। खैबर-पख्तूनख्वा में मुख्य शहरों में 9 बजे तक खुलने की छूट रहेगी। सिंध में समय तय करने के लिए मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने व्यवसाय प्रतिनिधियों से परामर्श लेने की बात कही।बेकरी, रेस्टोरेंट और खाने-पीने की दुकानों को रात 10 बजे बंद करने का निर्णय लिया गया। शादी हॉल भी रात 10 बजे बंद होंगे। मेडिकल स्टोर और फार्मेसियों पर समय का प्रतिबंध नहीं होगा। सरकार का उद्देश्य ईंधन की खपत कम करना और विदेशी मुद्रा बचाना है।

वेनेजुएला की डेल्सी रोड्रिग्ज अभी भी कार्यवाहक राष्ट्रपति

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला में डेल्सी रोड्रिग्ज 90 दिनों की अंतरिम अवधि पूरी होने के बाद भी कार्यवाहक राष्ट्रपति बनी हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निकोलस मादुरो अभी भी राष्ट्रपति हैं, लेकिन उनकी जबरन अनुपस्थिति के कारण उप-राष्ट्रपति की भूमिका रोड्रिग्ज ने संभाली। अंतरिम नियुक्ति 90 दिनों तक होती है, और राष्ट्रीय सभा इसे 90 दिन और बढ़ा सकती है। राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को जनवरी में न्यूयॉर्क में ड्रग से जुड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए ले जाया गया। दोनों निर्दोष होने का दावा कर चुके हैं।

ट्रम्प के हमलों से निपटने के लिए ईरान में बनेगी मानव शृंखला, ढाल का करेंगे काम

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल के हमले तीव्र हो गए हैं, मिसाइलें आसमान में झूल रही हैं और धमाके शहरों में भय और तबाही फैला रहे हैं। तेल और गैस की आपूर्ति खतरे में है, वैश्विक बाजार अस्थिर हैं। होर्मुज जलसंधि की ब्लॉकिंग से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बढ़ रहा है। हर पल संघर्ष और विकराल होता जा रहा है और शांति के संकेत कहीं नजर नहीं आते। ट्रंप की डेडलाइन से पहले ईरान ने अपनाई मानव श्रृंखला बनाने की योजना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा नजदीक आने से पहले ईरान ने बड़ी योजना बनाई है। तेहरान ने कथित तौर पर युवा ईरानियों से ईरान के प्रमुख बिजली संयंत्रों के चारों ओर प्रतीकात्मक मानव श्रृंखला बनाने का आह्वान किया है। ईरान के खेल और युवा मंत्रालय ने एथलीटों, कलाकारों और छात्रों सहित देश के युवाओं से मंगलवार को दोपहर दो बजे (स्थानीय समय) से इन स्थलों के आसपास इकट्ठा होने का आह्वान किया है। ईरान के युवा मामलों के उप मंत्री अलीरेजा रहीमी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'कई विश्वविद्यालय के युवाओं, युवा कलाकारों और युवा संगठनों ने प्रस्ताव दिया कि हम देश के बिजली संयंत्रों के चारों ओर एक मानव घेरा या मानव शृंखला बनाएं। न्यूजीलैंड बोला- ईरानी बुनियादी ढांचे के खिलाफ अमेरिकी

धमकियां 'निरर्थक' न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने ईरानी नागरिक अवसंरचना के खिलाफ ट्रंप की हालिया धमकियों को निरर्थक बताया है। उन्होंने कहा कि यह मददगार नहीं है, क्योंकि और अधिक सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मूल बात यह है कि इस संघर्ष को और अधिक फैलने से रोकने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि इस सप्ताह वॉशिंगटन में होने वाली बैठक में न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स का अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संदेश होगा कि संघर्ष को कम किया जाए। ईरान ने जनवरी से हिरासत में लिए गए जापानी नागरिक को किया रिहा जापान ने मंगलवार को कहा कि जनवरी से ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने पत्रकारों को बताया कि उनकी रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई थी। जिस व्यक्ति को रिहा किया गया है, वह जापान के एनएचके सार्वजनिक टेलीविजन में पत्रकार बताया जा रहा है। किहारा ने कहा कि व्यक्ति स्वस्थ है, लेकिन उन्होंने आगे कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक ठिकानों पर किया हमला अमेरिकी सेना ने ईरान युद्ध में अब तक 13,000 से अधिक लक्ष्यों पर हमले किए हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य अभियानों के लिए जिम्मेदार और ईरान पर हमलों का नेतृत्व कर रही अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि उसकी सेनाओं ने 13,000 से अधिक ईरानी ठिकानों पर हमला किया है। सेंट्रल कमांड ने यह भी कहा कि 155 से अधिक ईरानी जहाजों को नुकसान पहुंचाया गया है या नष्ट कर दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी परमाणु-संचालित विमानवाहक पोत और पनडुब्बियां ऑपरेशन एपिक फ्यूरी में भाग ले रही हैं। इसके साथ ही एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट से लेकर बी-52 बमवर्षक विमानों तक का एक बेड़ा भी इसमें शामिल है। इराक में ड्रोन हमले में पति-पत्नी की मौत, ईरान पर आरोप इराक के उत्तरी हिस्से में एक बड़ा हमला सामने आया है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, एरबिल प्रांत में ईरान की ओर से आए ड्रोन हमले में दो नागरिकों की मौत हो गई। बताया गया कि यह हमला देर रात हुआ, जब एक विस्फोटक से भरा ड्रोन एरबिल के दराशाकरान इलाके के जरका ज़ोय गांव में एक घर पर गिरा। इस हमले में एक शादीशुदा जोड़े की जान चली गई। एरबिल के गवर्नर ओमिद खोशनॉव ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और युद्ध अपराध बताया है। स्थानीय सुरक्षा एजेंसियां इस हमले की जांच कर रही हैं और मामले को गंभीर मान रही हैं।

ईरान में जंग के बीच नया तनाव: चीन ने 40 दिन के लिए ताइवान का हवाई क्षेत्र बंद किया

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी। दुनिया जहां पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर ध्यान लगाए हैं वहीं चीन इस फिराक में है कि वह अपने एक चीन एजेंडे को कैसे अमल में लाए। इसके लिए उसने ताइवान द्वीप के पास 40 दिनों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने का कदम उठाया है।

बता दें, ताइवान को चीन अपना ही क्षेत्र मानता है और इस जलक्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान तथा जंगी विमानवाहक पोत भेजता रहा है। उसने छह मई तक यह बड़ा हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रविवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए अपने क्षेत्र को 40 दिनों के लिए बंद करने का नोटिस जारी किया है। यह हवाई क्षेत्र दक्षिण कोरिया के पास पीत सागर से जापान के पास पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। चीन का यह कदम ये ऐसे वक्त हो रहा है जबकि अमेरिका इन दिनों ईरान में उलझा हुआ है और इस क्षेत्र से सैन्य साजो सामान भी पश्चिम एशिया ले जाया गया है। पहले ऐसे हवाई क्षेत्र की बंदी सैन्य अभ्यासों के लिए महज कुछ दिनों की ही होती थी। इतने लंबे हवाई क्षेत्र की बंदी के फैसले के पीछे की वजह चीनी विदेश मंत्रालय ने किसी को नहीं बताई है। आशंका है कि चीन मौजूदा हालात में ताइवान पर आक्रामक हो सकता है और इसीलिए ऐसी साजिशें कर रहा है।

ताइवान के पास 3 चीनी जहाज और 6 पोतों की मौजूदगी दिखी ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार सुबह अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास तीन चीनी सैन्य विमानों, छह नौसैनिक जहाजों और दो सरकारी जहाजों की मौजूदगी का पता लगाया। तीनों विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और पूर्वी भाग के रक्षा सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। सशस्त्र बलों ने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की। इससे पहले रविवार को, ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने छह चीनी सैन्य जहाजों और एक सरकारी जहाज की मौजूदगी का पता लगाया था। गोपनीय अभियान की बढ़ी संभावना चीन आरक्षित क्षेत्र ताइवान के मुख्य द्वीप से बड़े क्षेत्र में है। इसमें शंघाई के उत्तर व दक्षिण स्थित अपतटीय हवाई क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, यह क्षेत्र दक्षिण कोरिया की ओर पीत सागर से लेकर दक्षिण में जापान की ओर पूर्वी चीन सागर तक फैला हुआ है। क्षेत्र में इतनी लंबी बंदी से शक है कि वह गुप्त मुहिम चलाने की योजना बना रहा है।

ईरानी बुनियादी ढांचों पर हमले की अमेरिकी धमकी से संयुक्त राष्ट्र चिंतित, प्रवक्ता ने जताई आपत्ति

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिका के उस बयान पर चिंता जताई है, जिसमें ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले की धमकी दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह की भाषा को लेकर संगठन चिंतित है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के मुख्य प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, 'सोशल मीडिया पर किए गए उस पोस्ट में अमेरिका द्वारा बिजली संयंत्रों, पुलों और अन्य ढांचों पर हमले की बात कही गई थी, जिसे लेकर हम चिंतित हैं, खासकर अगर ईरान किसी समझौते के लिए तैयार नहीं होता।' उन्होंने कहा कि महासचिव पहले भी साफ कर चुके हैं कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन जरूरी है और सभी पक्षों को संघर्ष के दौरान अपने दायित्वों का सम्मान करना चाहिए। प्रवक्ता के मुताबिक, गुटेरेस ने दोहराया कि आम लोगों से जुड़ी सुविधाओं, जैसे बिजली और ऊर्जा से जुड़े ढांचे, पर हमला नहीं किया जाना चाहिए, भले ही कुछ मामलों में उन्हें सैन्य लक्ष्य माना जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अब समय आ गया है कि सभी पक्ष इस संघर्ष को खत्म करें, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण समाधान ही सबसे सही रास्ता है। जब यह पूछा गया कि क्या ऐसे हमले युद्ध अपराध माने जाएंगे, तो दुजारिक ने कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होंगे। यह तय करना कि यह अपराध है या नहीं, अदालत का काम है। उन्होंने साफ कहा, 'किसी भी नागरिक ढांचे पर हमला करना अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने तेहरान स्थित शरिफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पर अमेरिका और इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। इस हमले में यूनिवर्सिटी के सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र की इमारत और पास में स्थित गैस स्टेशन को भारी नुकसान पहुंचा। ईरान की सेना ने रविवार को बताया कि उसने दक्षिणी इज़रायल में स्थित पेट्रोकेमिकल उद्योगों और पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, उसने कुवैत स्थित एक सैन्य अड्डे पर मौजूद अमेरिकी उपकरणों के गोदामों, उपग्रह संचार इकाइयों और वहां तैनात अमेरिकी सैनिकों पर भी हमला किया है।

सिर पर बंदूक रखकर बातचीत नहीं: सेतारेह सादेकी

ट्रंप की धमकियों पर फिर भड़का ईरान, तेहरान की महिला प्रोफेसर का कड़ा जवाब

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी चेतावनियों पर ईरान से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। तेहरान विश्वविद्यालय की महिला सहायक प्रोफेसर सेतारेह सादेकी ने साफ कहा कि हमारे सिर पर बंदूक रखकर बातचीत की बात करना ईरान के लिए कभी स्वीकार्य नहीं होगा।

दरअसल, ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि यदि मंगलवार रात तक कोई समझौता नहीं हुआ तो ईरान के बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। उन्होंने यहां तक कहा कि एक रात में ईरान को खत्म कर सकते हैं।

धमकियों के बीच बातचीत नहीं : सादेकी ने कहा कि अमेरिका की ये धमकियां कोई नई बात नहीं हैं, बल्कि पहले दिए गए डेडलाइन का विस्तार हैं। उनके मुताबिक ईरान इसे ऐसे देखता है जैसे हमारे सिर पर

बंदूक तानकर बातचीत करने को कहा जा रहा हो, जो कभी काम नहीं करेगा। उन्होंने दोहराया कि जब तक ईरान के शहरों पर हमले और बमबारी जारी रहेगी, तब तक अमेरिका के साथ न तो बातचीत होगी और न ही किसी युद्धविराम पर सहमति बनेगी।

अमेरिका पर नागरिक ढांचे पर हमले का आरोप : तेहरान यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ने अमेरिका पर गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि हाल के हमलों में विश्वविद्यालयों, रिसर्च सेंटर, टीकाकरण केंद्रों और पुलों को निशाना बनाया गया है। सादेकी के अनुसार, संभावना है कि अमेरिका आगे भी नागरिक ढांचे पर हमले तेज कर सकता है।

ईरान देगा जवाब : उन्होंने यह भी कहा कि ईरान ने पहले भी अमेरिकी हमलों का जवाब प्रभावी तरीके से दिया है। ईरान ने क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों और इस्राइली इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर अपनी क्षमता दिखाई है। सादेकी ने चेतावनी दी कि ईरान भविष्य में भी ऐसे ही जवाब देगा जिससे अमेरिका की हमले करने की क्षमता कमजोर हो सके।

ट्रंप का अल्टीमेटम और 'क्रिटिकल पीरियड': व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह क्रिटिकल पीरियड है और ईरान को समझौते के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। उन्होंने कहा हमने उन्हें 10 दिन दिए हैं। अब उनके पास मंगलवार रात 8 बजे (ईस्टर्न टाइम) तक का समय है। इसके बाद उनके पास न पुल होंगे, न पावर प्लांट।

ईरान के सुप्रीम लीडर को मार गया लकवा, बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती: रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजारयल के साथ युद्ध के बीच ईरान में सुप्रीम लीडर को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को यह जिम्मेदारी दी गईहै। हालांकि कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उनकी हालत ठीक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक वह बेहोश हैं और कोम शहर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। यूएस और इजरायली इंटेलिजेंस ने अपने सहयोगी खाड़ी देशों को बताया है कि मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद खराब है और इस स्थिति में वह कोई भी निर्णय लेने में सक्षम नहीं हैं। हालांकि ईरान की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं की गई है। युद्ध के समय कई बार ऐसी खबरें मनोवैज्ञानिक हमला करने के लिए भी फैलाई जाती हैं।

पहली बार लोकेशन की जानकारी : रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया एजेंसियों की तरफ से दिए गए मेमो में कहा गया है कि उनकी हालत लकवा मारने जैसी है और वह कुछ भी सोचने-समझने के लायक नहीं बचे हैं। पहली बार है जब सुप्रीम लीडर की लोकेशन के बारे में भी जानकारी दी गई है।

बनाई जा रही कब्रगाह : बता दें कि कोम ईरान का पवित्र शहर है। इंटेलिजेंस मेमो में कहा गया है कि अली खामेनेई को भी कोम में दफनाने की तैयारी चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक बड़ी कब्रगाह बनाई जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि खमेनेई परिवार के अन्य लोग और मौत के बाद मोजतबा को भी यहीं दफनाया जाएगा।

ईरान ने पहले ही यह कन्फर्म कर दिया था कि जिस एयरस्ट्राइक में मोजतबा के पिता अली खामेनेई, मां और पत्नी जहरा हद्दा आदेल मारी गई थीं। उसमें मोजतबा भी घायल हुए थे। जब से मोजतबा का नाम सुप्रीम लीडर के तौर पर आगे किया गया है तब से ही वह सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। अब इसको लेकर कई तरह के चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

एक दिन पहले जारी किया गया था मोजतबा का बयान : एक दिन पहले ही ईरान के अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सार्वजनिक बयान जारी कर रिवोल्यूशनरी गार्ड के खुफिया प्रमुख के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया। खामेनेई ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट के जरिए कहा कि मेजर जनरल मजीद खादमी अपने प्राण न्योछावर करने वाले ''योद्धाओं और लड़ाकों की पंक्ति'' में शामिल हो गए हैं। बता दें कि अमेरिका ने ईरान को मंगलवार रात 8 बजे तक का समय दिया है। ट्रंप ने कहा है कि अगर इस समय के भीतर ही होर्मुज को खोलने का समझौता नहीं होता है तो ईरान के सारे पुल और पावर प्लांट ध्वस्त कर दिए जाएंगे।

ट्रंप ने समयसीमा तय की ईरान पर हमलों की चेतावनी दी

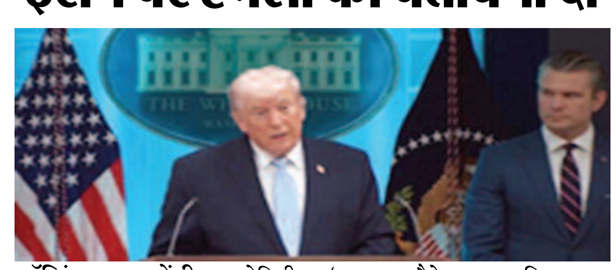

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को समझौता करने के लिए अंतिम समयसीमा दी है और चेतावनी दी है कि अगर बातचीत विफल होती है तो व्यापक सैन्य कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है, जिसका वैश्विक ऊर्जा और सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कल तक का समय है और जोड़ा कि कूटनीति की गुंजाइश तेजी से खत्म हो रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत जारी है लेकिन अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा 'हमें लगता है कि वे ईमानदारी से बातचीत कर रहे हैं... हमें जल्द ही पता चल जाएगा।

इसके साथ ट्रंप ने साफ किया कि सैन्य विकल्प अब भी खुले हैं। 'हम उन्हें बुरी तरह हिला सकते हैं,' उन्होंने कहा, संभावित अमेरिकी कार्रवाई के पैमाने को रेखांकित करते हुए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संभावित लक्ष्यों के मामले में 'बहुत कम चीजें सीमा से बाहर हैं,' जिससे संकेत मिलता है कि यदि ईरान ने पालन नहीं किया तो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर भी हमला किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना अमेरिका की मांगों का एक प्रमुख हिस्सा है। 'उस समझौते का एक हिस्सा यह होगा कि हम तेल और अन्य चीजों की मुक्त आवाजाही चाहते हैं।' उन्होंने कहा, और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे ऊर्जा मार्गों के रणनीतिक महत्व की ओर इशारा किया। ट्रंप ने हालिया अमेरिकी अभियानों के बाद ईरान को कमजोर बताया। उन्होंने कहा, 'उनके पास नौसेना नहीं है... उनके पास वायु सेना नहीं है... उनके पास वायु रक्षा प्रणाली नहीं है।' हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि असममित खतरे अब भी मौजूद हैं। उन्होंने संघर्ष के अगले चरण को लेकर अनिश्चितता भी स्वीकार की। ट्रंप ने कहा, 'मैं आपको नहीं बता सकता... यह इस पर निर्भर करता है कि वे क्या करते हैं।' ये टिप्पणियां दबाव और कूटनीति के मिश्रण को दर्शाती हैं, जहां अमेरिका रियायतें हासिल करने की कोशिश कर रहा है, साथ ही हमलों को तेज करने का विकल्प भी खुला रख रहा है। ट्रंप ने कहा कि कई देश इस संकट के समाधान के प्रयासों में लगे हुए हैं। 'इस युद्ध से बहुत से लोग प्रभावित हो रहे हैं।' यह स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव रखती है, खासकर यदि तनाव के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों में बाधा आती है, जो तेल आपूर्ति की एक प्रमुख धुरी है।

अमेरिका-भारत संबंधों में तेजी आने के साथ ही प्राथमिकताओं के तालमेल पर जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने अपनी रणनीतिक साझेदारी में नई गति का संकेत दिया है। यह संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के लिए आयोजित व्हाइट हाउस रात्रिभोज से पहले मिला। वहीं वॉशिंगटन में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला ने सुरक्षा और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर बढ़ती समानता को भी रेखांकित किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति भारत में अमेरिकी राजदूत के साथ एक रात्रिभोज में भाग लेने वाले हैं। गोर इस समय अमेरिकी राजधानी में हैं और कई बैठकों में शामिल हो रहे हैं। गोर ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें एफबीआई निदेशक काश पटेल भी शामिल हैं, के साथ बैठकों के बाद सहयोग के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'रचनात्मक चर्चा' की, जिसमें 'सीमा पार खतरों, साइबर अपराध, मादक पदार्थों और अवैध नेटवर्क' से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा प्राथमिकताओं पर मजबूत तालमेल है,' और जोड़ा कि पटेल 'एफबीआई में शानदार काम कर रहे हैं।' उन्होंने हालिया कानून-प्रवर्तन उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कहाः '2025 मेंः हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियों में साल-दर-साल 112% की वृद्धि। हत्याओं में 20 प्रतिशत की कमी। डकैती में 20 प्रतिशत की कमी!'

ये संपर्क वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच साझा सुरक्षा चुनौतियों, विशेष रूप से साइबर खतरों और संगठित आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ परिचालन सहयोग को गहरा करने के व्यापक प्रयासों के बीच हो रहे हैं। गोर ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ अपनी बैठक के बाद संबंधों के राजनीतिक पहलू पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, 'अभी-अभी उपराष्ट्रपति के साथ शानदार बैठक समाप्त हुई। अमेरिका-भारत संबंधों

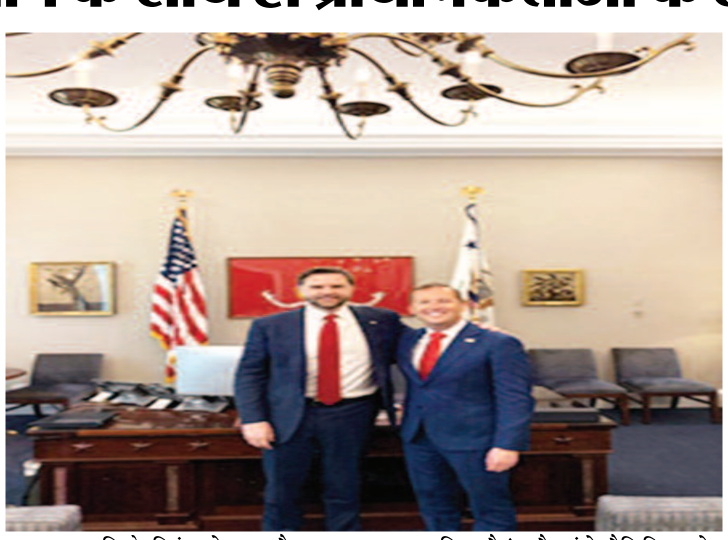

पर उपराष्ट्रपति के निरंतर नेतृत्व और ध्यान के लिए धन्यवाद।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में व्हाइट हाउस इस क्षेत्र में पूरी तरह सक्रिय है,' और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र तथा उसमें भारत की भूमिका पर अमेरिका के निरंतर ध्यान की ओर इशारा किया। कूटनीतिक प्रयासों में गोर और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के बीच बैठक भी शामिल रही, जो दोनों पक्षों के बीच करीबी समन्वय को दर्शाती है। गोर ने कहा, 'मेरे मित्र क्वात्रा से मिलकर हमेशा खुशी होती है। वे हमारे रणनीतिक संबंधों की गहराई से परवाह करते हैं!'

क्वात्रा ने इस बातचीत को दोनों लोकतंत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के जारी प्रयासों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'वॉशिंगटन डीसी की यात्रा के दौरान अपने मित्र, राजदूत सर्जियो गोर से मिलकर खुशी हुई। उनके सहयोग का सम्मान करता हूं और हम दोनों देशों के नेताओं द्वारा तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अपने मजबूत प्रयास जारी रखेंगे।' ये बातचीत सुरक्षा, कूटनीति और राजनीतिक नेतृत्व को शामिल करते हुए बहु-स्तरीय जुड़ाव को दर्शाती है, जिसमें दोनों पक्ष प्रमुख प्राथमिकताओं पर तालमेल पर जोर दे रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)